आज का मौसम | 33.0° अधिकतम तापमान | 22.0° न्यूनतम तापमान | सूर्योदय 05.33 | सूर्यास्त 06.51

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ▪ बरेली ▪ कानपुर ▪ मुरादाबाद ▪ अयोध्या ▪ हल्द्वानी

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष द्वितीया 03:02 उपरांत तृतीया विक्रम संवत 2083

रविवार, 3 मई 2026, वर्ष 7, अंक 158, पृष्ठ 14+4 ▪ मूल्य 6 रुपये

बंद हो गई 34 साल पुरानी स्पिरिट एयरलाइंस, 17 नौकरियों पर संकट-12

गोल्ड में 321 और ईटीएफ में 679 प्रतिशत का जबरदस्त बूम-12

होर्मुज स्ट्रेट से आवाजाही के लिए ईरान को यदि भुगतान किया तो लगेगा प्रतिबंध-13

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी सिनर ने अपने करियर की 350वीं जीत दर्ज की-14

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, अल्मोड़ा की सांस्कृतिक विरासत माल, बाल और पटाल व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

बंगाल में टीएमसी को झटका मतगणना में रहेंगे केंद्रीय कर्मी

याचिका सुप्रीम कोर्ट ने की खारिज, कहा- नियुक्ति चुनाव आयोग का विशेषाधिकार

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की मतगणना में केंद्र सरकार के कर्मचारियों की तैनाती को चुनौती देने वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की याचिका पर हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। शनिवार को अवकाश के दिन हुई एक विशेष सुनवाई में शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि निर्वाचन आयोग के पास मतगणना के लिए केंद्र या राज्य सरकार के किसी भी कर्मचारी को नियुक्त करने का संवैधानिक अधिकार है।

निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित ढांचे को प्रभावी रूप से बरकरार रखते हुए न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की विशेष पीठ ने कहा कि चुनाव निकाय का 13 अप्रैल का परिपत्र कानून के विपरीत नहीं है। पीठ ने कहा कि आयोग के पास दोनों समूहों में से किसी भी समूह से मतगणना कर्मचारी को नियुक्त करने का अधिकार है। टीएमसी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने आयोग के उस पत्र पर कड़ा ऐतराज जताया जिसमें संभावित अनियमितताओं की आशंका का जिक्र था। सिब्बल ने तर्क दिया कि यह राज्य सरकार के कर्मचारियों की निष्पक्षता पर सवाल उठाने जैसा है। हमें यह क्यों नहीं बताया गया कि केवल केंद्र द्वारा नामित व्यक्तियों को ही नियुक्त किया जाएगा? न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची ने स्पष्ट किया कि निर्वाचन आयोग के पास यह विकल्प मौजूद है कि वह मतगणना पर्यवेक्षक और सहायक के रूप में केंद्र या राज्य में से किसी भी कर्मचारी को चुन सके। पीठ ने कहा कि यदि आयोग दोनों पदों पर केंद्र सरकार के कर्मचारियों को नियुक्त करने का निर्णय लेता है, तब भी हम उसे गलत नहीं ठहरा सकते। आयोग की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता डी.एस. नायडू ने स्पष्ट किया कि रिटर्निंग ऑफिसर राज्य का ही कर्मचारी होता है और उसे किसी भी समूह से कर्मियों को तैनात करने का पूर्ण अधिकार है।

"निर्वाचन आयोग के पास यह विकल्प खुला है कि मतगणना पर्यवेक्षक और सहायक केंद्र सरकार के हों या राज्य सरकार के। यदि निर्वाचन आयोग यह भी कहता है कि दोनों पदों पर केंद्र सरकार के कर्मचारी नियुक्त किए जा सकते हैं, तब भी हम उन्हें गलत नहीं ठहरा सकते।

242 अतिरिक्त पर्यवेक्षक तैनात

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की मतगणना को 'भयमुक्त और पारदर्शी' बनाने के लिए निर्वाचन आयोग ने शनिवार को अब तक का सबसे बड़ा कदम उठाया है। आयोग ने राज्य में 165 अतिरिक्त मतगणना पर्यवेक्षक और 77 पुलिस पर्यवेक्षक तैनात करने का आदेश दिया है। आयोग ने स्पष्ट किया कि संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत अपनी शक्तियों का उपयोग करते हुए यह नियुक्तियां की गई हैं। आमतौर पर मतगणना के दौरान पुलिस पर्यवेक्षक तैनात नहीं किए जाते, लेकिन इस बार सुरक्षा व्यवस्था और कानून-व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए 77 विशेष पुलिस पर्यवेक्षक बाहर मोर्चा संभालेंगे।

फलता विधानसभा का मतदान रद्द, अब 21 मई को पुनर्मतदान

नयी दिल्ली। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के फलता विधानसभा क्षेत्र में 29 अप्रैल को हुई पूरी मतदान प्रक्रिया को रद्द कर दिया है। 21 मई को पुनर्मतदान होगा। गिनती 24 मई को की जाएगी। आयोग द्वारा जारी आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, 29 अप्रैल को फलता में हुआ मतदान अमान्य माना जाएगा। राज्य की अन्य 293 सीटों पर वोटों की गिनती सोमवार को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होगी। आयोग ने यह निर्णय फलता के कई बूथों से मिली चुनावी अनियमितताओं और गंभीर अपराधों की शिकायतों के बाद लिया है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के निर्देश पर विशेष पर्यवेक्षक सुब्रत गुप्ता ने क्षेत्र का दौरा कर अपनी रिपोर्ट सौंपी थी, जिसमें करीब 30 बूथों पर गड़बड़ी की पुष्टि की गई थी।

न्यूज ब्रीफ

न्यायिक अधिकारी ने आत्महत्या की

नई दिल्ली। दिल्ली के सफदरजंग इलाके में दिल्ली न्यायिक सेवा के एक अधिकारी, अमन कुमार शर्मा का शव मिला है। पुलिस ने प्रारंभिक जांच के आधार पर इसे आत्महत्या का मामला बताया है। वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, फिलहाल किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि की पुष्टि नहीं हुई है।

भगोड़ा कमलेश पारेख गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने 2,672 करोड़ के बैंक धोखाधड़ी में भगोड़े कमलेश पारेख को यूएई से प्रत्यर्पण के बाद गिरफ्तार कर लिया। कोलकाता स्थित 'श्री गणेश ज्वैलरी हाउस (आई) लिमिटेड' के प्रमोटर पारेख पर 25 बैंकों के संघ से धोखाधड़ी का आरोप है। सीबीआई ने 2016 में मामला दर्ज किया था।

आईईडी निष्क्रिय करते समय विस्फोट चार जवान शहीद

कांकेर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के कांकेर-नारायणपुर जिला सीमा पर शनिवार को एक दर्दनाक हादसे में 'जिला रिजर्व गार्ड' (डीआरजी) के एक अधिकारी सहित चार जवान शहीद हो गए। यह घटना छोटेबेठिया थाना क्षेत्र के आदनार गांव के पास जंगल में हुई, जब सुरक्षाबल नक्सलियों द्वारा पूर्व में दबाई आईईडी को निष्क्रिय कर रहे थे।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, सुरक्षाबलों को गश्त और पुराने बारूदी सुरंगों को खोजने व निष्क्रिय करने के अभियान पर भेजा गया था। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने बताया कि आदनार के जंगल में आईईडी निष्क्रिय करने के दौरान अचानक विस्फोट हो गया। मौके पर ही तीन सुरक्षाकर्मी शहीद हो गए, जबकि एक गंभीर रूप से घायल जवान को रायपुर के अस्पताल में मौत हो गई।

खुदी सड़कें तुरंत नहीं भरीं तो ठेकेदार होंगे ब्लैकलिस्ट

जल जीवन मिशन

- मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों को दिए स्थलीय निरीक्षण के आदेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जल जीवन मिशन के तहत हो रही खुदाई कार्यों को लेकर सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि खुदाई के बाद सड़कों और गड्ढों को तत्काल भरा जाए और सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी, जल जीवन मिशन से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी और अन्य विभागीय अधिकारी मौके पर जाकर निरीक्षण करें और खुदी सड़कों की स्थिति का आकलन कर तत्काल सुधार कराएं। उन्होंने निर्देश दिया कि अधूरे कार्य छोड़ने, समय पर काम पूरा न करने या लापरवाही बरतने वाली कार्यदायी संस्थाओं और ठेकेदारों पर जुर्माना लगाने के साथ उन्हें ब्लैकलिस्ट भी किया जाए। साथ ही जल समाधान पोर्टल पर दर्ज जलापूर्ति, लीकेज और खुदाई से जुड़ी शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए।

18001212164 पर दर्ज कराएं शिकायत

जल जीवन मिशन से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए आम लोग 18001212164 टोल फ्री नंबर पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

बीमा क्षेत्र में अब 100% विदेशी निवेश

- वित्त मंत्रालय ने जारी की अधिसूचना

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त मंत्रालय ने शनिवार को बीमा क्षेत्र में स्वचालित मार्ग के तहत 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को औपचारिक रूप से अधिसूचित कर दिया है। सरकार के इस कदम से अब विदेशी कंपनियां भारतीय बीमा कंपनियों और ब्रोकरेज जैसी बिचौलिया संस्थाओं में बिना किसी सरकारी अनुमति के पूरी हिस्सेदारी रख सकेंगी।

यह बदलाव 'विदेशी मुद्रा प्रबंधन (गैर-ऋण लिखत) संशोधन नियम, 2026' के तहत प्रभावी हुआ है। हालांकि, सरकार ने स्पष्ट किया है कि भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के लिए विदेशी निवेश की सीमा अभी भी 20 प्रतिशत पर ही सीमित रहेगी। संसद ने दिसंबर 2025 में 'सबका बीमा सबकी रक्षा (बीमा कानून संशोधन) विधेयक' पारित किया था, जिसने निवेश की सीमा को 74 प्रतिशत से बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने का मार्ग प्रशस्त किया था। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा फरवरी में दी गई शुरुआती अधिसूचना के बाद अब वित्त मंत्रालय ने इसे अंतिम रूप से लागू कर दिया है।

बरेली में हाईटेंशन लाइन गिरने से दो की मौत

- अलीगंज थाना के सूदनपुर में करंट से एक महिला झुलसी
- पीड़ित परिवारों को 5-5 लाख मुआवजे का ऐलान

संवाददाता, बरेली/राजपुर कलां

अमृत विचार : थाना अलीगंज क्षेत्र के गांव सूदनपुर में हाईटेंशन लाइन सप्लाई लाइन पर टूटकर गिरने से टूटने से जमीन में घरों में करंट दौड़ गया और कई गांववाले चपेट में आ गए। हादसे में स्कूल जा रहे एक छात्र और एक दिव्यांग की दो लोगों की जान चली गई। बचाने दौड़ी छात्र की मां भी गंभीर रूप से झुलस गई। ई रिक्शा जल गया।

सूदनपुर गांव में हादसा सुबह साढ़े 7 बजे के करीब हुआ। लोग उस समय खेतों पर आ जा रहे थे। अचानक 11 केवी हाईटेंशन लाइन टूट कर गांव की सप्लाई लाइन पर आ गिरी। इसकी वजह से पूरे मोहल्ले के अंदर जमीन, मकान हर जगह करंट दौड़ गया। कॉलेज जाने को ऊदल सिंह के 16 वर्षीय पुत्र सुभाष ने घर का गेट खोला तो वह करंट की चपेट में आ गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बेटे को बचाने दौड़ी मां सुनीता (45) भी झुलस गईं। गांव के दिव्यांग कुंवरपाल (24) भी चारपाई से जमीन पर पैर रखा तो उसे करंट लग गया और उसकी भी लगने से जान चली गई। दिव्यांग और छात्र को गांववाले अस्पताल लेकर दौड़े, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। मोहल्ले में एक ई-रिक्शा में भी करंट से जल गया। कई लोग मौत के मुंह में जाते-जाते बचे। सूचना पर पुलिस, प्रशासन के साथ बिजली निगम के अधिकारी मौके पर पहुंचगए। संयुक्त टीमें हादसे की जांच में जुटी है। चीफ इंजीनियर बिजली ज्ञान प्रकाश ने मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये मुआवजा, घायल महिला के बेहतर इलाज और आश्रितों को नौकरी देने का आश्वासन दिया है।

जान गंवाने वाले सुभाष और कुंवरपाल।

खौफनाक: चार बच्चों की हत्या के बाद मां फरार

- पति की दूसरी शादी से उपजे तनाव में वारदात को अंजाम देने का शक

अंबेडकरनगर (अमृत विचार): अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के मुरादाबाद मोहल्ले में शनिवार को एक महिला ने अपने ही चार बच्चों की ईंट से सिर कूचकर निर्मम हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी मां बालकनी से कूदकर फरार हो गई।

नियाज अहमद की पत्नी गाजिया खातून (35) अपने बच्चों शफीक (14), सउद (12), उमर (10) और बेटी शादिया (8) के साथ रहती थी। शनिवार दोपहर गाजिया ने घर का मुख्य दरवाजा अंदर से बंद कर लिया और चारों बच्चों पर ईंट से ताबड़तोड़ वार कर उन्हें मौत के घाट उतार दिया। पड़ोसियों को शक होने पर जब पुलिस पहुंची, तो दरवाजा तोड़कर अंदर घुसी। कमरे में चारों बच्चों के शव खून से लथपथ बिस्तर पर पड़े मिले। पुलिस जांच में सामने आया है कि गाजिया का पति नियाज पिछले चार साल से सऊदी अरब में है। चर्चा है कि नियाज ने वहां किसी अन्य महिला से शादी कर ली है, जिससे गाजिया पिछले दो महीनों से गहरे तनाव में थी। आईजी रेंज सोमेन वर्मा ने बताया कि परिजनों की तहरीर पर आरोपी मां गाजिया खातून के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

22 से पहला चरण, पहली बार डिजिटल व स्वगणना

जनगणना 2027

लखनऊ। 'जनगणना 2027' के तहत उत्तर प्रदेश में जनगणना सात मई से शुरू होगी, संपूर्ण जनगणना दो चरणों में संपन्न होगी। पहले चरण में मकान सूचीकरण और मकानों की गणना कार्य 22 मई से 20 जून 2026 तक चलेगा, जबकि दूसरा चरण (जनसंख्या गणना) फरवरी 2027 में आयोजित होगा।

इस बार जनगणना डिजिटल माध्यम से कराई जाएगी, जिसमें पहली बार स्व-गणना की सुविधा भी दी गई है। इसके तहत आम नागरिक 07 मई से 21 मई 2026 के बीच आधिकारिक पोर्टल (se.census.gov.in) पर अपनी जानकारी स्वयं ऑनलाइन भर सकेंगे। शनिवार को जनगणना कार्य निदेशालय, उप्र. की निदेशक एवं मुख्य प्रधान जनगणना अधिकारी, उप्र. शीतल वर्मा ने प्रेस कांफ्रेंस में जानकारी दी।

तकनीक | देश की सुरक्षा और आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि

मोबाइल फोन पर गूंजा स्वदेशी सायरन

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने शनिवार को देश की सुरक्षा और आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सेल ब्रॉडकास्ट चेतावनी प्रणाली की शुरुआत की।

इस लॉन्चिंग के साथ ही देशभर के करोड़ों मोबाइल फोन पर एक विशेष चेतावनी संदेश और तेज बीप की आवाज सुनाई दी, जो इस बात का संकेत है कि अब भारत किसी भी प्राकृतिक आपदा या आपात स्थिति में अपने नागरिकों को सीधे और तुरंत सचेत करने में सक्षम है। यह उन्नत प्रणाली सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के साथ मिलकर विकसित की है। इस प्रणाली की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसे किसी इंटरनेट कनेक्शन की आवश्यकता नहीं है। यह सीधे सेल टावरों के माध्यम से क्षेत्र विशेष के सभी सक्रिय मोबाइलों पर संदेश भेज सकती है। दूरसंचार विभाग ने पहले ही सूचित कर दिया था कि यह एक परीक्षण प्रक्रिया है ताकि घबराहट न फैले।

आपदा से पहले ही अलर्ट करेगा फोन

- **उद्देश्य** : बाढ़, भूकंप, सुनामी या अन्य आपात स्थितियों में लोगों की जान बचाना।
- **तकनीक** : इसे सी-डॉट (C-DOT) और NDMA ने मिलकर बनाया है, जो बिना इंटरनेट के भी काम करता है।
- **बीप साउंड** : संदेश आने पर फोन में एक तेज विशिष्ट ध्वनि (बीप) और कंपन होता है, भले ही फोन साइलेंट मोड पर हो।

न्यूज ब्रीफ

अयोध्या धाम में यूपी-42 नंबर के वाहनों पर रोक हटी

अयोध्या, अमृत विचार : जिला प्रशासन ने अयोध्या धाम में रहने वाले स्थानीय लोगों को बड़ी राहत दी है। अब अयोध्या धाम के सभी बैरियरों पर यूपी-42 नंबर के वाहनों के आने जाने पर किसी तरह की रोका टोकी नहीं होगी। इसके लिए वाहन पास की भी आवश्यकता नहीं होगी। यही नहीं बाहर से आने वाले रिश्तेदारों या शादी विवाह में बारात आदि को पास जारी किया जाएगा। हालांकि संदिग्ध दिखने पर वाहनों की तलाशी व पहचान पत्र की जांच जरूर की जाएगी। ' 'अमृत विचार'' ने 21 अप्रैल के अंक में इससे संबंधित खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया था, जिस पर अब मोहर लग गई है।

राजस्व निस्तारण में लखनऊ प्रथम

लखनऊ, अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्त निगरानी में चल रहे अभियान से प्रदेश में राजस्व मामलों के निस्तारण में उल्लेखनीय तेजी आई है। आरसीसीएमएस की अप्रैल रिपोर्ट के अनुसार, पूरे प्रदेश में 3,37,708 मामलों का निपटारा किया गया, जिसमें लखनऊ ने 18,861 मामलों के साथ पहला स्थान हासिल किया। प्रयागराज 12,036 मामलों के साथ दूसरे, बाराबंकी 9,139 के साथ तीसरे और आजमगढ़ 8,483 मामलों के साथ चौथे स्थान पर रहा। जनपद स्तर पर जौनपुर ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए निर्धारित लक्ष्य से कहीं अधिक मामलों का निस्तारण कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया।

अपहरण, अश्लील वीडियो बनाये, दो गिरफ्तार

लखनऊ, एजेंसी : लखनऊ में पुलिस ने एक व्यक्ति का अपहरण करने, उसे नशीला पदार्थ पिलाने और ब्लैकमेल कर जमीन हड़पने की कोशिश करने के आरोप में शनिवार को एक प्रापर्टी डीलर और उसकी महिला साथी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने पीड़ित का अश्लील वीडियो बनाकर उसके परिवार को धमकाया। पुलिस ने एक बयान में कहा कि गोसाईंगंज थानाक्षेत्र के मोहरीकला की रीता सैनी की शिकायत पर शुक्रवार को सुशांत गोल्फ सिटी थाने में मामला दर्ज किया गया था।

नोएडा की एक फैक्ट्री में आग लगी, भारी नुकसान

नोएडा, एजेंसी : नोएडा में फेस वन थानाक्षेत्र के सेक्टर आठ में एक हार्डवेयर फैक्टरी में शनिवार को भीषण आग लगने से भारी नुकसान हो गया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि सेक्टर आठ में बिल्डर्स हार्डवेयर नामक फैक्टरी में शनिवार तड़के करीब चार एवं पांच बजे के बीच चौथी मंजिल पर अचानक शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। उन्होंने कहा कि आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप धारण कर लिया और पूरी मंजिल को अपनी चपेट में ले लिया। उन्होंने कहा कि पहले दमकल की दो गाड़ियां भेजी गईं, लेकिन आग की तीव्रता को देखते हुए आठ और गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। चौबे ने बताया कि अग्निशमन दल को आग पर काबू पाने में करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। उन्होंने कहा कि हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। दावा किया जा रहा है इस हादसे में लाखों रुपये का पैकिंग मटेरियल, कई मशीनें और जरूरी दस्तावेज जलकर राख हो गए।

लगभग 3.5 किलोमीटर लंबी बाउंड्री वॉल के निर्माण में 30 प्रतिशत कार्य पूरा हुआ

हाईटेक सुरक्षा युक्त बन रही राम मंदिर की बाउंड्रीवॉल

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : राममंदिर परिसर के सुरक्षा की पहली लेयर में बाउंड्री वाल को मजबूत स्तंभ और आधुनिक सुरक्षा से तैयार किया जा रहा है। लगभग 3.5 किलोमीटर लंबी बाउंड्री वॉल के निर्माण में 30 प्रतिशत कार्य पूरा कर लिया गया है। इसे सितंबर से अक्टूबर माह के बीच पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा ने बताया कि भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के उपक्रम इंजीनियरिंग इंडिया लिमिटेड के द्वारा राम मंदिर परिसर के 70 एकड़ के बाउंड्री वॉल को सुरक्षा के लिए 14 फिट ऊंची और लगभग 3.5 किलोमीटर लंबी बाउंड्रीवाल का निर्माण किया जा रहा है। जिसे हाईटेक सुरक्षा से लैस 28 टॉवर होंगे। जिसमे बुलेट प्रूफ मोर्चा और गश्त करते हुए सुरक्षाकर्मी भी दिखाई देंगे। जिसमें लगभग एक किलोमीटर बाउंड्री वॉल के निर्माण का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। फेंसिंग, लाइटिंग, सीसीटीवी कैमरा और सुरक्षा के अन्य उपकरणों को लगाने का काम चल रहा है।

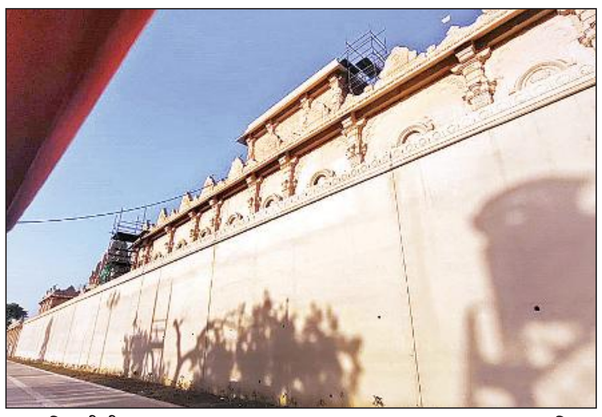

राम मंदिर की दीवार। अमृत विचार

बाहर होगा ऑडिटोरियम और अतिथि गृह

सदस्य डॉ. अनिल ने बताया कि राम मंदिर परिसर के कुछ हिस्से को संवेदनशील क्षेत्र से बाहर किया गया है। राष्ट्रीय निर्माण निगम के द्वारा ट्रस्ट ऑफिस, ऑडिटोरियम व अन्य कार्य किए जा रहे हैं। कहा कि 11 नंबर गेट के पास बाउंड्री वॉल के बाहर भूमि पर ऑडिटोरियम, आने वाले संत धर्माचार्य व अन्य अतिथियों के लिए विश्राम स्थल व ट्रस्ट के ऑफिस का निर्माण चल रहा है। जिसे दिसंबर तक पूरा करने का समय दिया गया है।

फूलों से रसपान

कानपुर जिले के नवाबगंज में एक चित्तीदार तितली लैंटाना के फूलों से पराग एकत्र करती हुई। ● एजेंसी

पुलिस चौकी में युवक की मौत तीन पुलिसकर्मी निलंबित

बागपत का मामला, परिजनों ने पिटाई का आरोप लगाया

बागपत, एजेंसी

बागपत जिले में पुलिस थाने में पूछताछ के लिए बुलाए गए एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार युवक को पूछताछ के लिए चौकी लाया गया था, जहां उसने कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस मामले में लापरवाही के आरोप में एक चौकी प्रभारी सहित तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है।

मृतक के परिजनों ने हालांकि आरोप लगाया है कि युवक की पुलिस द्वारा बेरहमी से पिटाई की गई, जिसके कारण उसकी मौत हुई। उन्होंने कहा कि पुलिस मामले को आत्महत्या बताकर उसे दबाने की कोशिश कर रही है और दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करने की मांग की है।

चौकी में मौजूद परिजन।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) सूरज कुमार राय ने बताया कि निरपुड़ा गांव निवासी रोहित (23) को हाल ही में हुई चोरी के मामले में पूछताछ के लिए दोघट थाना क्षेत्र के भदाल चौकी लाया गया था। उन्होंने कहा कि पूछताछ के बाद उसे उसके परिजनों को सौंपा जाना था, जिन्हें भी चौकी पर बुलाया गया था।

एसपी ने बताया कि इसी दौरान युवक ने कथित तौर पर चौकी के अंदर पंखे से कपड़े के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि मौजूद पुलिसकर्मियों ने उसे नीचे उतारकर बुढ़ाना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां से गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन इलाज के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

● **युवक को पूछताछ के लिए चौकी लाया गया था**

एसपी ने कहा कि प्रारंभिक जांच में लापरवाही सामने आने पर चौकी प्रभारी और दो कांस्टेबलों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि मृतक के परिजनों की शिकायत के आधार पर दोघट थाने में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है। जिलाधिकारी से चर्चा के बाद मजिस्ट्रियल जांच शुरू कर दी गई है और फॉरेंसिक टीम मौके से साक्ष्य एकत्र कर रही है। एसपी ने कहा कि जांच में दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।" उन्होंने बताया कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति सामान्य है।

राहुल गांधी के हाथरस मानहानि मामले में अगली सुनवाई 13 को

हाथरस, एजेंसी: लोकसभा में विपक्ष के नेता (कांग्रेस) राहुल गांधी के खिलाफ हाथरस में दर्ज मानहानि के परिवाद में अब अगली सुनवाई 13 मई को होगी। एक अधिवक्ता ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हाथरस के बूलगढ़ी प्रकरण में दोषमुक्त हो चुके युवकों को आरोपी बताने के मामले में सांसद-विधायक अदालत में यह परिवाद विचाराधीन है और इस मामले में आज सुनवाई की तारीख थी। अधिवक्ता मुन्ना सिंह पुंढीर ने बताया कि अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश (वरिष्ठ प्रभाग) दीपक नाथ सरस्वती की सांसद-विधायक अदालत में इस मामले की सुनवाई चल रही है।

आज बहस सुनने के बाद अदालत ने निर्णय सुरक्षित रख लिया है और सुनवाई की अगली तारीख 13 मई निर्धारित की । हाथरस के बहुचर्चित बूलगढ़ी प्रकरण में दुष्कर्म के आरोप से बरी हुए युवक रवि, राम कुमार उर्फ रामू और लवकुश के अधिवक्ता मुन्ना सिंह पुंढीर ने बताया कि राहुल गांधी पर उनके मुवक्किलों ने तीन मुकदमे डाले थे। पुंढीर ने यह भी बताया है कि बूलगढ़ी प्रकरण में युवक संदीप को तो नामजद किया गया था।

किसान-नौजवान न्याय यात्रा का मुजफ्फरनगर में स्वागत

मुजफ्फरनगर में किसान-नौजवान न्याय यात्रा में मौजूद पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता ।

मुजफ्फरनगर, अमृत विचार: किसान-नौजवान न्याय यात्रा के दूसरे दिन आज सहारनपुर से आगे बढ़ते हुए यात्रा का आगमन मुजफ्फरनगर में हुआ। यह यात्रा एक मई से प्रारंभ होकर आठ मई तक सहारनपुर से दिल्ली तक निकाली जा रही है, जिसका उद्देश्य किसानों और नौजवानों के मुद्दों को प्रमुखता से उठाना है। आज मुजफ्फरनगर में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय सचिव एवं प्रभारी विशाल चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष पारस शुक्ला सहित युवा कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार यात्रा को आगे बढ़ना था, लेकिन पुलिस प्रशासन द्वारा अनुमति न देने का हवाला देते हुए यात्रा को रोक दिया गया। इससे आक्रोशित युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मौके पर ही धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया और सत्याग्रह पर बैठ गए। कार्यकर्ताओं के बढ़ते आक्रोश और स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन को हस्तक्षेप करना पड़ा। मौके पर पहुंचे प्रशासनिक अधिकारियों— एडिशनल एसपी सिद्धार्थ के मिश्रा, एसडीएम एवं अन्य अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से वार्ता की और उनका ज्ञापन स्वीकार किया।

पारिवारिक विवाद में बेटे ने पिता की गोली मारकर हत्या

मेरठ, एजेंसी: जिले के जानी थाना क्षेत्र में पारिवारिक विवाद के चलते एक व्यक्ति ने अपने पिता की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने शनिवार को बताया कि घटना के 24 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, यह घटना 30 अप्रैल की है जब रसूलपुर धौलडी गांव निवासी रियाज (54) ने अपने पिता ऐजाज (72) को लाइसेंसी पिस्तौल से तीन गोलियां मार दीं, जिससे उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि रियाज के पिता ने करीब 4.5 बीघा जमीन बेचकर धनराशि अपने खाते में जमा की थी जिसे लेकर दोनों के बीच विवाद था। आरोपी अपने हिस्से की मांग कर रहा था और इसी विवाद के चलते उसने घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने बताया कि घटना के बाद आरोपी फरार हो गया था। इस संबंध में जानी थाने में मामला दर्ज किया गया था। पुलिस टीम ने धौलडी बम्बा के पास से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से हत्या में प्रयुक्त .32 बोर की लाइसेंसी पिस्तौल, दो कारतूस तथा घटना में प्रयुक्त कार बरामद की गई है।

मीटर रीडर को एसडीओ ने बनाया मुर्गा

मुरादाबाद, अमृत विचार: बकाया के नाम पर उपभोक्ता से पैसे हड़पने वाले मीटर रीडर को एसडीओ ने कार्यालय के बाहर मुर्गा बनाकर सजा दी। एसडीओ के इस बर्ताव का वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। जिसके बाद यह बिजली विभाग के अधिकारियों के गले की फांस बन गया। हालांकि अधिकारी मीटर रीडर के पैसे हड़पने पर ग्रामीणों की पिटाई से बचाने के लिए इस तरीके की सजा देने की बात कर रहे हैं। साथ ही एसडीओ के खिलाफ कार्रवाई की बात भी कही जा रही है। शनिवार को दलपतपुर विद्युत केंद्र पर तैनात एसडीओ ने मीटर रीडर को कार्यालय के बाहर मुर्गा बनाकर सजा दी।

अमूल, ज्ञान समेत कई दुग्ध इकाइयों में मिली खामियां

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के विशेष अभियान के तहत डेयरी उत्पादों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए कई नामी ब्रांड्स की इकाइयों में गंभीर अनियमितताएं पकड़ी गईं। 14 विशेष टीमों ने लखनऊ, बाराबंकी, कानपुर नगर और कानपुर देहात में छापेमारी कर 56 नमूने लिए और करीब 388 टन खाद्य सामग्री सीज की, जिसकी अनुमानित कीमत 15.8 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

जांच के दौरान अमूल की इकाइयों में स्किम्ड मिल्क पाउडर की लेबलिंग में खामियां पाई गईं।

बिना विटामिन मिलाए हेल्थ क्लेम करने पर सुधार नोटिस जारी किया गया। वहीं ज्ञान के सीपी मिल्क एंड फूड प्रोडक्ट्स, लखनऊ में घी और मिल्क पाउडर की लेबलिंग में कमियां सामने आईं। यहां इंडस्ट्रियल प्रिज़र्वेटिव्स के इस्तेमाल की आशंका पर 108 टन सामग्री (करीब 58 लाख रुपये) सीज की गई। इसी तरह शुद्ध ब्रांड (स्वदेश मिल्क प्रोडक्ट) में बिना फूड-ग्रेड एडिटिव्स के उपयोग और बटरमिल्क में संदूषित मसालों की आशंका पर उत्पाद सीज कर नोटिस जारी किया गया। नमस्ते इंडिया यूनिट में भी स्वच्छता मानकों में कमी पाई गई।

● **14 टीमों ने मारा छापा, 388 टन खाद्य सामग्री सीज**

कानपुर देहात की भोले बाबा डेयरी में सबसे बड़ी गड़बड़ी सामने आई, जहां एक्सपायरी डेट बदलकर उत्पाद बेचने का मामला उजागर हुआ।

शारदा में डूबने से युवक की मौत

भानपुर (लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: थाना भीरा क्षेत्र के सोनपीपर गांव में मुंडन संस्कार में शामिल होने आए युवक की शारदा नदी में डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। हादसे के खुशियां मातम में बदल गईं।

सोनपीपर गांव निवासी दिलीप गिरी के बच्चे का मुंडन संस्कार शुक्रवार को शारदा पुल के पास नदी किनारे आयोजित किया गया था, जहां बड़ी संख्या में रिश्तेदार, ग्रामीण और परिचित जुटे हुए थे। पूजा-पाठ और रस्मों के बीच माहौल पूरी तरह उत्सव जैसा था। गांव का ही रामनिवास (22) पुत्र तोखे अपने दोस्तों रवि और अजीत के साथ बाइक से समारोह स्थल पर पहुंचा था। कुछ देर बाद तीनों युवक नदी में नहाने के लिए उतर गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक शुरुआत में सब सामान्य था, लेकिन अचानक रामनिवास का संतुलन बिगड़ गया और वह गहरे पानी की ओर चला गया। देखते ही देखते वह लहरों में ओझल हो गया।

कानपुर में चीन तक मार करने वाली मिसाइलें जल्द बनाई जायेंगी

● **अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने शुरू की 4000 किमी मारक क्षमता वाली मिसाइलों के उत्पादन की तैयारी**

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। इधर विश्व में जितने भी युद्ध हुए हैं, चाहे रुस-यूक्रेन का युद्ध हो या अमेरिका-इजरायल और ईरान का युद्ध, यह बात साफ हो गयी है कि मिसाइलों की अहमियत काफी बढ़ गयी है, इसे देखते हुए कानपुर स्थित डिफेंस मेगा क्लस्टर में जल्दी ही चार हजार किलोमीटर तक मारक क्षमता वाली मिसाइलें बनाने के लिए तैयारी चल रही है। यह जानकारी शनिवार को सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में आयोजित समग्र विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने दी। उन्होंने बताया कि मिसाइल बनाने की यूनिट के लिए यूपीसीडा द्वारा भूमि अधिग्रहीत करने का काम शुरू किया जा चुका है। लखनऊ में ब्रह्मोस्त्र जैसी मिसाइल पहले ही तैयार हो रही हैं, जिसे कई देश भारत से खरीद भी रहे हैं।

आपरेशन सिंदूर में साबित हुई थी मिसाइल व ड्रोन की महत्ता

अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस की डिफेंस कॉरिडोर साढ़ स्थित फैक्ट्री में मिसाइल का उत्पादन शुरू करने की तैयारियां चल रही हैं। अभी फैक्ट्री में विभिन्न प्रकार की बंदूकों की गोलियों का उत्पादन हो रहा है। मिसाइल उत्पादन के लिए फैक्ट्री में अलग कॉम्प्लेक्स का निर्माण कार्य चल रहा है। कंपनी का लक्ष्य अगले साल तक मिसाइल का उत्पादन शुरू करने का है। पिछले साल पाकिस्तान के साथ हुए आपरेशन सिंदूर के दौरान मिसाइल और ड्रोन की महत्ता साबित हुई थी। मिसाइल से दुश्मन देश की सीमा पार किए बिना लक्ष्यों को निशाना बनाया जा सकता है। आपरेशन सिंदूर में अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस में तैयार कई उपकरणों का इस्तेमाल हुआ था।

स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर | रियल-टाइम मॉनिटरिंग, सेंसर स्कैनिंग से बदलेगा ट्रैफिक प्रबंधन का तरीका

एआई, स्विस तकनीक से स्मार्ट बन रहे एक्सप्रेस-वे

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेस-वे निर्माण अब पारंपरिक मॉडल से आगे बढ़कर तकनीक-आधारित 'स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर' की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार के दूसरे कार्यकाल में जहां एक्सप्रेस-वे नेटवर्क का तेजी से विस्तार हुआ, वहीं अब इन परियोजनाओं में गुणवत्ता, सुरक्षा और दीर्घकालिक स्थायित्व सुनिश्चित करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और स्विस सेंसर तकनीक को शामिल किया गया है।

इस दिशा में उप्र. एक्सप्रेस-वे इंडस्ट्रियल डवलपमेंट अथारिटी ने ईटीएच ज़ूरिच और आरटीडीटी लेबोरेट्रीज एजी के साथ साझेदारी की है। इस पहल के तहत सड़क निर्माण को 'डेटा-ड्रिवन' और 'रियल-टाइम मॉनिटरिंग' आधारित बनाया जा रहा है। गंगा एक्सप्रेस-वे में भी इस तकनीक का उपयोग किया जा चुका है। नई व्यवस्था में सेंसर आधारित मॉड्यूल के जरिए निर्माण के हर चरण पर नजर रखी जा रही है, जिससे खामियों को तुरंत ठीक किया जा सके। यह पहल यूपी को पारंपरिक इंफ्रास्ट्रक्चर मॉडल से आगे ले जाकर 'स्मार्ट नेटवर्क' की श्रेणी में स्थापित कर रही है। एक्सप्रेस-वे अब केवल कनेक्टिविटी का माध्यम नहीं रहेंगे, बल्कि डेटा, तकनीक और आधुनिक प्रबंधन के समन्वय से संचालित इंटेलिजेंट सिस्टम के रूप में विकसित होंगे।

सरकार का फोकस केवल निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि संचालन के दौरान भी एआई का उपयोग किया जा रहा है। एआई-सक्षम कैमरे ओवरस्पीडिंग और लेन उल्लंघन जैसी गतिविधियों को स्वतः चिन्हित करेंगे।

एआई से तय होगी गुणवत्ता की श्रेणी

सेंसर से प्राप्त आंकड़ों को एआई सॉफ्टवेयर के माध्यम से प्रोसेस कर सड़क की गुणवत्ता को 'एक्सीलेंट', 'गुड' और 'पुअर' जैसी श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा रहा है। इससे निर्माण एजेंसियों की जवाबदेही तय हो रही है और छोटी से छोटी खामी भी समय रहते पकड़ी जा रही है।

न्यूज ब्रीफ

कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी पर साधा निशाना

अमृत विचार, लखनऊ : बसपा प्रमुख मायावती ने कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में भारी बढ़ोतरी को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि देश में पहले से ही कमर्शियल सिलेंडरों की कमी के बीच करीब 993 रुपये की एकमुश्त बढ़ोतरी से आम जनजीवन पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। साथ ही सरकार से मांग की कि वह पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में वृद्धि के संभावित प्रभाव का आकलन कर ही नीतिगत निर्णय ले, ताकि आम जनता को राहत मिल सके। बसपा प्रमुख ने आशंका जताई कि कमर्शियल गैस के बाद जल्द ही रसोई गैस, पेट्रोल और डीजल सहित अन्य पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में भी वृद्धि हो सकती है, जिससे लोगों में बेचैनी का माहौल है। उन्होंने कहा कि कीमतों में वृद्धि के पीछे अंतरराष्ट्रीय कारण, जैसे अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच तनाव हो सकते हैं, लेकिन सरकार को जनहित को प्राथमिकता देते हुए मूल्य नियंत्रण की नीति जारी रखनी चाहिए।

माटीकला कारीगरों को नि:शुल्क प्रशिक्षण मिलेगा मानदेय

अमृत विचार,लखनऊ : उत्तर प्रदेश में पारंपरिक कारीगरों और शिल्पियों के कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड द्वारा 15 दिवसीय नि :शुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण लखनऊ के डालीगंज स्थित मंडलीय ग्रामोद्योग प्रशिक्षण केंद्र में संचालित होगा। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य पारंपरिक माटीकला को आधुनिक बाजार से जोड़ना और कारीगरों को आत्मनिर्भर बनाना है। प्रशिक्षण पूरी तरह आवासीय होगा, जिसमें प्रतिभागियों के रहने और भोजन की व्यवस्था नि :शुल्क की जाएगी।

रोडवेज कर्मचारियों का प्रदेशव्यापी धरना

लखनऊ, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के कर्मचारियों ने अपनी लंबित 14 सूत्रीय मांगों को लेकर पूरे प्रदेश में व्यापक धरना-प्रदर्शन किया। रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद के आह्वान पर 115 डिपो, कार्यशालाओं, बस स्टेशनों और प्रशासनिक कार्यालयों की 233 प्राथमिक शाखाओं में कर्मचारियों ने एकजुट होकर विरोध दर्ज कराया। परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष गिरिजा शंकर तिवारी और महामंत्री गिरीश चंद्र मिश्र ने संयुक्त बयान में बताया कि 15 मार्च 2026 को शासन और निगम प्रबंधन को आंदोलनात्मक नोटिस दिया गया था। इसके तहत धरना-प्रदर्शन और 19 मई तक मांगें पूरी न होने पर 20 मई को प्रदेश के क्षेत्रीय मुख्यालयों पर रैली, धरना और आम सभा आयोजित करने की चेतावनी दी गई है। मुख्य मांगों में डग्गामारी पर रोक, संविदा कर्मियों का नियमितीकरण, वेतन कटौती बंद करना, रिक्त पदों पर भर्ती, भत्तों में वृद्धि और वेतन विसंगतियों का समाधान शामिल हैं। साथ ही सेवानिवृत्त कर्मचारियों को चिकित्सा सुविधा, महंगाई भत्ते के बकाया भुगतान और भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई की मांग भी उठाई गई है।

4-5 मई के लिए कई जिलों में ऑरेंज अलर्ट

देहरादून, अमृत विचार : भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 04 व 05 मई के लिए देहरादून, टिहरी, हरिद्वार, पौड़ी, नैनीताल, चम्पावत एवं ऊधम सिंह नगर में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इन जनपदों में कहीं-कहीं गरज के साथ आकाशीय बिजली चमकने, ओलावृष्टि, तीव्र से अति तीव्र वर्षा तथा 40 से 50 किमी घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। 05 मई को उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर एवं पिथौरागढ़ जनपदों में भी ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जहां ओलावृष्टि, तेज वर्षा एवं तेज हवाओं की संभावना जताई गई है।

कार को ट्रक ने मारी टक्कर, पांच घायल

सुलतानपुर,एजेंसी : जिले के कोतवाली देहात थानाक्षेत्र में कमनगढ़ गांव के पास अयोध्या-प्रयागराज राजमार्ग पर एक अनियंत्रित ट्रक से कार में टक्कर लगने पर पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। घायलों को राजकीय मेडिकल कॉलेज से ट्रॉमा सेंटर लखनऊ रेफर किया गया है। कार में कुल आठ लोग सवार थे। तीन अन्य को मामूली चोटें आईं। पुलिस के अनुसार शुक्रवार रात कार से ये लोग अयोध्या से वाराणसी जा रहे थे तथा कार जैसे ही कमनगढ़ गांव के पास पहुंची एक तेज रफ्तार ट्रक ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

विपक्ष के खिलाफ निकाला मशाल मार्च

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- **'नारी शक्ति राष्ट्र शक्ति सम्मान, सुरक्षा और स्वाभिमान' के संकल्प के साथ सड़क पर उतरी भाजपा की महिला ब्रिगेड**

अमृत विचार : नारी शक्ति के सम्मान और स्वाभिमान को लेकर विपक्ष के खिलाफ भाजपा की महिला ब्रिगेड ने महिला आक्रोश मशाल मार्च निकाला। शनिवार को "नारी शक्ति राष्ट्र शक्ति सम्मान, सुरक्षा और स्वाभिमान" के संकल्प के साथ भारतीय जनता पार्टी लखनऊ महानगर एवं जिला इकाई की ओर से मार्च निकाला गया। राजधानी के विभिन्न मार्गों पर भ्रमण करती हुई यह यात्रा लोक भवन से प्रारंभ होकर अटल चौक, हजरतगंज चौराहा पहुंची। जहां बड़ी संख्या में महिलाओं ने महिला आरक्षण बिल का विरोध करने वाली समाजवादी पार्टी, कांग्रेस सहित समस्त विपक्षी दलों के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया।

प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के माध्यम से महिलाओं को राजनीतिक भागीदारी में ऐतिहासिक अधिकार प्रदान किया गया है। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस जैसे दल, जो वर्षों तक सत्ता में रहे, उन्होंने कभी भी महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए ठोस कदम नहीं उठाए। आज जब भाजपा सरकार महिलाओं को उनका अधिकार देने का काम कर रही है, तब यही दल इसका विरोध कर रहे हैं।

इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह की उपस्थिति रही। मशाल यात्रा में कैबिनेट मंत्री बेबी रानी मौर्य, राज्य मंत्री विजय लक्ष्मी, प्रतिभा शुक्ला, रजनी तिवारी, पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं महिला कल्याण निगम की अध्यक्ष कमलावती सिंह, राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव, लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल, प्रदेश महामंत्री प्रियंका रावत, प्रदेश मंत्री अर्चना मिश्रा, भाजपा नेता नीरज सिंह, महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी एवं जिला अध्यक्ष विजय मौर्य सहित महिला मोर्चा की अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

महिला आरक्षण बिल का विरोध करने पर विपक्ष के खिलाफ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में मशाल जुलूस निकालतीं पार्टी की महिला ब्रिगेड। अमृत विचार

मिशन मोड में पूरे हों इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स

मुख्यमंत्री ने दिए सख्त निर्देश : 31 मई तक एक्सप्रेस-वे के लिए 90 प्रतिशत भूमि अधिग्रहण का लक्ष्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में औद्योगिक विकास को रफ्तार देने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं को मिशन मोड में पूरा करने के सख्त निर्देश दिए हैं। शनिवार को स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन की बैठक में मुख्यमंत्री ने साफ कहा कि प्रक्रियागत बाधाओं को प्राथमिकता पर दूर कर समयबद्ध प्रगति सुनिश्चित की जाए।

अपने सरकारी आवास पर स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन की बैठक करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। अमृत विचार

मुख्यमंत्री ने फर्रुखाबाद लिंक, चित्रकूट लिंक और जेवर लिंक एक्सप्रेसवे के लिए 31 मई तक 90 प्रतिशत भूमि अधिग्रहण का लक्ष्य तय किया। जिलाधिकारियों को निर्देश दिए गए कि भूमि स्वामियों से सीधे संवाद कर उचित मुआवजा दिलाएं और रजिस्ट्री प्रक्रिया में अतिरिक्त मानवबल लगाकर कार्य में तेजी लाएं। साथ ही आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे, पूर्वांचल लिंक, झांसी लिंक और मेरठ-हरिद्वार एक्सप्रेसवे की प्रगति भी तेज करने को कहा गया।

डिफेंस कॉरिडोर को मिलेगी रफ्तार : बैठक में जानकारी दी गई कि डिफेंस कॉरिडोर के चित्रकूट नोड में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड की इकाई का जल्द शिलान्यास होगा। मुख्यमंत्री ने परियोजना से जुड़ी वित्तीय और तकनीकी औपचारिकताओं को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए।

लॉजिस्टिक्स हब बनेंगे बदलाव की धुरी : ग्रेटर नोएडा में विकसित हो रहे मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स हब और ट्रांसपोर्ट हब को मुख्यमंत्री ने राज्य के लिए "गेम-चेंजर" बताया। 323 हेक्टेयर में से 301 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहण पूरा होने से इन परियोजनाओं के तेजी से आगे बढ़ने का रास्ता साफ हो गया है।

शिक्षा और उद्योग दोनों पर फोकस : मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट स्कूल योजना के तहत 75 जिलों में 150 विद्यालय बनाए जाने हैं। इनमें से 59 का निर्माण शुरू हो चुका है, जबकि 67 की निविदा प्रक्रिया जारी है। मुख्यमंत्री ने निर्माण में तेजी लाने और उपयुक्त स्थान चयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सीड पार्क, टेक्सटाइल और बायो ऊर्जा पर जोर: लखनऊ में प्रस्तावित सीड पार्क और टेक्सटाइल पार्क को निवेश और रोजगार सृजन के लिए अहम बताते हुए इनके विकास में तेजी लाने को कहा गया।

लखनऊ में जल्द बनेगा कन्वेंशन सेंटर

राजधानी लखनऊ में प्रस्तावित विश्वस्तरीय कन्वेंशन सेंटर के लिए लेटर ऑफ अवार्ड जारी हो चुका है। मुख्यमंत्री ने इसके शीघ्र शिलान्यास के निर्देश दिए। साथ ही निवेश को बढ़ावा देने के लिए मॉडल बिल्डिंग उपविधियों को निवेश अनुकूल बनाकर जल्द लागू करने पर जोर दिया।

मई के अंत तक नई बिजली दरों की हो सकती है घोषणा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- **विद्युत नियामक आयोग ने 18 मई को अंतिम बैठक बुलाई**

अमृत विचार: प्रदेश में बिजली उपभोक्ताओं के लिए नई दरों का ऐलान मई के अंत या जून के पहले सप्ताह में हो सकता है। विद्युत नियामक आयोग ने 18 मई को अंतिम बैठक बुलाई है, जिसमें जनसुनवाई के बाद टैरिफ से जुड़े सभी मुद्दों पर निर्णय लिया जाएगा।

आयोग की ओर से जारी होने वाले टैरिफ आदेश में बहुमंजिला इमारतों से जुड़े बिजली प्रावधान, निजी नलकूपों के कनेक्शन, अनियोजित कॉलोनियों में विद्युत आपूर्ति के नियम और घरों में छोटी दुकान संचालित करने से संबंधित मामलों को भी शामिल किया जाएगा। इस बीच, राज्य सरकार ने राज्य सलाहकार समिति के गठन की अधिसूचना जारी कर दी है। उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने आयोग को भेजे प्रस्ताव में स्मार्ट प्रीपेड मीटरिंग व्यवस्था को बैठक के एजेंडे में शामिल करने की मांग की है। उनका आरोप है कि पावर कॉरपोरेशन की ओर से बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं के कनेक्शन बिना सहमति प्रीपेड मोड में बदले जा रहे हैं, जो विद्युत अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन है। बताया जा रहा है कि लगभग 75 लाख उपभोक्ता इस व्यवस्था से प्रभावित हैं, जिसके चलते प्रदेशभर में असंतोष और विरोध की स्थिति बनी हुई है। 18 मई को होने वाली बैठक की अध्यक्षता आयोग के अध्यक्ष अरविंद कुमार करेंगे।

झूठे हलफनामे पर अवमानना व मिथ्या साक्ष्य की कार्रवाई एक साथ अनिवार्य नहीं

विधि संवाददाता, लखनऊ

- **वैवाहिक मामलों में हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को किया स्पष्ट**

अमृत विचार: हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने वैवाहिक विवादों में झूठे हलफनामे दाखिल करने के मामले में एक महत्वपूर्ण कानूनी स्थिति स्पष्ट की है। न्यायालय ने कहा है कि भले ही सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देश में झूठे हलफनामे पर अवमानना और मिथ्या साक्ष्य के तहत कार्रवाई के लिए कहा गया है, लेकिन अदालतों के लिए दोनों कार्यवाहियां एक साथ शुरू करना अनिवार्य नहीं है, विशेषतः उन मामलों में जहां शपथ पत्र देते समय अनजाने में या कोई महत्वहीन त्रुटि हुई हो।

यह निर्णय न्यायमूर्ति शेखर बी. सराफ़ व न्यायमूर्ति अवधेश कुमार चौधरी की खंडपीठ ने वैवाहिक विवाद से संबंधित एक मामले में पति की ओर से दाखिल विशेष अपील को निरस्त करते हुए पारित किया है। मामला प्रशासनिक अधिकारी पति व न्यायिक अधिकारी पत्नी के बीच चल रहे वैवाहिक विवाद का है। पति का आरोप था कि उसकी पत्नी, जो बिहार न्यायपालिका में सिविल जज के पद पर कार्यरत हैं, ने घरेलू हिंसा के मुकदमे में दाखिल हलफनामे में अपनी आय और संपत्तियों के संबंध में एन/ए (लागू नहीं) लिखा है। पति ने इसके खिलाफ हाईकोर्ट में अवमानना याचिका यह तर्क देते हुए दाखिल की कि पत्नी ने 'रजनीश बनाम नेहा' मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी अनिवार्य दिशा-निर्देशों का उल्लंघन किया है। उक्त अवमानना याचिका के निस्तारित होने के विरुद्ध उसने विशेष अपील दाखिल की। पत्नी की ओर से विशेष अपील का विरोध करते हुए, अधिवक्ता चंदन श्रीवास्तव ने दलील दी कि प्रश्नगत प्रविष्टि शपथ पत्र में अनजाने में की गई त्रुटि थी, जो एक मानवीय भूल थी तथा उसी शपथ पत्र में पत्नी ने स्वयं को 'सिविल जज, बिहार न्यायिक सेवा' स्पष्ट रूप से लिखा है।

यह भी दलील दी गई कि अवमानना अधिनियम की धारा 10 के परंतुक के तहत अपीलार्थी की अवमानना याचिका ही पोषणीय नहीं थी। न्यायालय ने अपने निर्णय में स्पष्ट किया कि कानून किसी व्यक्ति को एक साथ दोनों क्षेत्राधिकारों का उपयोग करने की अनुमति तो देता है, लेकिन कोर्ट दोनों प्रावधानों के तहत कार्रवाई शुरू करने के लिए बाध्य नहीं हैं। खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि यदि अवमानना अदालत ने मामले के तथ्यों पर कोई टिप्पणी नहीं की थी लिहाजा विशेष अपील भी पोषणीय नहीं है।

करोड़ों की बैंक डकैती का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

हजारीबाग की बैंक में करोड़ों की लूट का खुलासा, तीन आरोपी पकड़े गए, सोना व नकदी बरामद

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : झारखंड के हजारीबाग जिले में स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्रा की बरही शाखा में 24 अप्रैल को हुई करोड़ों रुपये की डकैती का पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा कर दिया है। एसटीएफ और झारखंड पुलिस की संयुक्त टीम ने वाराणसी के सारनाथ क्षेत्र से गिरोह के सरगना समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से 912 ग्राम सोना, 20 लाख रुपये नकद, एक कार, स्कॉर्पियो और छह मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।

गिरफ्तार आरोपियों में बिहार के नवादा निवासी मो. अफजल, गोरखपुर के पंकज सिंह उर्फ रौनक सिंह और मऊ के सौरभ यादव उर्फ सोनू शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, 24 अप्रैल को दोपहर करीब 3 बजे इन आरोपियों ने बैंक में घुसकर हथियारों के बल पर कर्मचारियों और ग्राहकों को बंधक बना लिया और करीब 4 किलो सोना व 4.22 लाख रुपये लूटकर फरार हो गए थे।

सीसीटीवी और सर्विलांस से मिला सुराग: घटना के बाद झारखंड पुलिस ने एसटीएफ से मदद मांगी। मौके और आसपास के सीसीटीवी फुटेज तथा संदिग्ध मोबाइल नंबरों की सर्विलांस के आधार पर आरोपियों की लोकेशन वाराणसी के सारनाथ स्थित सिंहपुर में ट्रेस की गई। इसके बाद संयुक्त टीम ने घेराबंदी कर दबिश दी और तीनों को गिरफ्तार कर लिया।

रेकी के बाद चुना बैंक ऑफ महाराष्ट्रा : आरोपियों ने बताया कि ओडिशा में बैंक ऑफ महाराष्ट्रा की शाखा में हुई डकैती की खबर देखने के बाद उन्होंने इसी बैंक को टारगेट करने की योजना बनाई। इसके लिए अफजल और उसके साथियों ने कई दिनों तक रेकी की और जानकारी जुटाई। व्हाट्सएप के जरिए योजना को अंतिम रूप दिया गया।

वारदात के बाद गया में बंटवारा, फिर वाराणसी पहुंचे: डकैती को अंजाम देने के बाद आरोपी गया पहुंचे, जहां लूट के सोने और नकदी का बंटवारा किया गया। यह बैंक अपराध के खिलाफ बड़ी सफलता है।

पकड़े गए बैंक लूटने के तीन आरोपी। अमृत विचार

एक के बाद एक बड़ी लूट की वारदात

- **2015 :** कोलकाता में आईआईएफएल फाइनेंस कंपनी से 14 किलो सोना
- **2019 :** उत्तराखंड के रुड़की में डकैती का प्रयास, लॉकर न खुलने से नाकाम
- **2021 :** कोलकाता के मण्णापुरम गोल्ड फाइनेंस से 26 किलो सोना
- **2021 :** बिहार के गया में 2 किलो सोना लूटा
- **2022 :** पटना के गर्दनीबाग में 8 किलो सोना

जेल में बना गिरोह, बाहर आकर शुरू की वारदातें

अमृत विचार : पूछताछ में सामने आया कि गिरोह का सरगना मो. अफजल वर्ष 2008 में कोलकाता में एक कोयला कारोबारी की हत्या के मामले में जेल गया था। वर्ष 2008 से 2012 तक जेल में रहने के दौरान उसकी मुलाकात अन्य अपराधियों से हुई और वहीं गिरोह का गठन हुआ। जेल से बाहर आने के बाद सभी ने मिलकर योजनाबद्ध तरीके से बैंक डकैती की घटनाओं को अंजाम देना शुरू किया।

आधा दर्जन बैंकों में डकैती, डेढ़ अरब का सोना लूटा

अमृत विचार : अंतरराज्यीय बैंक डकैतों का गिरोह पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और उत्तराखंड में आधा दर्जन से अधिक बैंकों और फाइनेंस कंपनियों को निशाना बनाकर अब तक करीब 90 किलो, यानी लगभग डेढ़ अरब रुपये का सोना लूट चुका है। एसटीएफ की पूछताछ में सामने आया कि गिरोह का सरगना मो. अफजल 2008 में कोयला कारोबारी की हत्या के मामले में जेल गया था। जेल के भीतर ही उसने अपने साथियों के साथ मिलकर गिरोह तैयार किया और 2013 में बाहर आने के बाद योजनाबद्ध तरीके से बैंक और गोल्ड फाइनेंस कंपनियों को निशाना बनाना शुरू कर दिया।

15 मिनट में 36 किलो सोना लूटने का रिकॉर्ड

अमृत विचार : गिरोह ने 2013 में पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर स्थित मुथुट्ट फाइनेंस कंपनी में दिनदहाड़े धावा बोला। हथियारों के बल पर कर्मचारियों और ग्राहकों को बंधक बनाकर महज 15 मिनट में 36 किलो सोना लूट लिया गया। इसके बाद सभी आरोपी धनबाद के निरसा पहुंचे, जहां लूट के माल का बंटवारा किया गया।

सिर्फ 10 प्रतिशत सोना ही बरामद

अमृत विचार : पुलिस के अनुसार, अब तक हुई डकैतियों में लूटे गए सोने का केवल करीब 10 प्रतिशत ही बरामद हो पाया है। बाकी सोना गिरोह ने अवैध बाजार में खपाकर ठिकाने लगा दिया।

प्रॉपर्टी में लगाते थे काली कमाई

अमृत विचार : पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि लूटे गए सोने को बड़े कारोबारियों को चोरी-छिपे बेच दिया जाता था और उससे मिली रकम को जमीन, मकान और रियल एस्टेट में निवेश कर दिया जाता था, ताकि अवैध कमाई को वैध रूप दिया जा सके।

पूरे नेटवर्क की जांच जारी

अमृत विचार : एसटीएफ अब गिरोह के अन्य सदस्यों, उनके आपराधिक इतिहास और संपत्तियों की गहन जांच कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि लूट का पैसा किन-किन कंपनियों और शहरों में लगाया गया है। यह कार्रवाई देशभर में सक्रिय संगठित बैंक अपराध के बड़े नेटवर्क पर बड़ी चोट मानी जा रही है।

मृत्यु के बाद दो लोगों को रोशनी दे गई रुचि

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: समाज में मानवता और सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण पेश करते हुए रुचि बंसल ने मरणोपरांत नेत्रदान कर एक प्रेरणादायक मिसाल कायम की है। उनके इस महादान से अब दो दृष्टिहीन लोगों की आंखों में रोशनी लौट सकेगी।

रुचि बंसल।

शनिवार को रुचि बंसल के निधन के पश्चात मुरादाबाद स्थित सीएल गुप्ता आई हॉस्पिटल की तकनीकी टीम ने उनके आवास पहुंचकर नेत्रदान की प्रक्रिया पूरी की। टीम ने पूर्ण सावधानी के साथ कॉर्निया को सुरक्षित रूप से संरक्षित किया, जिसे अब जरूरतमंद मरीजों को प्रत्यारोपित किया जाएगा। क्षेत्र के समाजसेवियों और जागरूक नागरिकों ने रुचि बंसल के इस सराहनीय कदम की व्यापक प्रशंसा की है। उन्होंने इसे मानवता के प्रति सर्वोच्च समर्पण बताते हुए अन्य लोगों से भी नेत्रदान का संकल्प लेने की अपील की है। विशेषज्ञों के अनुसार, नेत्रदान एक ऐसा महादान है जिससे बिना किसी खर्च या पीड़ा के किसी व्यक्ति के जीवन का अंधकार हमेशा के लिए दूर किया जा सकता है।

तरबूज तोड़ने पर लड़के की हत्या

आगरा,एजेंसी: आगरा में 13 वर्षीय एक लड़के की कथित तौर पर अपने परिवार के खेत से तरबूज तोड़ने पर हत्या कर दी गई। पुलिस के मुताबिक लड़के ने जिस खेत से तरबूज तोड़े थे, उसे उसके परिवार ने साझेदारों को पट्टे पर दिया था। आरोप है कि शुक्रवार को लड़के पर चाकुओं से हमला कर दिया गया, जिससे उसकी मौत हो गई।

जब वह देर शाम तक घर नहीं लौटा तो उसकी बहन उसे देखने के लिए खेत में गई, तो वहां खून से लथपथ उसका शव पड़ा हुआ था। बसई जगनेर थाना क्षेत्र के सोनी खेड़ा गांव में शुक्रवार शाम इस वारदात के बाद तनाव फैल गया। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) आगरा, आदित्य ने कहा कि हत्या के मामले में दो व्यक्तियों रियाजुद्दीन और शिराजुद्दीन को शुक्रवार रात गिरफ्तार किया गया है।

रघुनाथ, लक्ष्मण और सीता मंदिर बनेगा धार्मिक सर्किट

प्रमुख संवाददाता, देहरादून।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने घोषणा की है कि उत्तराखंड के प्रत्येक विकासखंड में बालिकाओं के लिए एक-एक छात्रावास बनाया जाएगा। इसके लिए प्रत्येक ब्लॉक में छात्राओं की सर्वाधिक संख्या वाले विद्यालयों को चिन्हित करते हुए आवश्यक भूमि उपलब्ध कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं। वहीं, उन्होंने रघुनाथ मंदिर, कोट ब्लॉक स्थित लक्ष्मण मंदिर तथा फलस्वाड़ी स्थित सीता माता मंदिर को धार्मिक सर्किट के रूप में भव्यता से विकसित किए जाने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने शनिवार को सचिवालय में मुख्यमंत्री घोषणाओं के अंतर्गत विधानसभा क्षेत्रों यमकेश्वर, पौड़ी, श्रीनगर, चौबट्टाखाल, लैंसडाउन और कोटद्वार की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को ये निर्देश दिए। उन्होंने मुख्यमंत्री घोषणाओं को समयबद्ध रूप से पूरा करने और निगरानी के लिए प्रोग्राम इवैल्यूएशन एंड रिव्यू टेक्निक (पीईआरटी) चार्ट तैयार किए जाने की भी हिदायत अफसरों को दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विधायकगणों द्वारा केंद्रीय विद्यालय संगठन खोलने के लिए दिए जा रहे प्रस्तावों पर शिक्षा विभाग तथा संबंधित जिलाधिकारी केंद्र सरकार के मानकों के अनुरूप आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें, ताकि केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजे जाने पर उन्हें शीघ्र स्वीकृति मिल सके।

झगड़ा मुक्त पंचायतों को 5-5 लाख बोनस

मझगंवा ब्लाक में 1 करोड़ 22 लाख के 35 प्रस्ताव पास, कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह ने की कई घोषणाएं

संवाददाता, अलीगंज

अमृत विचार : मझगवां क्षेत्र पंचायत की बैठक शनिवार को ब्लॉक सभागार में आयोजित हुई, जिसमें दुग्ध एवं पशुधन कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह ने महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि जिन ग्राम पंचायतों में आपसी विवाद या लड़ाई-झगड़े की कोई रिपोर्ट थानों में दर्ज नहीं होगी, उन्हें विकास कार्यों के लिए अतिरिक्त 5-5 लाख रुपये दिए जाएंगे। बैठक में एक करोड़ 22 लाख रुपये के 35 प्रस्ताव पारित किए गए।

मंत्री ने युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से घोषणा की कि चार गाय पालने वाले युवाओं को विभाग की ओर से 6000 रुपये प्रतिमाह सहायता दी जाएगी। साथ ही, पशुओं के लिए टीन शेड भी बनवाए जाएंगे। उन्होंने पशु चिकित्सा अधिकारियों को गौशालाओं में कंपोस्ट खाद निर्माण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जल संरक्षण पर जोर देते हुए उन्होंने गांव के तालाबों की सफाई और उनमें पानी संरक्षित करने की बात कही।

बैठक के दौरान जल जीवन मिशन योजना को लेकर प्रधानों ने जोरदार हंगामा किया। उनका आरोप था कि गांवों में बनी पानी की टंकियों से अब तक जल आपूर्ति शुरू नहीं हो सकी है और कई परियोजनाएं वर्षों से अधूरी पड़ी हैं। इस पर मंत्री ने जल निगम के अवर अभियंता को फटकार लगाते हुए जल्द सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने खंड विकास अधिकारी भगवान दास को योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए एक सहायक विकास अधिकारी को विशेष जिम्मेदारी सौंपने को कहा।

क्षेत्र पंचायत की बैठक में दुग्ध मंत्री धर्मपाल सिंह को गुलदस्ता देते ब्लाक प्रमुख।

- चार गाय पालने वाले युवाओं को विभाग देगा 6000, साथ ही टिन शेड भी बनवाएंगे: मंत्री

एडीओ कृषि सुनील कुमार पर भी प्रधानों ने कार्यालय में अनुपस्थित रहने और समस्याएं न सुनने के आरोप लगाए। मंत्री ने उन्हें तीन दिन ब्लॉक मुख्यालय पर बैठकर किसानों की समस्याएं हल करने के निर्देश दिए। बैठक में बिजली और नलकूप विभाग के अधिकारियों की अनुपस्थिति पर भी नाराजगी जताई गई और बीडीओ को कमिश्नर को रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए गए।

अन्य मुद्दों में मिड-डे मील के लिए गैस आपूर्ति बाधित होने और पंचायत सदस्यों को मानदेय न मिलने की शिकायतें भी उठीं। ब्लॉक प्रमुख यशवंत सिंह ने सभी समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन देते हुए बैठक का समापन किया।

फतेहगंज पश्चिमी में 50 लाख के प्रस्ताव पास

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : शनिवार को ब्लॉक सभागार में आयोजित क्षेत्र पंचायत बैठक में 50 लाख के विकास कार्य, प्रधानों का कार्यकाल का प्रस्ताव ध्वनिमत से पास हो गया। लोकसभा में महिला आरक्षण बिल गिरने का निंदा प्रस्ताव भी पास हुआ। ब्लॉक प्रमुख किरन यादव की अध्यक्षता में क्षेत्र पंचायत की बैठक में क्षेत्र पंचायत सदस्यों के द्वारा 50 लाख के सीसी रोड, नाले के प्रस्ताव दिए। सदन ने विकास के प्रस्ताव ध्वनि मत से पास कर दिए। बैठक में प्रधान और वीडीसी सदस्यों ने 25 मई को समाप्त हो रहे कार्यकाल बढ़ाने का प्रस्ताव रखा, इसे भी ध्वनिमत से पारित किया गया। महिला आरक्षण बिल पर निंदा प्रस्ताव पास करके प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति को भेजने की सहमति बनी। बैठक में बीडीओ आशीष पाल, सत्येंद्र यादव, जिलाध्यक्ष सोमपाल शर्मा, राजकुमार शर्मा, प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य, आदि मौजूद रहे।

आंवला नगर पालिका बोर्ड बैठक में 56.78 करोड़ के प्रस्ताव पारित

आंवला अमृत विचार : नगर पालिका परिषद की बोर्ड बैठक में शहर के विकास को गति देने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। सर्वसम्मति से 56.78 करोड़ रुपये के प्रस्ताव पारित कर बुनियादी ढांचे और सफाई व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में कदम उठाए गए। बैठक की अध्यक्षता करते हुए पालिका अध्यक्ष सैयद आविद अली ने इन फैसलों की जानकारी दी। बैठक में मोहल्ला कच्चा कटरा और बदायूं रोड पर ई-रिक्शा से कूड़ा डंपिंग के लिए एक-एक बीघा जमीन खरीदने का प्रस्ताव मंजूर हुआ। पुरैना मंडी समिति और पेट्रोल पंप के आसपास के रिहायशी-व्यावसायिक क्षेत्रों पर कर लगाने, ग्राम मनौना के गाटा संख्या 1065, 278 व 288 पर एमआरएफ सेंटर (कचरा प्रबंधन केंद्र) स्थापित करने तथा 15 अगस्त पर प्रमुख चौराहों व मार्गों को सजाने के प्रस्ताव भी पारित किए गए। परशुराम चौक निर्माण के लिए लोक निर्माण विभाग को अनुमति हेतु प्रस्ताव भेजने का निर्णय लिया गया। सभासदों ने अपने वार्डों की समस्याओं पर चर्चा की। वार्ड-2 के सभासद परवेज बेग ने सफाई व्यवस्था की बदहाली और बारिश में जलभराव की शिकायत की, जिस पर अध्यक्ष ने सोमवार से विशेष सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए। वार्ड-4 के सभासद मधुसूदन सिंह ने शिवाजी महाराज की प्रतिमा लगाने की मांग उठाई, तो अध्यक्ष ने उपयुक्त स्थान चयन का आश्वासन दिया। सभासद दिनेश मौर्य व सचिन गुप्ता ने सुझाव दिया कि सभी महापुरुषों की प्रतिमाएं एक बड़े पार्क में स्थापित हों। जलापूर्ति पर सभासद खालिद ने गंदा व धीमा पानी आने की समस्या बताई, जिसके समाधान के लिए संबंधित कर्मचारी को तत्काल निर्देश जारी हुए। अन्य सभासदों ने नालियों की सफाई, जाम, सार्वजनिक शौचालय स्थानांतरण व यातायात सुधार जैसे मुद्दे उठाए। पालिका अध्यक्ष ने सभी समस्याओं के त्वरित निस्तारण का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि नगर विकास व नागरिक सुविधाओं में सुधार प्राथमिकता रहेगा। जनप्रतिनिधियों ने विकास कार्यों को तेजी से लागू करने पर बल दिया। यह बैठक शहरवासियों के लिए सकारात्मक संकेत देती है।

- पुरैना मंडी समिति और पेट्रोल पंप के आसपास के रिहायशी-कमर्शियल क्षेत्रों पर लगेगा टैक्स

युवक ने किया आत्महत्या का प्रयास

कैंट, अमृत विचार : 2 साल पहले दूसरे समुदाय की युवती से प्रेम विवाह करने वाले युवक ने शनिवार को जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजनों तथा गांव के लोगों द्वारा उसे शहर के एक निजी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया। जहां अभी भी उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

बताया जा रहा है। कि थाना कैंट के ग्राम चौबारी निवासी प्रियांशु सिंह ने गांव की ही दूसरे समुदाय की युवती सफीना से प्रेम विवाह किया था। उनके 1 साल का एक बेटा भी है। 20 अप्रैल को सफीना ने पति पर जान से मारने की धमकी का आरोप लगाते हुए थाने में पत्र दिया था। इसके बाद 29 अप्रैल को प्रियांशु ने भी पत्नी के विरुद्ध धर्म परिवर्तन करने का दबाव लगाते हुए शिकायती पत्र दिया। शुक्रवार को दोनों पक्षों को थाने बुलाकर पुलिस द्वारा मध्यस्थता करा दी गई। दोनों साथ रहने के लिए चले गए। शनिवार को प्रियांशु ने पत्नी के पास से अपने घर जाकर जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर भाई दीपांशु ने करीब पौने एक बजे शहर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। आईसीयू में उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

सिख गुरुओं की बेअदबी पर निकाला जुलूस, ज्ञापन

एसडीएम को ज्ञापन देते सिख समुदाय के लोग। ● अमृत विचार

संवाददाता, बहेड़ी

अमृत विचार : गुरु ग्रंथ साहिब और सिख गुरुओं की बेअदबी के मामले में सिखों ने ज़ोरदार विरोध प्रदर्शन किया। एआई के ज़रिए बनाई गई एक वीडियो में गुरु ग्रंथ साहिब के साथ सिख गुरुओं को लेकर आपत्तिजनक सामिग्री डाली गई है। इंस्ट्राग्राम और दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर इस वीडियो को देख कर सिख समुदाय में बेहद गुस्सा है।

सिख समुदाय के लोग शनिवार को गुरुद्वारा सिंह सभा में जमा हुए, और सिखों की भावनाओं को आहत करने वाले कृत्यों की निंदा की। गुरुद्वारा सिंह सभा के प्रधान निरंजन सिंह ने इसे सुनियोजित साज़िश बताया। इक़बाल सिंह ने वीडियो बनाने वाले की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग उठाई। सिख संगत गुरुद्वारा से जुलूस की शक्ल में बाहर आए, और गुरु ग्रंथ साहब व सिख गुरुओं की बेअदबी के खिलाफ ज़ोरदार प्रदर्शन करते हुए तहसील पहुंचे, जहां एसडीएम और सीओ को ज्ञापन सौंपा। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम सम्बोधित ज्ञापन में एआई के गलत इस्तेमाल और दरबार साहिब व सिख गुरुओं की बे-अदबी किए जाने की निंदा की, और वीडियो बनाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

गुरुद्वारा सिंह सभा के प्रधान निरंजन सिंह के नेतृत्व में ज्ञापन देने वालों में गुरुद्वारा के हेड ग्रंथी सरदार गुरुनाम सिंह, इक़बाल सिंह चीमा, सतनाम सिंह, मेजर सिंह, कुलविंदर सिंह, जसवीर सिंह और अमर सिंह आदि मुख्य थे।

दहेज के लिए बंधक बनाने का आरोप

बहेड़ी, अमृत विचार : एक विवाहिता ने पति समेत ससुराल के 5 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। गांव दीननगर मढ़ी निवासी शिवानी ने आरोप लगाया है कि उसका ससुर शराब का आदी है और कई बार अकेला पाकर उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। 26 अप्रैल को पति ने उसके साथ मारपीट कर पिता को घर बुलवाया और छह लाख रुपये की मांग की। महिला का आरोप है कि इस दौरान ससुर, सास और ननदों ने भी महिला के पिता के साथ मारपीट कर बंधक बनाया। पिता ने कमरे के अंदर से 100 नंबर पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को सुरक्षित बाहर निकाला। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

अमृत विचार क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें 9756905552, 8445507002

सूचना
सूचित किया जाता है कि मैंने अपने बड़े पुत्र आयुष वर्मा को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उसे अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **अनिल वर्मा पुत्र स्व. बहोरी लाल वर्मा निवासी: म.नं. 192 बी. सदर कैन्ट, आजाद मोहल्ला नाईटिंगल स्कूल के सामने, थाना कैन्ट, जिला बरेली**

सूचना
मैंने अपने पुत्र दानिश व उसकी पत्नी शबनम को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **नजीरा पत्नी शब्बीर हुसैन निवासी मोहल्ला फर्रखपुर तहसील फरीदपुर जिला बरेली।**

सूचना
मैंने अपने पुत्र रिंकू गंगवार उसकी पत्नी सेजल (पुत्रवधू) के गलत आचरण के चलते उनसे संबंध विच्छेद करते हुए अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। वह अपने कृत्य के लिए खुद जिम्मेदार होंगे। **भागीरथ पुत्र लाखन राम ग्राम माधौपुर तहसील बहेड़ी बरेली।**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल वर्ष 2016 अनुक्रमांक 1156497 का प्रमाण पत्र वास्तव में कहीं खो गया है। काफी तलाशने के बाद अभी तक नहीं मिला। **अभिषेक सिंह पुत्र कुलदीप सिंह निवासी रमुआपुर बिझौली लखीमपुर खीरी।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

न्यू श्री नारायणा हॉस्पिटल
डा. प्रदीप कुमार एम.बी.बी.एस., एम.एस. Retd. ACMO जनरल सर्जन
डॉ. जतिन कुमार एम.बी.बी.एस. एम.डी. जनरल मेडिसिन कन्सलटेंट फिजिशियन एवं क्रिटिकेयर स्पेशलिस्ट
डॉ. जयन्त वर्मा बी.डी.एस., एम.डी.एस. (ओरल एण्ड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी)
डॉ. राम निवास एम.बी.बी.एस. एम.डी. (एनेस्थेसियोलॉजिस्ट) जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ
डॉ. राजा गुप्ता जनरल फिजिशियन
डाक्टर्स पैनल
उपलब्ध सुविधायें
निःशुल्क शिविर 1 मई 2026 से 15 मई 2026 तक निःशुल्क जाँच एवं परामर्श
डॉ. विवेक कुमार मैनेजिंग डायरेक्टर
ठाकुर हरीश रावत चेयरमैन
समस्त प्रकार के दूरबीन व चीरे वाले ऑपरेशन की सुविधा 24x7 भर्ती एवं एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध
लाल फाटक शांतिकुंज स्कूल के पास, निकट ओवर ब्रिज, बदायूँ रोड, बरेली
हेल्पलाइन नं. : 8057953868

ROHILKHAND CANCER INSTITUTE
200 बेड का आधुनिक कैंसर हॉस्पिटल पिछले 5 साल से आप के बीच में
कैंसर की सम्पूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे
बरेली का एकमात्र PET CT
पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए
हमारी सेवाएं
सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
डे केयर थेरेपी
इम्यूनोथेरेपी
कैंसर आईसीयू
फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री
मैमोग्राफी
कैंसर के रोकथाम की ओपीडी
इण्टरवेंशनल रेडियोलॉजी
प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त
Call to find out more 9582831744, 9258116087 8679315050, 8679415050
www.rohilkhandcancerinstitute.com
रोहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

जीवनी बोन & हैल्थ क्लीनिक
स्वास्थ्य शिविर दिनांक : 14 मई, 2026, समय : 10 बजे से 2 बजे तक रजिस्ट्रेशन अनिवार्य, शुल्क मात्र रु. 100/-
डा. विनय गंगवार
डा. आँचल अग्रवाल
6396640323

डॉ. नितिन अग्रवाल एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी) हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
APPLE CARDIAC CARE ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. हारिस अंसारी एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी) Consultant Urologist & Andrologist
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
डॉ. आदित्य त्यागी MBBS, DNB, MNAMS CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGEON
8077344353
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

समुद्र तल से लगभग 1,646 मीटर (5,400 फीट) की ऊंचाई पर स्थित पटाल बाजार में घूमते हुए रोमांच का अनुभव होना स्वाभाविक है, क्योंकि न केवल यह बाजार अल्मोड़ा शहर के केंद्र में एक लंबी पहाड़ी चोटी पर स्थित है, बल्कि यहां से हिमालय की शानदार सफेद दमकती चोटियां नजारे को अद्भुत कर देती हैं, दरअसल अल्मोड़ा का पटाल बाजार अपनी बनावट और ऐतिहासिक महत्व के कारण केवल भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया के कुछ चुनिंदा बाजारों में गिना जाता है। इसकी तुलना अक्सर यूरोपीय देशों के 'ओल्ड टाउन' और मध्यकालीन बाजारों से की जाती है। उन अंतर्राष्ट्रीय बाजारों या शहरों के बारे में भी समझ लेते हैं, जहां से मुख्य रूप से पटाल बाजार की तुलना की जाती है।

अजय दयाल
वरिष्ठ पत्रकार

अल्मोड़ा की सांस्कृतिक विरासत
माल, बाल और पटाल

माल, बाल और पटाल। हां, इसी नाम से मशहूर है उत्तराखंड का अल्मोड़ा। माल का आशय माल रोड से है, बाल से मतलब बाल मिठाई से और पटाल यानी पटाल बाजार। यहां मैं चर्चा पटाल बाजार की करने जा रहा हूं। इस बाजार में कदम रखते ही दिल-दिमाग मानो तरोताजा हो जाते हों। माहौल इस कदर रोमांचकारी है कि आंखें नहीं झपकती कि कहीं कुछ देखने को छूट न जाए। यह पारंपरिक कुमाऊंनी शैली के घरों (पटाल यानी पत्थरों की छत) से बना हुआ ऐसा ऐतिहासिक बाजार है, जहां 'सबकुछ' मिलता है। अब आप जानना चाहेंगे कि सबकुछ से क्या आशय है? किसी बाजार का वर्णन करते हुए अक्सर हमने सुना हैं वहां सुई से लेकर अलमारी तक मिलती है। मतलब जीवनयापन की छोटी आवश्यकता से लेकर बड़ी जरूरतें तक पूरी होंती हैं, लेकिन पटाल बाजार के बारे में कहना चाहूंगा कि यहां जाखिया और बिच्छू घास से लेकर लेटेस्ट एआई गैजेट्स तक मिलते हैं।

बिच्छू घास यानी कंडाली का साग एक पौष्टिक पत्तेदार सब्जी है, जिसे बिच्छू घास के पत्तों से बनाया जाता है। इसे उबालकर और स्थानीय मसालों का तड़का लगाकर तैयार किया जाता है। इन्हीं मसालों में से एक जाखिया है, जो उत्तराखंड और भारत-नेपाल के तराई क्षेत्रों में पाया जाता है। यह एक तीखा और कुरकुरा मसाला है, जिसका उपयोग कढ़ी, दालों और सब्जियों में तड़का लगाने के लिए किया जाता है। समुद्र तल से लगभग 1,646 मीटर (लगभग 5,400 फीट) की ऊंचाई पर स्थित पटाल बाजार में घूमते हुए रोमांच का अनुभव होना स्वाभाविक है, क्योंकि न केवल यह बाजार अल्मोड़ा शहर के केंद्र में एक लंबी पहाड़ी चोटी पर स्थित है, बल्कि यहां से हिमालय की शानदार सफेद दमकती चोटियां नजारे को अद्भुत कर देंती हैं।

पटाल बाजार की बनावट और ऐतिहासिक महत्वः दरअसल, अल्मोड़ा का पटाल बाजार अपनी बनावट और ऐतिहासिक महत्व के कारण न केवल भारत, बल्कि दुनिया के कुछ चुनिंदा बाजारों में गिना जाता है। इसकी तुलना अक्सर यूरोपीय देशों के 'ओल्ड टाउन' और मध्यकालीन बाजारों से की जाती है। उन अंतर्राष्ट्रीय बाजारों या शहरों के बारे में भी समझ लेते हैं, जहां से मुख्य रूप से पटाल बाजार की तुलना की जाती है। इनमें से एक स्कॉटलैंड स्थित एडिनबर्ग का रॉयल माइल है। पटाल बाजार और स्कॉटलैंड के इस बाजार में काफी समानताएं हैं।

रॉयल माइल भी कोबलस्टोन (पत्थरों) से बनी एक लंबी सड़क है, जिसके दोनों ओर पुरानी इमारतें और छोटी-छोटी गलियां हैं। पटाल बाजार की तरह ही यहां का फर्श भी खास तरह के तराशे हुए पत्थरों (पटालों) से बना है।

दूसरा चेक रिपब्लिक की राजधानी प्राग का ओल्ड टाउन है। ओल्ड टाउन स्क्वायर की गलियों में भी पटाल बाजार जैसा अनुभव होता है। यहां की संकरी गलियां पत्थरों से पक्की की गई हैं। पटाल बाजार की तरह यहां भी कई पीढ़ियों पुरानी दुकानें हैं, जो शहर की सांस्कृतिक विरासत को संजोए हुए हैं। इसी क्रम में ऑस्ट्रिया के साल्जबर्ग में गेट्राइडेगास है। गेट्राइडेगास एक मशहूर ऐतिहासिक शॉपिंग स्ट्रीट है। पटाल बाजार की तरह यहां भी पैदल चलने वालों के लिए अलग व्यवस्था है और दुकानों के बाहर लगे पुराने स्टाइल के साइनबोर्ड और वास्तुकला इसे अल्मोड़ा के पारंपरिक स्वरूप के नजदीक लाते हैं।

सच पूछिए तो पहाड़ी पत्थर (पटाल) से बनी पटाल बाजार की सड़क दुनिया की उन चुनिंदा सड़कों में से है, जहां बारिश के बाद भी पानी नहीं रुकता और फिसलन कम होती है। देश-विदेश स्थित कई ऐतिहासिक बाजारों की तरह पटाल बाजार में भी गाड़ियों का प्रवेश वर्जित है, जिससे इसका शांत और प्राचीन स्वरूप स्थिर रहता है। पटाल बाजार में विचरण करते हुए दुकानों से ऊपर बने घरों पर नजरें थम सी गईं। यहां के पुराने घरों की खिड़कियों पर की गई नक्काशी यूरोप की विक्टोरियन या मध्यकालीन शैली की नक्काशी के समान जटिल और खूबसूरत हैं। दरअसल, पटाल बाजार का स्वरूप इसे यूरोप के मध्यकालीन 'स्ट्रीट मार्केट्स' की श्रेणी में खड़ा करता है, जहां आधुनिकता और इतिहास का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। वैसे भी मध्य हिमालय के काषाण पर्वत की पीठ पर बसा प्राचीन ऐतिहासिक और सांस्कृतिक नगर अल्मोड़ा अपनी खूबियों के लिए देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में खासा मशहूर है। इस शहर की विशिष्टताओं में एक है यहां की पटाल (पत्थर) संस्कृति। ऐसा माना जाता है कि कुमाऊं अंचल में इस कला की शुरुआत कत्यूरघाटी से हुआ था, लेकिन अल्मोड़ा शहर ने इस कला को इस तरह स्वीकार किया कि यह शहर पटालों के नाम से मशहूर हो गया। अल्मोड़ा की बाल मिठाई के साथ ही यहां का माल रोड और यहां की पटाल बाजार इस शहर की खास पहचानों में है। पटाल संस्कृति के इस अद्भुत शहर में आज भी जहां नजर पड़ेगी वहां पटाल संस्कृति की कोई न कोई झलक देखने को मिल जाती है। यहीं कारण है कि अल्मोड़ा में देश-विदेश से लोग घूमने के लिए आते हैं।

इतिहास टटोलें तो पाते हैं कि लगभग बारह सौ साल पहले प्रदेश की सांस्कृतिक राजधानी अल्मोड़ा में एक ऐसी शिल्पकारी जीवंत हुई, जिसे हम आज पटाल संस्कृति के नाम से जानते हैं। उस दौर में मुख्य बाजार हो या मोहल्ले मकान की ढालू छत का निर्माण पटालों से किया गया। आंगन में पटाल, प्रवेश मार्ग में पटाल, मकान की खिड़कियों व दरवाजों के ऊपर पटाल, करीब हर जगह पटाल अपनी खूबसूरती बिखेरते थे। मकान और पैदल मार्ग ही नहीं, बल्कि प्राचीन मंदिर भी इन पटालों से अछूते नहीं रहे। उस दौर में ही अल्मोड़ा नगर का डेढ़ किमी लंबा आवश्यक वस्तुओं का बाजार भी पटालों से ऐसा पटा कि पटाल बाजार के नाम से प्रसिद्ध हो गया।

कभी गवाह बनी ब्रिटिश हुकूमत की

सदियों पुरानी पटाल बाजार ब्रिटिश हुकूमत की भी गवाह बनी। चंद राजाओं ने पटालों का भरपूर प्रयोग किया और इस संस्कृति को आगे बढ़ाने का काम किया। यही कारण रहा कि पटाल यहां के जनजीवन का अभिन्न अंग बन गए। मकान, पैदल मार्ग, मंदिर, आंगन ही नहीं, बल्कि उस दौर में प्राकृतिक जल स्रोतों और नौलों के निर्माण में भी पटालों

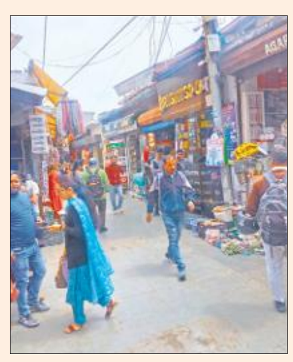

का ही उपयोग किया जाता रहा। शनैः शनैः समय बदला और आधुनिकता के दौर में पटालों का स्थान ईंट सीमेंट, रेता, बजरी और सरिया ने ले लिया। फिर भी, अल्मोड़ा में पटाल संस्कृति का दीदार आज भी किया जा सकता है। पटाल संस्कृति की महत्ता इतनी है कि अगर जेहन में पटालों वाले किसी शहर का नाम आए, तो वह अल्मोड़ा के अलावा और कोई नहीं हो सकता। एक वक्त था, जबकि अल्मोड़ा के द्वाराहाट, बल्ढोंटी, पेटशाल, सल्ट, गंगोली, क्वारब जैसे अनेक स्थानों पर जंगलों में काफी मात्रा में पटाल पाई जाती थी। वहां से इन्हें खास तकनीक के जरिए लंबी और चौड़ी स्लेटों के रूप में निकाला जाता था। फिर इन्हीं से हर प्रकार का निर्माण कार्य किया जाता था।

बाल मिठाई का इतिहास और विशेषताएं

अल्मोड़ा जिला अपनी खूबसूरत पहाड़ियों और ठंडी आबोहवा के लिए मशहूर है, लेकिन इन सबसे अलग है यहां की बाल मिठाई जिसने इसे पूरे भारत में पहचान दिलाई है। बाल मिठाई का उद्भव वर्ष 1856 में उत्तराखंड के अल्मोड़ा में हुआ माना जाता है, जिसे जोग लाल साह ने तैयार किया था। उस दौर में अल्मोड़ा ब्रिटिश शासन के अधीन था और यहां बड़ी संख्या में सैनिक तैनात रहते थे। माना जाता है कि इस मिठाई को शुरुआत में सैनिकों के लिए बनाया गया, क्योंकि पहाड़ों में उपलब्ध शुद्ध दूध से तैयार खोया लंबे समय तक सुरक्षित रह सकता था। धीरे-धीरे इसका अनोखा स्वाद लोगों को भाने लगा और यह आम जनमानस में भी लोकप्रिय हो गई। बाल मिठाई की सबसे प्रमुख विशेषता इसकी पारंपरिक निर्माण प्रक्रिया है।

भूकंप जैसी आपदा में भी अटल हैं पटाल

इतना ही नहीं, स्वास्थ्य के लिए भी पटाल लाभकारी मानें गए हैं। टूट-फूट होने पर पटालों को आसानी से बदला जा सकता है। इसके साथ ही पटाल जल संरक्षण के लिए भी अनुकूल होते हैं। पटालों के जोड़ों से बरसात का पानी पहले धरती में समाता है, जिससे भूमि में वाटर-रिचार्ज होता है। पटाल की सबसे बड़ी खूबी यह भी है कि भूकंप जैसी आपदा में पटाल भवनों को मजबूती भी प्रदान करती है।

नगर के मल्ला जोशी खोला, चीनाखान, तल्ला जोशी खोला, पांडेखोला, दुगालखोला, तल्ला मल्ला दन्या, डुबकिया, चौंसार, कर्नाटकखोला, गुरुरानीखोला, बख्शीखोला आदि मोहल्लों में पुरानी शैली के पटाल के भवन इस संस्कृति को संजोकर रखने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं।

बहरहाल, पहाड़ की अद्भुत पटाल संस्कृति इस कदर निराली है कि आज भी अल्मोड़ा कई क्षेत्रों में पटाल से बने ढाई सौ साल पुराने भवन तमाम संयुक्त परिवारों की एकजुटता के गवाह बने हुए हैं। भले ही नगर का अधिकांश इलाका कंक्रीट के जंगलों सा होता जा रहा हो, लेकिन, पटान से बने भवनों का आकर्षण आज भी जस का तस है।

पटाल शिल्पियों का दौर ही निराला था

पटाल संस्कृति के अस्तित्व में आने के बाद से ही पर्वतीय क्षेत्रों के पटाल शिल्पियों को यहां रोजगार मिला। सदियों तक यहां पटाल शिल्पियों ने अपने हुनर को इन पटालों में तराशा और यहीं कार्य उनकी कई पुश्तों के लिए रोजी रोटी का माध्यम बना। आज भले की पटाल शिल्पियों को आधुनिक तकनीक के कारण अपने इस रोजगार से किनारा करना पड़ा हो लेकिन एक दौर वह भी था कि पटाल शिल्पियों के सामने कोई और टिक नहीं सकता था। फिलवक्त भले ही क्यों ना निर्माण कार्यों की नई तकनीक सामने आ रही हों। लेकिन पटाल की विशेषताओं का आज भी कोई जवाब नहीं है। एक्सपर्टस बताते हैं कि पहाड़ की विषम भौगोलिक परिस्थितियों में लकड़ी और पत्थर के मकान काफी उपयुक्त हैं, जिनमें पटाल का खास महत्व रहा है। क्योंकि, पटाल टिकाऊ और मजबूत होने के साथ ही हर मौसम में अनुकूल तासीर देने वाले भी होते हैं।

वरिष्ठों की शारीरिक सीमाएं और आयुर्वेदिक समाधान

वृद्धावस्था जीवन का स्वाभाविक चरण है, जिसमें शरीर की कार्यक्षमता धीरे-धीरे कम होने लगती है। उम्र बढ़ने के साथ हड्डियां कमजोर होती हैं, मांसपेशियों की शक्ति घटती है, जोड़ों में दर्द होने लगता है, दृष्टि और श्रवण क्षमता कम हो सकती है तथा स्मरण शक्ति पर भी प्रभाव पड़ता है। यदि इन समस्याओं का समय रहते ध्यान न रखा जाए तो व्यक्ति धीरे-धीरे दूसरों पर निर्भर होने लगता है और कई बार विकलांगता जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है। वरिष्ठ नागरिकों में शारीरिक सीमाएं केवल शारीरिक नहीं होतीं, बल्कि मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक रूप से भी व्यक्ति को प्रभावित करती है।

आयुर्वेद, जो जीवन विज्ञान के रूप में जाना जाता है, वृद्धावस्था में होने वाली समस्याओं के बचाव और प्रबंधन में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकता है। आयुर्वेद केवल रोगों के उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के संतुलन द्वारा स्वस्थ जीवन जीने की दिशा प्रदान करता है।

वृद्धों की शारीरिक सीमाएं

वरिष्ठ नागरिकों में शारीरिक सीमाएं का अर्थ है शरीर के किसी अंग, इंद्रिय या मानसिक क्षमता का इतना प्रभावित हो जाना कि व्यक्ति सामान्य दैनिक कार्य जैसे चलना, उठना-बैठना, स्नान करना, भोजन करना, बोलना, सुनना या याद रखना कठिन महसूस करे। यह स्थिति कई कारणों से उत्पन्न हो सकती है, जैसे गठिया, लकवा, ऑस्टियोपोरोसिस, पार्किंसन रोग, अल्जाइमर, मधुमेह, हृदय रोग, दृष्टिदोष, श्रवण हानि आदि। यदि समय पर रोकथाम न की जाए तो यह समस्या व्यक्ति की स्वतंत्रता छीन सकती है। इसलिए वरिष्ठ नागरिकों में शारीरिक सीमाएं को रोकना बहुत आवश्यक है। आयुर्वेद में वृद्धावस्था को "जरावस्था" कहा गया है। यह जीवन का वह समय है, जब शरीर में वात दोष की प्रधानता बढ़ जाती है। वात दोष बढ़ने से शरीर में रूखापन, कमजोरी, जोड़ों में दर्द, चलने में कठिनाई, नींद की कमी, कब्ज, स्मरण शक्ति में कमी और अस्थि क्षय जैसी समस्याएं होती हैं।

आयुर्वेद मानता है कि यदि वात दोष को संतुलित रखा जाए, अग्नि को मजबूत रखा जाए और धातुओं का पोषण किया जाए, तो वृद्धावस्था में होने वाली विकलांगता को काफी हद तक रोका जा सकता है। वरिष्ठ नागरिकों में शारीरिक सीमाओं के कई कारण हो सकते हैं। सबसे प्रमुख कारण है हड्डियों का कमजोर होना। कैल्शियम की कमी और अस्थि क्षय से गिरने पर फ्रैक्चर होने का खतरा बढ़ जाता है। दूसरा कारण है जोड़ों का घिस जाना, जिससे घुटनों और कमर में दर्द होता है। तीसरा कारण है मांसपेशियों की कमजोरी, जिससे चलने-फिरने में कठिनाई होती है। इसके अलावा मधुमेह, उच्च रक्तचाप, लकवा, हृदय रोग, मोटापा, दृष्टि कमजोरी, सुनने की कमी और मानसिक रोग भी वृद्ध व्यक्ति को विकलांग बना सकते हैं। असंतुलित भोजन, व्यायाम की कमी, तनाव और नशे की आदतें भी इसके कारण बनती हैं।

आयुर्वेद द्वारा बचाव की अवधारणा

आयुर्वेद कहता है कि "स्वस्थ स्वास्थ्य रक्षणम्" अर्थात स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा करना ही चिकित्सा का प्रथम उद्देश्य है। वरिष्ठ नागरिकों में शारीरिक समस्याओं से बचाव के लिए आयुर्वेद दिनचर्या, ऋतुचर्या, उचित आहार, योग, पंचकर्म और रसायन चिकित्सा पर विशेष बल देता है। यदि व्यक्ति युवावस्था से ही स्वास्थ्य के नियम अपनाए और वृद्धावस्था में नियमित देखभाल करे, तो वह लंबे समय तक स्वतंत्र और सक्रिय जीवन जी सकता है।

संतुलित आहार का महत्व

वृद्ध व्यक्ति के लिए पचने में हल्का, पौष्टिक ताजा और गर्म भोजन श्रेष्ठ माना गया है। आहार में दूध, घी, मूंग दाल, हरी सब्जियां, ताजे फल, तिल, बादाम, अखरोट, आंवला, खजूर और दलिया शामिल करना लाभकारी होता है। यह शरीर को ऊर्जा देता है और हड्डियों व मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। अधिक तला, ठंडा, बासी, अत्यधिक मसालेदार और जंक फूड से बचना चाहिए। अधिक नमक और चीनी का सेवन भी हानिकारक है। सर्दियों में भी पर्याप्त पानी पीना चाहिए ताकि शरीर में शुष्कता न बढ़े।

वात दोष पर नियंत्रण द्वारा लाभ

वृद्धावस्था में वात दोष बढ़ने से अधिक समस्याएं होती हैं, इसलिए वातशामक उपाय बहुत आवश्यक हैं। इसके लिए गुनगुना जल, तिल के तेल से मालिश, गर्म भोजन, नियमित दिनचर्या, समय पर नींद और तनाव से बचाव जरूरी है। तिल तेल, नारायण तेल या ताजा तेल से अभ्यंग करने से जोड़ों में लचीलापन आता है, दर्द कम होता है और शरीर में शक्ति बनी रहती है। यह लकवा और कमजोरी में भी सहायक माना गया है।

योग और व्यायाम की भूमिका

हल्का व्यायाम वृद्धावस्था में बहुत लाभदायक है। नियमित टहलना, प्राणायाम, योगासन और स्ट्रेचिंग करने से शरीर सक्रिय रहता है। इससे संतुलन शक्ति बढ़ती है और गिरने की संभावना कम होती है। ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, पवनमुक्तासन तथा शवासन जैसे सरल योगासन वृद्धों के लिए लाभकारी हैं। प्राणायाम में अनुलोम-विलोम, भ्रामरी और गहरी श्वास अभ्यास करने से मानसिक तनाव कम होता है तथा मस्तिष्क सक्रिय रहता है।

पंचकर्म चिकित्सा का महत्व

आयुर्वेद में पंचकर्म शरीर शुद्धि और पुनर्जीवन की प्रक्रिया है। वृद्धावस्था में विशेषज्ञ की सलाह से पंचकर्म कराने से कई लाभ मिलते हैं। बस्ती चिकित्सा वात रोगों के लिए श्रेष्ठ मानी जाती है। इससे जोड़ों का दर्द, कमर दर्द, कब्ज और चलने में कठिनाई में लाभ हो सकता है। नस्य से सिर, मस्तिष्क और इंद्रियों को बल मिलता है। शिरोधारा तनाव और अनिद्रा में लाभकारी है। स्वेदन से शरीर की जकड़न कम होती है।

रसायन चिकित्सा और पुनर्यौवन

आयुर्वेद में रसायन चिकित्सा वृद्धावस्था में विशेष उपयोगी है। इसका उद्देश्य शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाना, स्मरण शक्ति सुधारना, ऊर्जा देना और उम्र संबंधी क्षय को धीमा करना है। च्यवनप्राश, अश्वगंधा, शतावरी, ब्राह्मी, आंवला, गिलोय, हरीतकी आदि रसायन द्रव्य विशेषज्ञ सलाह से उपयोग किए जा सकते हैं। ये शरीर को शक्ति देने, मानसिक क्षमता बढ़ाने और कमजोरी दूर करने में सहायक माने जाते हैं।

दिनचर्या और जीवनशैली

वृद्ध व्यक्ति को समय पर उठना, समय पर भोजन करना, हल्का व्यायाम करना, पर्याप्त नींद लेना और नियमित स्वास्थ्य जांच कराना चाहिए। देर रात जागना, तनाव लेना, अधिक क्रोध करना और निष्क्रिय जीवनशैली हानिकारक है।

दिन में हल्की धूप लेना, प्रिय संगीत सुनना, धार्मिक या सकारात्मक गतिविधियों में भाग लेना और परिवार के साथ समय बिताना स्वास्थ्य के लिए उत्तम है।

हड्डियों और जोड़ों की सुरक्षा

वृद्धावस्था में गिरना सबसे बड़ा खतरा है क्योंकि इससे फ्रैक्चर होकर स्थायी विकलांगता हो सकती है। इसलिए घर में फिसलन न हो, पर्याप्त रोशनी हो, बाथरूम में सहारा लगाने की व्यवस्था हो तथा उचित चप्पल पहननी चाहिए। आहार में कैल्शियम युक्त पदार्थ, तिल, दूध, दही, पनीर और धूप लेना जरूरी है। आयुर्वेद में लाक्षादि योग, अस्थि पोषक औषधियां और तेल मालिश उपयोगी मानी जाती हैं।

मानसिक स्वास्थ्य का महत्व

कई वृद्ध लोग अकेलेपन, अवसाद, चिंता और भूलने की बीमारी से पीड़ित रहते हैं। मानसिक कमजोरी भी विकलांगता का कारण बन सकती है। परिवार का सहयोग, सामाजिक संपर्क, ध्यान, योग और सकारात्मक वातावरण अत्यंत आवश्यक है। ब्राह्मी, शंखपुष्पी, जटामांसी जैसी औषधियां मानसिक स्वास्थ्य के लिए उपयोगी मानी जाती हैं। नियमित ध्यान और प्राणायाम से मन शांत रहता है। योग्य चिकित्सक की सलाह से ज्योतिष्मती तैल का सही उपयोग करने से अल्जाइमर्स जैसी बड़ी समस्या में भी आशातीत लाभ मिला है ।

परिवार और समाज की भूमिका

वृद्ध व्यक्ति को केवल दवा नहीं, बल्कि सम्मान, सहारा और प्रेम की भी आवश्यकता होती है। यदि परिवार उनका ध्यान रखे, उनकी बात सुने और उन्हें उपयोगी महसूस कराए, तो उनका आत्मविश्वास बना रहता है।

समाज स्तर पर वृद्ध स्वास्थ्य शिविर, योग केंद्र, फिजियोथेरेपी सेवाएं और आयुर्वेदिक परामर्श केंद्र चलाए जाने चाहिए ताकि अधिक से अधिक लोग लाभ उठा सकें।

आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा का समन्वय

वृद्धावस्था की समस्याओं में आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा दोनों का संतुलित उपयोग बेहतर परिणाम दे सकता है। यदि किसी को मधुमेह, हृदय रोग, लकवा, मोतियाबिंद या गंभीर रोग है, तो आधुनिक जांच और उपचार आवश्यक है। साथ ही आयुर्वेदिक जीवनशैली, मालिश, योग और रसायन चिकित्सा सहायक सिद्ध हो सकती है।

वरिष्ठ नागरिकों में शारीरिक सीमाएं कोई अचानक आने वाली स्थिति नहीं है, बल्कि वर्षों की उपेक्षा, असंतुलित जीवनशैली और रोगों के कारण धीरे-धीरे विकसित होती है। यदि समय रहते सही आहार, नियमित व्यायाम, योग, पंचकर्म, रसायन चिकित्सा और मानसिक संतुलन अपनाया जाए, तो इससे काफी हद तक बचाव संभव है।

आयुर्वेद हमें सिखाता है कि बुढ़ापा कमजोरी का नहीं, अनुभव और संतुलन का समय है। सही देखभाल और प्राकृतिक उपायों से वृद्ध व्यक्ति लंबे समय तक सक्रिय, आत्मनिर्भर और सम्मानपूर्ण जीवन जी सकते हैं। इसलिए आज ही संकल्प लें कि वृद्धावस्था को स्वस्थ, समर्थ और सुखद बनाएं।

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय बरेली, समय-समय पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन करके बुजुर्गों की जांच करती हैं, जिससे प्रारंभिक अवस्था में ही रोगों की पहचान हो सके। इससे आगे चलकर होने वाली गंभीर समस्याओं और निर्भरता की स्थिति को रोका जा सकता है। आयुर्वेदिक चिकित्सा संस्थान पंचकर्म चिकित्सा, योग एवं जीवनशैली परामर्श के माध्यम से बुजुर्गों को स्वस्थ जीवन जीने की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान कर सकते हैं। विशेष रूप से वात विकारों की रोकथाम और प्रबंधन में आयुर्वेद की भूमिका अत्यंत प्रभावी होती है।

रोहिलखंड आयुर्वेदिक कॉलेज एवं चिकित्सालय, सेक्टर-7, डोहरा रोड बरेली 8077808309

डिजिटल दुनिया से ब्रेक लेकर बचाएं अपनी सेहत

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में मोबाइल, लैपटॉप और सोशल मीडिया हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। सुबह उठते ही फोन चेक करना और रात को सोने से पहले तक स्क्रीन से जुड़े रहना एक आदत बन गई है, हालांकि लगातार डिजिटल डिवाइसेज का उपयोग हमारी शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक सेहत पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। ऐसे में 'डिजिटल फास्टिंग' यानी कुछ समय के लिए डिजिटल दुनिया से दूरी बनाना एक कारगर उपाय साबित हो सकता है। यह ठीक वैसे ही है जैसे शरीर को फिट रखने के लिए हम उपवास या डिटॉक्स करते हैं, उसी तरह दिमाग को आराम देने के लिए डिजिटल फास्टिंग जरूरी है।

क्या है डिजिटल फास्टिंग

डिजिटल फास्टिंग का मतलब है जानबूझकर कुछ समय के लिए मोबाइल, कंप्यूटर, टीवी और सोशल मीडिया से दूरी बनाना। यह दूरी कुछ घंटों, एक दिन या फिर पूरे सप्ताहांत के लिए भी हो सकती है। इसका उद्देश्य है अपने दिमाग को लगातार मिलने वाले डिजिटल इनपुट से राहत देना और खुद को वास्तविक दुनिया से जोड़ना।

डिजिटल फास्टिंग के दो प्रमुख प्रकार

पूर्ण डिजिटल फास्टिंग : इसमें 24 घंटे या उससे ज्यादा समय तक सभी डिजिटल डिवाइसेज से दूरी बनाई जाती है।

आंशिक डिजिटल फास्टिंग : इसमें दिन के कुछ खास समय, जैसे रात में या सुबह उठने के बाद, डिजिटल डिवाइस का उपयोग नहीं किया जाता।

क्यों है जरूरी

भारत में एक औसत व्यक्ति रोजाना 7-8 घंटे स्क्रीन पर बिताता है। यह समय मोबाइल, लैपटॉप, टीवी और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर खर्च होता है। लगातार स्क्रीन देखने से कई समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं :

- ध्यान केंद्रित करने की क्षमता में कमी
- तनाव और चिंता में वृद्धि
- आंखों में थकान और जलन (डिजिटल आई स्ट्रेन)
- नींद की गुणवत्ता में गिरावट
- परिवार और दोस्तों से दूरी
- इन समस्याओं से बचने के लिए समय-समय पर डिजिटल ब्रेक लेना बेहद जरूरी है।

डिजिटल फास्टिंग के फायदे

- **मानसिक शांति :** डिजिटल डिवाइसेज से दूरी बनाने पर दिमाग को आराम मिलता है, जिससे तनाव कम होता है और मन शांत रहता है।
- **बेहतर नींद :** सोने से पहले स्क्रीन टाइम कम करने से मेलाटोनिन हार्मोन का स्तर संतुलित रहता है, जिससे नींद गहरी और सुकूनभरी होती है।
- **रिश्तों में सुधार :** परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताने का मौका मिलता है, जिससे रिश्ते मजबूत होते हैं।
- **उत्पादकता में वृद्धि :** कम डिजिटल डिस्ट्रैक्शन के कारण काम पर ध्यान केंद्रित करना आसान हो जाता है और कार्यक्षमता बढ़ती है।
- **शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार :** डिजिटल फास्टिंग से आप वॉक, योग या अन्य शारीरिक गतिविधियों के लिए समय निकाल पाते हैं।
- **रचनात्मकता में वृद्धि :** जब दिमाग को खाली समय मिलता है, तो नई सोच और क्रिएटिविटी विकसित होती है।
- **आंखों को आराम :** स्क्रीन से दूरी रखने पर आंखों की थकान कम होती है और दृष्टि बेहतर बनी रहती है।

अन्य उपाय

- सोने से कम से कम एक घंटा पहले स्क्रीन बंद करें।
- खाने के समय फोन का इस्तेमाल न करें।
- सोशल मीडिया ऐप्स को सीमित समय के लिए ही उपयोग करें।
- सुबह उठते ही फोन देखने की आदत छोड़ें।
- परिवार के साथ 'नो फोन टाइम' तय करें।

डिजिटल फास्टिंग आज के समय की एक जरूरी आदत बनती जा रही है। यह न केवल हमारी मानसिक शांति को बढ़ाती है, बल्कि शारीरिक और सामाजिक जीवन को भी संतुलित बनाती है। थोड़ी-सी जागरूकता और अनुशासन अपनाकर हम डिजिटल दुनिया के दुष्प्रभावों से बच सकते हैं। इसलिए समय-समय पर डिजिटल ब्रेक लें और अपने जीवन को अधिक स्वस्थ, संतुलित और खुशहाल बनाएं।

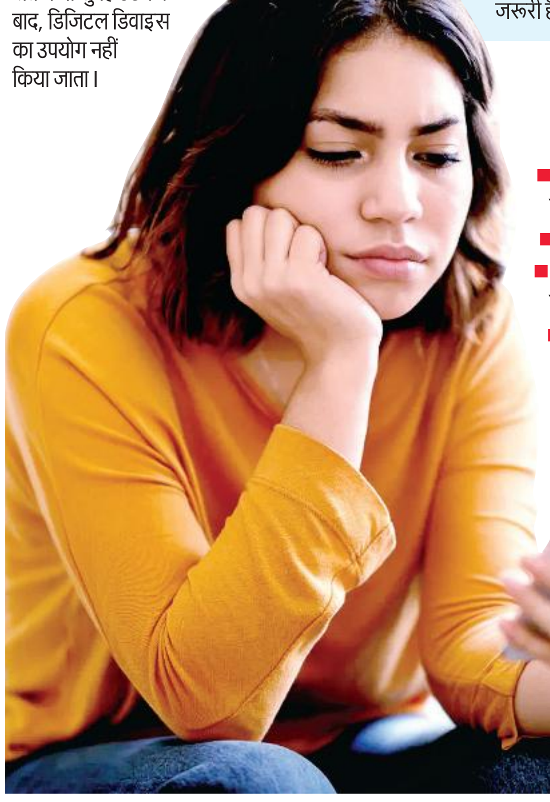

ऐसे शुरू करें फास्टिंग

- **लक्ष्य तय करें:** शुरुआत में छोटे लक्ष्य रखें, जैसे रोजाना 1-2 घंटे का डिजिटल ब्रेक लेना। धीरे-धीरे इसे बढ़ाया जा सकता है।
- **समय निर्धारित करें :** सुबह उठने के बाद और रात को सोने से पहले स्क्रीन से दूरी बनाएं। खासकर रात में 7 बजे के बाद डिजिटल उपयोग कम करें।
- **नोटिफिकेशन बंद करें :** अनावश्यक ऐप्स के नोटिफिकेशन बंद कर दें, ताकि बार-बार फोन देखने की आदत कम हो।
- **विकल्प तैयार रखें :** डिजिटल समय की जगह किताब पढ़ना, संगीत सुनना, टहलना या परिवार के साथ समय बिताना जैसे विकल्प अपनाएं।
- **वीकेंड डिजिटल डिटॉक्स :** सप्ताह में एक दिन 'नो स्क्रीन डे' रखने की कोशिश करें। इससे आपको बेहतर परिणाम मिलेंगे।

साप्ताहिक राशिफल

-पं. मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष — इस सप्ताह की शुरुआत किसी शुभ समाचार से होगी। आपकी बहुप्रतीक्षित मनोकामना पूरी हो सकती है। करियर-कारोबार से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए भी पूर्वार्ध का समय अत्यधिक शुभ साबित होगा। इस दौरान रोजी-रोजगार के सिलसिले में की जाने वाली यात्रा सुखद एवं लाभप्रद साबित होंगी।

वृष — यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ साबित होने वाला है। पूरे सप्ताह आपको सौभाग्य का साथ मिलेगा। करियर और कारोबार में आप कोई बड़ा निर्णय ले सकते हैं। यदि आप लंबे समय से नौकरी में बदलाव के लिए प्रयासरत थे, तो आपकी यह मनोकामना इस सप्ताह पूरी हो सकती है।

मिथुन — यह सप्ताह जीवन में नए अवसरों के द्वार खोलने वाला साबित होगा। रोजी-रोजगार के लिए प्रयासरत लोगों को इस सप्ताह मनचाहा रोजगार मिल सकता है, तो वहीं पहले से कार्यरत लोगों की पदोन्नति संभव है। कार्यक्षेत्र में आपको अपने सीनियर और जूनियर दोनों से सहयोग हासिल होगा।

कर्क — इस सप्ताह भाग्य का कदम-कदम पर साथ मिलता हुआ नजर आएगा। आप जिस भी दिशा में प्रयास करेंगे, उसमें आपको मनचाही सफलता मिलती हुई नजर आएगी। खास बात यह कि ऐसा करते समय आपके इष्टमित्र और शुभचिंतक तन-मन-धन से आपके लिए खड़े नजर आएंगे।

सिंह — इस सप्ताह आलस्य और अभिमान से बचना होगा अन्यथा बनती हुई बात भी बिगड़ सकती है। सप्ताह की शुरुआत में किसी बात को लेकर स्वजनों के साथ वाद-विवाद होने की आशंका है। पारिवारिक एकता एवं सामंजस्य को बनाए रखने के लिए छोटी-मोटी बातों को तूल न देना बेहतर रहेगा।

कन्या — यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ साबित होगा। आपके सोचे हुए काम समय से होते हुए नजर आएंगे और आपको घर-बाहर दोनों जगह लोगों से भरपूर सहयोग और समर्थन मिलेगा। लोग आपके निर्णय और प्रयासों की तारीफ करेंगे। करियर-कारोबार में तरक्की होगी। नौकरीपेशा लोगों को मनचाहा प्रमोशन या फिर तबादला मिल सकता है।

तुला — इस सप्ताह अपने सोचे हुए कार्य को पूरा करने के लिए बेहद सधे हुए कदमों के साथ आगे बढ़ने की जरूरत रहेगी। यदि आप व्यवसाय से जुड़े हुए हैं, तो आपको कारोबार से जुड़ा कोई भी बड़ा निर्णय लेने से पहले अपने शुभचिंतकों से सलाह अवश्य लेनी चाहिए।

वृश्चिक — इस सप्ताह नुकसान और अपमान से बचने के लिए किसी भी नियम को तोड़ने से बचना चाहिए। आपका जीवन थोड़ा असंतुलित रहने वाला है। आपको एक तरफ जहां पारिवारिक जिम्मेदारी को निभाने की चिंता बनी रहेगी, तो वहीं करियर-कारोबार से जुड़ी चुनौती भी आपकी परेशानी का बड़ा कारण बनेगी।

धनु — इस सप्ताह कार्यों को समय से पूरा करने और अपनी जिम्मेदारियों का निभाने लिए जरा ज्यादा ही भागदौड़ करनी पड़ सकती है। सप्ताह की शुरुआत में भूमि-भवन से जुड़े विवाद आपकी चिंता का विषय बन सकते हैं, जिसका समाधान खोजने के लिए आपको कोर्ट-कचहरी के चक्कर तक लगाने पड़ सकते हैं।

मकर — यह सप्ताह शुभता और सौभाग्य को लिए हुए है। इस सप्ताह आपको करियर-कारोबार में मनचाही सफलता के साथ धन, यश एवं मान-सम्मान मिलेगा। शुरुआत में किसी धार्मिक-मांगलिक कार्यक्रम में सहभागिता का अवसर प्राप्त होगा। इस दौरान लंबे समय बाद किसी प्रिय व्यक्ति से मुलाकात संभव है।

कुंभ — यह सप्ताह जीवन से जुड़ी तमाम परेशानियों को दूर करते हुए राहत प्रदान करने वाला साबित होगा। यदि विदेश में करियर-कारोबार के लिए प्रयासरत हैं, तो इस सप्ताह के पूर्वार्ध में आपको कोई शुभ सूचना मिल सकती है। यह समय अध्ययन-अध्यापन से जुड़े लोगों के लिए अत्यंत ही शुभ साबित होगा।

मीन — इस सप्ताह सोचे हुए कार्यों को समय पर पूरा करने तथा उसमें अपेक्षित सफलता प्राप्ति हेतु विशेष प्रयास करने पड़ सकते हैं। सप्ताह की शुरुआत में करियर-कारोबार के साथ-साथ घरेलू समस्याएं आप पर हावी होंगी। जीवन से जुड़ी तमाम तरह की चुनौतियों का सामना करने के लिए आपको सभी को मिलाकर चलना उचित रहेगा।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त कर ने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 57

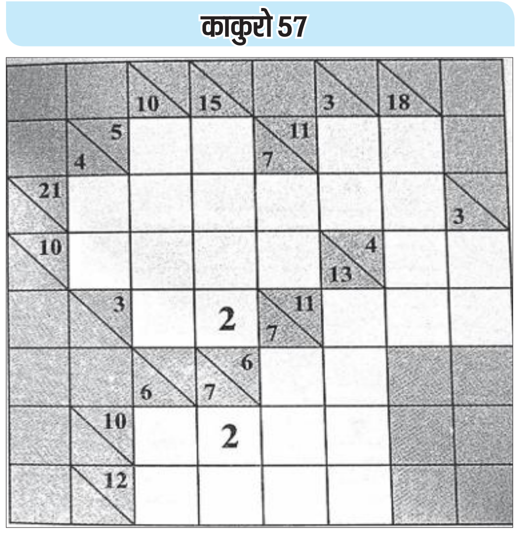

काकुरो 56 का हल

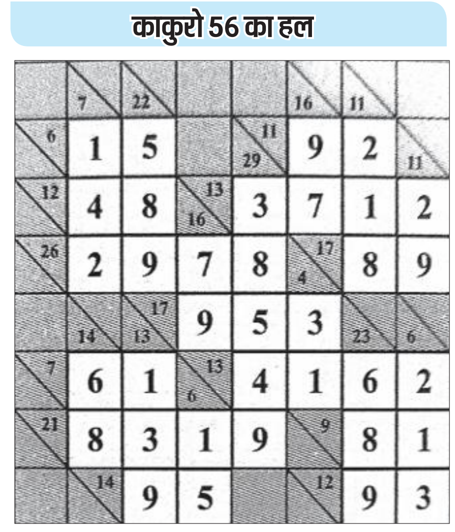

कहानी

जन्मदिन पर धूम

डॉ. मृदुल शर्मा
वरिष्ठ लेखक

गुड़िया अपनी सबसे प्यारी सहेली बेबी के जन्मदिन पर होने वाले उत्सव में सम्मिलित होने का निमंत्रण पाकर बहुत खुश थी। इससे पहले गुड़िया ने इस प्रकार के किसी उत्सव में भाग नहीं लिया था। बेबी का घर गुड़िया के घर से पांच घरों के बाद था। बेबी के जन्मदिन पर गुड़िया नई फ्राक पहनकर और गले में प्लास्टिक के मोतियों की माला पहनकर गई थी। गुड़िया की मम्मी ने उसके बालों में थोड़ा तेल लगाकर दो चोटियां कर दी थीं और फ्राक के रंग से मिलते-जुलते रंग के रिवन से उसके सिर पर सुंदर फूल भी बना दिया था। फिर अपनी सजी-धजी गुड़िया को देखकर उसके मन में यह विचार आया कि कहीं गुड़िया को किसी की बुरी नजर न लग जाए, इसलिए उसने गुड़िया की आंखों में काजल आंज कर उसके माथे पर बाईं ओर एक छोटा सा टीका भी लगा दिया था और फिर गुड़िया का हाथ पकड़कर उसे बेबी के घर तक पहुंचा कर द्वार से ही चुपचाप लौट आई थी। बेबी के घर में उसके साथ पढ़ने वाले पांच-छः बच्चे और आए थे, जिनमें गुड़िया के पड़ोस में रहने वाली उसकी सहेली बबली भी थी। बबली को वहां पाकर गुड़िया बहुत खुश थी।

गुड़िया ने देखा कि बेबी का घर गुड़िया के घर की तुलना में काफी बड़ा है और उसके घर में तरह-तरह के सामान यत्र-तत्र रखे हुए हैं। दरवाजों और खिड़कियों पर चमकदार पर्दे पड़े हुए हैं। केक काटे जाने के बाद गुड़िया ने बबली तथा अन्य बच्चों के साथ "तुम जियो हजारों साल" गीत पर नृत्य भी किया था। फिर पेट भर स्वादिष्ट पकवान और मिष्ठान्न खाकर तथा कोल्ड ड्रिंक पीकर बबली के साथ अपने घर लौटी थी। गुड़िया ने घर आकर अपने मम्मी-पापा से जन्मदिन के उत्सव का विस्तार से वर्णन किया और अपने पापा से पूछा कि उसका जन्मदिन कब होगा? यह सुनकर राम सजीवन बोला -"तुम्हारा जन्मदिन आठ अप्रैल को होगा।" "फिर उस दिन हम भी पार्टी करेंगे और अपनी सहेलियों के साथ अपना जन्मदिन मनाएंगे।"- गुड़िया ने उत्साहित स्वर में कहा।

अपने पापा से जन्मदिन धूमधाम से मनाने का आश्वासन पाकर गुड़िया खुश हो गई। फिर कुछ क्षण मौन रहकर उसने अपने पापा से पूछा कि हमारा घर बेबी के घर जैसा खूब बड़ा क्यों नहीं है, हमारे घर में बेबी के घर की तरह बहुत सारे सामान क्यों नहीं रखे हैं? आदि आदि।

तब राम सजीवन ने उसे बताया कि वह जिस कार्यालय में काम करते हैं, उसमें बेबी के पापा बहुत बड़े अधिकारी हैं। इसीलिए कार्यालय की ओर से उन्हें रहने के लिए कालोनी में बहुत बड़ा मकान मिला है। मैं उस कार्यालय में छोटा कर्मचारी हूं, इसीलिए मुझे रहने के लिए छोटा मकान मिला है। यह सुनकर गुड़िया ने पुनः प्रश्न किया- "आप उनकी तरह बड़े अधिकारी क्यों नहीं हैं? "बेबी के पापा ने खूब पढ़ाई की थी। इसीलिए वह बहुत बड़े अधिकारी बन गए। मैंने कम पढ़ाई की थी, इसलिए मैं बड़ा अधिकारी नहीं बन सका। तुम भी खूब पढ़ाई करना जिससे तुम भी बड़ी अधिकारी बन सको।"- राम सजीवन ने गुड़िया को प्यार से समझाया। इसके बाद तो गुड़िया रोज ही अपने मम्मी-पापा से पूछने लगी कि उसके जन्मदिन के आने में अब कितने दिन शेष हैं।

यह देखकर एक दिन गुड़िया की मम्मी ने राम सजीवन से कहा -"गुड़िया के पापा, अभी तक तो हम पांच रुपये के बताशे लाकर भगवान को अक्षत-रोली का तिलक लगाकर और प्रसाद चढ़ाकर गुड़िया का जन्मदिन मना लेते थे, मगर अब गुड़िया समझदार हो गई है और वह टंडन साहब की बेटी के जन्मदिन पर मनाए गए उत्सव को देख आई है। अब उसका भी जन्मदिन हमें केक-वेक मंगाकर मनाना पड़ेगा।""अरे, अभी तो काफी दिन हैं उसका जन्मदिन आने में। तब तक हम अपने दैनिक खर्च में कुछ काट-छांट कर जरूरत भर की बचत कर लेंगे।"- राम सजीवन ने लापरवाही से कहा। मगर सीमित आय के कारण वे लोग चाहकर भी कोई बचत नहीं कर सके। इधर अमेरिका तथा इजरायल का ईरान से युद्ध छिड़ जाने के कारण पेट्रोल, डीजल आदि की कीमतों में भारी वृद्धि हो गई, जिससे अन्य वस्तुओं की कीमतें भी अप्रत्याशित रूप से बढ़ गईं। इससे राम सजीवन और उनके जैसे अल्प वेतनभोगी लोगों को गृहस्थी की गाड़ी खींचना और भी दुष्कर हो गया। पहली अप्रैल को जब राम सजीवन वेतन लेकर घर लौटे तो पति-पत्नी दोनों देर तक गृह खर्च का हिसाब-किताब करते रहे, मगर गुड़िया का जन्मदिन मनाने के लिए वेतन की रकम से पांच सौ रुपए से अधिक नहीं निकाल सके। राम सजीवन बहुत सोच विचार कर और पत्नी से सलाह के बाद सात अप्रैल की शाम को एक सौ रुपए की टाफी खरीद लाए और गुड़िया से कहा -"बेटी, कल यह टाफी का डिब्बा लेकर विद्यालय जाना और अपनी कक्षा के बच्चों को अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में टाफी बांटना।" यह सुनकर गुड़िया बोली -" क्या हम अपनी सहेलियों को घर नहीं बुलाएंगे?" तभी गुड़िया की मम्मी ने उसे समझाया -"घर पर तो कुछ बच्चे ही आ सकेंगे। मगर विद्यालय में तो कक्षा के सभी बच्चों और अपनी शिक्षिका के साथ तुम अपना जन्मदिन मना सकोगी। फिर शाम को हम लोग घर में केक काटकर तुम्हारा जन्मदिन मनाएंगे।" अगले दिन गुड़िया ने अपनी कक्षा में सभी बच्चों में टाफी बांटकर अपना जन्मदिन मनाया।

शाम को राम सजीवन कार्यालय से लौटते समय एक छोटा-सा केक और एक पाव पनीर लेते हुए आए। केक देखकर गुड़िया बहुत खुश थी। गुड़िया की मम्मी ने उसे एक अच्छी सी फ्राक पहनाकर तैयार किया। फिर उससे केक कटवाकर जन्मदिन मनाया। गुड़िया की मम्मी ने रसोई में जाकर चाय बनाने के लिए एक बर्तन में पानी चढ़ा दिया और पनीर की सब्जी बनाने की तैयारी करने लगी। तभी अचानक गैस का चूल्हा बुझ गया। उन्होंने गैस के सिलिंडर को बहुत हिलाया-डुलाया, मगर गैस तो खत्म हो चुकी थी। उन्होंने रसोई से निकलकर राम सजीवन को बताया कि गैस खत्म हो गई है। यह सुनकर राम सजीवन का मुंह उतर गया। वह बोले-" गैस की तो इस समय बहुत किल्लत चल रही है।" "फिर? गैस का प्रबंध तो करना ही पड़ेगा।"- गुड़िया की मम्मी ने ठंडे स्वर में कहा। "बुकिंग की तिथि से दस-बारह दिन के बाद गैस मिल पाती है। ब्लैक में तीन-साढ़े तीन हजार रुपये देने पर सिलिंडर मिल रहा है। इतनी रकम कहां से दें पाएंगे?"- राम सजीवन ने दीर्घ निः श्वास छोड़ते हुए कहा। गहरी उदासी को चीरते हुए गुड़िया की मम्मी ने पनीर के छोटे- छोटे टुकड़े किए और उन पर काला नमक छिड़ककर गुड़िया को खिलाकर सुला दिया। राम सजीवन ने एक गहरी सांस लेकर कहा -"यह तो अच्छा हुआ कि आज गुड़िया की सहेलियों को घर पर नहीं बुलाया था वरना पूरी कॉलोनी में लोग हमारा मजाक उड़ाते।" फिर वे दोनों ट्रंप, नेतन्याहू और खामनेई को युद्ध छेड़कर सारी दुनिया को कठिनाई में डालने के लिए कोसते हुए आने वाले कल की चिंता में डूब गए।

काव्य

मृत्यु जब मेरा वरण करेगी

एक और विरह की वेला
होगी, एक और मिलन का
उत्सव
किसी छोर उपवन को होगी
प्रतीक्षा खिलने को नव
पल्लव
गतिमान प्रकाश पद पर भले
आएगा अंशकाल व्यवधान
इसी अंधकार से निकलेगा
आने वाले पल का किसलय
कलरव
भारहीन तन-मन सौपेंगा
जग को चिन्मय आनंद की
गठरी
मृत्यु जब मेरा वरण करेगी

विरह अरण्य मे यायावर
सा देहरी देहरी सदा रहा
विचरता
कस्तूरी थी तलहटियों में मन
लहरों में सदा रहा बिछलता
तिनका-तिनका जब बुना
विषाद तब देह हुई मेरी
उपराम
जल से सीखा और जाना
आनंद है बस टूटना और
बिखरना
प्रतिवादहीन जड़ता का जग
देखेगा फिर एक सुखद
अवसान
मृत्यु जब मेरा वरण करेगी

अस्त नहीं होगा जीवन का
सूरज बस बदलेगा अपना
पथ
कहीं और उदित होता होगा,
भूला-बिसरा कोई संधि पत्र
दूर देश का संगीत जब
सहलाएगा मन की कच्ची
माटी
तब अश्रु दल से बांध न लेना
जब उड़ना को हो जीवन रथ
गूंजेगा फिर मेरी शैय्या पर
खंडित विश्वासों का अखंड
राग
मृत्यु जब मेरा वरण करेगी।

बीना नयाल
स्वतंत्र लेखिका

जवान-किसान

धूप में अंगार सी धधकती मिट्टी
पांव रखो तो जैसे जल उठती
है धरती
हवा भी तपिश का संदेशा
लेकर चलती
आसमान भी आग का दरिया
बन उगलता है आग
ऐसे में खेतों में खड़ा किसान
माथे से टपकती पसीने की बूंदें
मिट्टी में मिलाकर सोना उगा
रहा है।

फसल की बुवाई से सपने
बो रहा है
पसीने की हर बूंद गिरती
मिट्टी में
हो जैसे उम्मीद का बीज,
जो कल किसी के घर की रोटी
बनेगी।

उसकी हथेलियों की रेखाओं
में
मौसम का हर रंग दर्ज है
गर्मी, सर्दी, बरसात
कभी सूखा, कभी वर्षा
पर हिम्मत उसकी कभी नहीं
टूटती।

उधर, सीमा पर खड़ा जवान
भी
इसी तपिश को अपने सीने में
समेटे है
धधकती रेत पर उसके कदम
देश की सुरक्षा का इतिहास
लिखते हैं
न छांव का मोह, न आराम
की चाह,
बस एक जज्बा अपने कर्तव्य
का निर्वाह।

वह भी इस आग में तपकर
सोने सा कुंदन बन जाता है
धूप में अंगार सी धधकती मिट्टी
केवल गर्मी की कहानी नहीं
कहती,
यह उन हाथों की गाथा है
जो हर हाल में जीवन जीते हैं।

जब भी शिकायत हो इस
तपती धूप से
एक पल ठहरकर सोच लेना
कोई है, जो इसी आग में
अपना आज जला कर
हमारा कल संवार रहा है।

निरुपमा सिंह
बिजनौर

लघुकथा

कैसा मायका

डॉ. योगिता जोशी
शिक्षाविद् व साहित्यकार

सोनाली अपनी सहेली मीना से चहक-चहक कर बता रही थी कि मायके जाकर आई हूं। खूब मस्ती की, सैर सपाटे किए। रोज नए-नए व्यंजनों का आनंद लिया। सबसे अच्छा यह लगता था कि सुबह सबसे पहले नहीं उठना पड़ता था। मां पूरे दिन आगे-पीछे घूमती रहती थी। कभी बालों में तेल लगा देती, तो कभी अपना बक्सा खोलकर दिखाकर कहती , "जो तुझे चाहिए निकाल ले इसमें से"।

मीना चुपचाप खड़ी होकर सुन रही थी। सोनाली को अंदाजा नहीं था कि मीना की मां दो वर्ष पहले केंसर से हारकर भगवान को प्यारी हो गई है। इसलिए उसने बड़े उत्साह से पूछा, "तुम सुनाओ, तुम ने क्या मजे किए मायके में?" इतना सुनते ही मीना की आंखों से आंसू छलक पड़े। सोनाली के पूछने पर उसने कहा कि "मां बिन कैसा मायका? बेटी का मायका तब तक ही होता है, जब तक उसकी मां होती है।" इतना कहकर मीना फिर से रोने लगी। सोनाली ने उसके आंसू पोंछे और उसे गले से लगा लिया। आंसू सोनाली की आंखों में भी थे।

किस्सा

चल उड़ जा पंछी रे यह देश हुआ बेगाना

डा. श्रीधर द्विवेदी
वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ
नेशनल हार्ट इंस्टिट्यूट नई दिल्ली

छियासी वर्षीय खेमचंद करीब तीन वर्षों से मेरे पास नियमित आते हैं। उन्हें ब्लड प्रेशर के साथ- साथ हृदयाघात (हार्ट अटैक) की शिकायत है। उनकी महाधमनी (एओर्टा) के मूल में छोटा सा एन्यूरिज्म भी है। अपने नियमित जीवन और अनुशासित खानपान से उन्होंने अपने मर्ज पर काफी हद तक नियंत्रण पा लिया है। वह रोज पांच किमी. तक सैर करते हैं। योग करते हैं। खाने में अधिकतर फल -फूल सब्जी का सेवन करते हैं। बलिष्ठ कद काठी के व्यक्ति हैं। हमेशा मंद-मंद मुस्कान के साथ बात करते हैं। एक दिन उत्सुकतावश मैंने उनसे पूछा आपका मूल निवास कहां पर है? बोले कोटा। मैंने कहां कोटा राजस्थान? उन्होंने कहां क्वेटा बलूचिस्तान। मैंने जिज्ञासावश पुनः पूछा- आप वहां से कब आए? बोले जब मैं मुश्किल से पांच से छह वर्ष का था तब अपने माता-पिता के साथ यहां चला आया।

बात आगे बढ़ी तो उन्होंने बताया कि हिंदुस्तान के बंटवारे की बात तय होते ही मई-जून 1947 से क्वेटा में मारकाट और हो-हल्ला शुरू हो गया था। उस खून-खराबे को देखते हुए मेरे माता-पिता मुझे और छोटी बहन को लेकर लाहौर नाना -नानी के घर आ गए। वहां पहुचने पर पता चला कि लाहौर में हालत और भी बिगड़ी हुई है। जगह-जगह दंगे और हत्याएं हो रही थीं। घर के घर जलाए जा रहे थे। बेटियों की अस्मत लूटी जा रही थी। पुलिस चुपचाप विवश तमाशा देख रही थी। केवल मिलिट्री एक सहारा थी, जिसके संरक्षण में हम सब लोग रेलवे स्टेशन आए। रास्ते भर भय और आतंक का वातावरण। लोग बदहवास जो भी साधन मिला, उसको लेकर स्टेशन की ओर भाग रहे थे। हम लोग भी किसी तरह से ठसाठस भरी ट्रेन में बैठे। बड़ा बुरा हाल था। उस समय ट्रेन सीधे दिल्ली नहीं आती थी फिरोजपुर होकर पहले रोहतक फिर दिल्ली। रोहतक से हम लोग सोनीपत आए फिर दिल्ली आकर कमलानगर, दिल्ली विश्वविद्यालय के पास रुके। कुछ महीनों बाद हमें लाजपतनगर में घर मिल गया और हम यहीं बस गए।

सच पूछिए तो हमें उस समय क्वेटा का घर छोड़ते यह खामख्याली थी कि हम थोड़े दिनों बाद हालात सुधर जाएंगे। शांति बहाली होने पर फिर वापस आ जाएंगें। सुख चैन से अपने वतन में रहेंगें, लेकिन कौन वापस आता है और कौन जमीन उपभोग करने के बाद उसके वास्तविक मालिक को पुनः बसने देता है। अपने ही भाई-बंधु आपको पैर जमाने नहीं देंगें। आपकी जर-जमीन पर काबिज हो गए तो काबिज हो गए। घर एक बार छूट गया तो छूट गया। नाता टूट गया तो टूट गया। अपने ही गांव-देश में क्या यह नहीं हो रहा है? क्वेटा तो पराए देश का हिस्सा बन गया था। धर्म के नाम पर खून की नदिया बह रही थीं। यह सब बताते-बताते वह साश्रु हो गए थे। चल उड़ जा पंछी अब यह देश हुआ बेगाना।

समीक्षा प्रेरणाप्रद कहानी संग्रह

कृति –हार नहीं मानूंगा
बाल कहानी संग्रह
कृतिकार– संजीव जायसवाल 'संजय'
मूल्य–200/–
प्रकाशक–अद्विक पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड
समीक्षक– अमृता पांडे

आजकल बच्चों के लिए खूब लिखा जा रहा है। कई चर्चित नाम हैं, जो बच्चों के लिए हर तरह का साहित्य लिख रहे हैं। 'हार नहीं मानूंगा' बाल कहानी संग्रह संजीव जायसवाल 'संजय' जी की कलम से निकलकर आया है। संग्रह में पांच रोचक कहानियां हैं। पहली कहानी 'जिंदगी एक बार ही मिलती है' आर्यन और चंदन की कहानी। आर्यन पैसे वाले पिता का बेटा और चंदन की आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर। कभी-कभी कमजोरी या अभाव भी हमारा शिक्षक बनकर हमें राह दिखाता है और जीवन का लक्ष्य निर्धारित हो जाता है। समाज में दोनों ही तरह के व्यक्तित्व हम देखते हैं। इस कहानी में जहां आर्यन ने लैपटॉप का उपयोग नई-नई फिल्में देखने के लिए किया, वहीं चंदन ने ज्ञान अर्जित करने के लिए। दूसरी कहानी है 'प्यार का चाबुक' जिसमें जानवरों पर होने वाले अत्याचार को दिखाया है। आदमी जानवरों को घर में पालकर, सामान ढोने ने के लिए इस्तेमाल कर और भी कई प्रकार से इस्तेमाल करता है। अगली कहानी है 'झुम्मन चाचा'। एक मस्त मौला और फक्कड़ इंसान। बीवी बच्चों और परिवार का कोई बंधन नहीं। नितांत अकेले, लेकिन मोहल्ले भर के बच्चे ही उनका परिवार थे, जिन्हें वह किस्से कहानियों के अलावा यथार्थ पर आधारित वैज्ञानिक और तथ्य पूर्ण कहानी भी सुनाया करते। अगली कहानी 'मूर्ख नगरी'। दुनिया एक तरफ बुद्धिमानी की कहानी से भरी है, तो दूसरी तरफ मूर्खतापूर्ण कृत्यों की दास्तान भी कहती है। पांचवी और आखिरी कहानी है 'हार नहीं मानूंगा' जो कहानी संग्रह का शीर्षक भी है। आज के समय में एक महत्वपूर्ण सीख देने वाली कहानी। यकीनन, अपने बच्चों को मोबाइल डेटा देने से बेहतर उनके हाथ में पुस्तक देना है। लेखन के साथ-साथ चित्रांकन भी संजीव जी का ही है। पेपर क्वॉलिटी खूब बढ़िया, जिसकी चिकनाई को बचपन में हम हाथ लगाकर महसूस करते थे। विविध मनमोहक चित्र बचपन की गलियों में ले चलते हैं और दादी-नानी, माता-पिता से सुनी कहानियों की रुपहली लड़ियां याद आ जाती हैं। संजीव मेरी निगाहों में वे एक बेहद संजीदा लेखक हैं, जो हर विषय पर अपनी लेखनी चलाते हैं। यह विविधता उनके भीतर छुपे एक अधीर और जिज्ञासु पाठक के भी दर्शन कराती है।

व्यंग्य

शरीफ दिखने की कवायद

आजकल की दुनिया में कोई भी पूरी तरह शरीफ नहीं है। लोग बहुत ज्यादा छुपा रुस्तम होते हैं, तो कोई थोड़े बहुत छुपे रूस्तम होते हैं। लोग ऊपर से अपने आप को केंचुआ दिखाते हैं, लेकिन अंदर से पूरी तरह करैत होते हैं। काट ले तो इंसान पानी भी न मांगे।

इंसान जितना ऊपर से दिखता है उतना ही जमीन में भी अंदर तक धंसा होता है। कब कौन सा रंग दिखा दे कहा नहीं जा सकता है। किसी की गारंटी तो बिल्कुल नहीं ले सकते हैं। आप इस दुनिया में एक ऐसा इंसान नहीं पा सकते हैं, जिसके अंदर चोरी ,बेईमानी और तीन-पांच नहीं भरा हुआ। जो बेईमानी, लोभ, लालच पर ज्ञान दे रहा है उसके कर्म चीखकर बता रहे हैं कि उसे खुद ज्ञान की जरूरत है। जिन अधिकारियों को सरकार क्राइम रोकने के लिए नियुक्त करती है। उनकी हरकतें रोकने के लिए खुद अधिकारियों की जरूरत है।

इसमें लोगों का दोष नहीं है। दुनिया ही ऐसी है। हर कोई मासूम ही पैदा होता है, लेकिन दुनिया उसे तिकड़मबाजी सिखा देती है। फिर जितना शरीफ होना जरूरी नहीं है, उतना शरीफ दिखना जरूरी है। असलियत अंदर से चाहे जितनी भी काली-पीली-नीली हो पर ऊपर से सफेद दिख रहा है, तो आपकी बल्ले-बल्ले है। आपकी क्वॉलिटी है। लोगों की हरकतें कुछ-कुछ ट्रंप जैसी होती है, लेकिन सभी में हिम्मत नहीं होती है कि वह पाकिस्तान के जैसे खुलेआम अपना असली रंग दिखा सके। कलेजा चाहिए पाकिस्तान के जैसे अपने बारे में सुनने के लिए।

रेखा शाह
बलिया

क्योंकि दुनिया में हर कोई पुतिन के जैसे इज्जत चाहता आदर चाहता है। हर कोई अपने मन में नेतन्याहू के जैसे दबंग होता है, लेकिन हरकत पाकिस्तान जैसा होता है। ऊपर से जिंदगी की अनेक ईरान के जैसे लाचारी भी होता है। आखिर इंसान करें तो क्या करें इंसान की करतूत भले ही जितनी भी काली रहे। जब तक छुपी हुई है तब तक वह महान आत्मा ही होता है। शरीफ होने का पैमाना भी बड़ा दिलचस्प होता है। अपने आपको शरीफ दिखाने का इमेज मैनेजमेंट जितना बड़ा होता है। आपके उतना ही बड़ा शरीफ होने के गुंजाइश रहती है और शरीफ दिखाने का कुछ नियम भी है। उनका पालन कर लिए तो आप शरीफ ही शरीफ है। नियम बस इतना है कि कभी अपना गुस्सा दूसरे को नहीं दिखा सकते। भले ही आपके अंदर ज्वालामुखी उबलता रहे। शराफत का तकाजा रहता है कि, जिसका मुंह तोड़ने का मन करे उसके सामने मुस्कुराए। जिस गलत बात पर किसी का हाथ-पैर तोड़ने का मन करे। उसे हाथ जोड़कर प्रणाम करने वाले ही असली शरीफ और संस्कारी आजकल माने जाते है। बाकी पीठ पीछे करने वाले एक्स्ट्रा होशियार माने जाते हैं। कभी-कभी तो इंसान इन नियमों का पालन करते-करते सच में शरीफ भी बन जाता है और उसे अपनी ओरिजिनल पहचान याद ही नहीं रहती है कि वह दो मुंहा सांप है।

यदि राजनीति में व्यक्ति है, तो शरीफ इमेज ही सब कुछ धन है। जब तक जनता में उसकी शराफत की पहचान बनी रहती है। तब तक उसके ऊपर जनता भरोसा बनाए रखती है। भले ही कैमरे के पीछे वह रावण हो, लेकिन कैमरे के सामने तो राम दिखना ही पड़ता है। कैमरे के सामने गरीब के घर भले ही खाना खा ले, लेकिन कैमरा बंद होते ही मिनरल वाटर से हाथ धोने वाले लोग ही असल ही सबसे शरीफ होते हैं, जो जितना अच्छा शराफत का अभिनय करता है। वह उतना बड़ा शरीफ होता है। घर हो या दफ्तर इसके जुबान पर चीनी और लहजे में मिठास रहती है। उसे शरीफ मान नहीं लिया जाता है। सोशल मीडिया पर अपने आप को शरीफ दिखाना बहुत ही आसान है। दो-चार अच्छे कोटस लगाया और किसी गरीब को कंबल वितरित किए का वीडियो डाला। लोग आपको शरीफ मान लेते हैं, तो शरीफ दिखाना इतना भी कठिन नहीं है।

स्त्री को देह से आगे देखने की आवश्यकता

समाज की प्रगति केवल इमारतों, तकनीक और आर्थिक विकास से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से भी तय होती है कि वह अपने नागरिकों, विशेषकर महिलाओं, को किस दृष्टि से देखता है। यदि किसी समाज में स्त्री को केवल उसके रूप, देह या पारंपरिक भूमिकाओं तक सीमित कर दिया जाए, तो वह समाज आधा सच देख रहा होता है। प्रस्तुत रचना इसी अधूरे और संकीर्ण दृष्टिकोण पर करारा प्रहार करती है। कवि यह प्रश्न उठाता है कि क्यों स्त्रियों की उपलब्धियों, उनके ज्ञान, श्रम, संघर्ष और आत्मबल को उतनी प्रमुखता नहीं मिलती, जितनी उनके बाहरी स्वरूप को मिलती है। यह प्रश्न केवल साहित्यिक नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना से जुड़ा हुआ प्रश्न है।

डॉ. प्रियंका सौरभ
लेखिका

आज जब दुनिया विज्ञान, तकनीक, शिक्षा और नेतृत्व के नए आयाम छू रही है, तब महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी क्षमता सिद्ध कर रही हैं। अंतरिक्ष में जाने वाली महिलाएं केवल अपने लिए नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए प्रेरणा बनती हैं। वे यह संदेश देती हैं कि आकाश की सीमा नहीं है। भारत सहित विश्व के अनेक देशों में महिला वैज्ञानिकों, अंतरिक्ष यात्रियों और शोधकर्ताओं ने ऐसे कार्य किए हैं, जिनसे आने वाली पीढ़ियों का मार्ग प्रशस्त हुआ है, लेकिन दुखद सत्य यह है कि उनकी उपलब्धियों की चर्चा अक्सर सीमित दायरों में रह जाती है, जबकि उनके व्यक्तित्व की सतही बातों को अधिक महत्व दिया जाता है।

कवि ने "मैथमेटिक्स पढ़ाती महिलाओं" का उल्लेख करके एक महत्वपूर्ण संकेत दिया है। गणित जैसे विषय को लंबे समय तक पुरुष प्रधान क्षेत्र माना जाता रहा। विज्ञान और गणित में महिलाओं की भागीदारी को कम आंका गया, जबकि इतिहास में अनेक महिलाओं ने गणित, भौतिकी, खगोलशास्त्र और चिकित्सा जैसे क्षेत्रों में अद्भुत योगदान दिया है। आज भी स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में हजारों महिला शिक्षिकाएं नई पीढ़ी को ज्ञान दे रही हैं। वे केवल पाठ्यक्रम नहीं पढ़ातीं, बल्कि आत्मविश्वास, अनुशासन और तर्कशीलता का संस्कार भी देती हैं। फिर भी समाज अक्सर उनके योगदान को सामान्य मानकर अनदेखा कर देता है।

सोशल मीडिया और चुनौतियां

आज सोशल मीडिया और विज्ञापन की दुनिया में स्त्री की छवि को लेकर अनेक चुनौतियां मौजूद हैं। अक्सर महिलाओं को आकर्षण की वस्तु बनाकर प्रस्तुत किया जाता है। उनकी योग्यता से अधिक उनके पहनावे, रूप-रंग और निजी जीवन पर चर्चा होती है। सार्वजनिक जीवन में सफल महिलाओं को भी कई बार उनकी उपलब्धियों से अधिक उनके बाहरी व्यक्तित्व के आधार पर आंका जाता है। यह प्रवृत्ति केवल मनोरंजन जगत तक सीमित नहीं है, बल्कि राजनीति, खेल, शिक्षा और कॉर्पोरेट जगत में भी दिखाई देती है। यह मानसिकता बदलने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं।

परिवार को पालती औरतें

इसी प्रकार "परिवार को पालती औरतों" का जिक्र इस रचना का अत्यंत संवेदनशील पक्ष है। घर चलाना, बच्चों का पालन-पोषण करना, बुजुर्गों की सेवा करना, आर्थिक जिम्मेदारियों में भागीदारी निभाना-ये सब ऐसे कार्य हैं, जिन्हें समाज लंबे समय तक स्वाभाविक मानता रहा और इन पर पर्याप्त चर्चा नहीं हुई। घर संभालने वाली महिला का श्रम अक्सर अदृश्य माना जाता है। यदि वही श्रम किसी संस्था या नौकरी के रूप में किया जाए, तो उसका मूल्य तय होता है, पर घर के भीतर किए गए श्रम को प्रेम और कर्तव्य कहकर सामान्य बना दिया जाता है। यह सोच बदलने की आवश्यकता है। परिवार की नींव को मजबूत रखने में महिलाओं की भूमिका केंद्रीय होती है और इसे सम्मानपूर्वक स्वीकार करना समय की मांग है।

रचना की सबसे प्रभावशाली बात यह है कि यह केवल शिकायत नहीं करती, बल्कि समाज को आईना दिखाती है। अंतिम पंक्ति-जो लोग स्त्री को केवल शरीर तक देखते हैं, वे अभागे हैं-बहुत गहरा अर्थ रखती है। यहां "अभागे" शब्द केवल आलोचना नहीं, बल्कि दया का भाव भी व्यक्त करता है। ऐसे लोग स्त्री के वास्तविक स्वरूप को समझने की क्षमता से वंचित हैं। वे उसकी संवेदना, बुद्धिमत्ता, सृजनशीलता, संघर्षशीलता और नेतृत्व क्षमता को नहीं देख पाते। वास्तव में वे स्त्री का नहीं, अपनी सोच का नुकसान करते हैं।

शिक्षा सबसे सशक्त माध्यम

शिक्षा इस बदलाव का सबसे सशक्त माध्यम है। यदि बचपन से लड़कों और लड़कियों दोनों को समानता, सम्मान और संवेदनशीलता का संस्कार दिया जाए, तो आने वाली पीढ़ियां अधिक न्यायपूर्ण समाज का निर्माण कर सकती हैं। स्कूलों में ऐसी कहानियां, उदाहरण और पाठ होने चाहिए जो महिलाओं की उपलब्धियों को सामने लाएं। बच्चों को यह बताया जाना चाहिए कि स्त्री केवल एक संबंध नहीं, बल्कि स्वतंत्र व्यक्तित्व है। उसकी पहचान उसके सपनों, परिश्रम और उपलब्धियों से बनती है।

मीडिया की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। समाचार, फिल्में, धारावाहिक और डिजिटल मंच समाज की सोच को प्रभावित करते हैं। यदि मीडिया महिलाओं को केवल परंपरागत भूमिकाओं या बाहरी आकर्षण तक सीमित दिखाएगा, तो समाज भी उसी दृष्टि को अपनाएगा। इसके विपरीत यदि महिला वैज्ञानिकों, शिक्षिकाओं, उद्यमियों, किसानों, खिलाड़ियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की कहानियों को प्रमुखता दी जाए, तो समाज की चेतना सकारात्मक दिशा में बढ़ेगी। आज आवश्यकता है कि प्रेरक महिला चरित्रों को अधिक स्थान मिले।

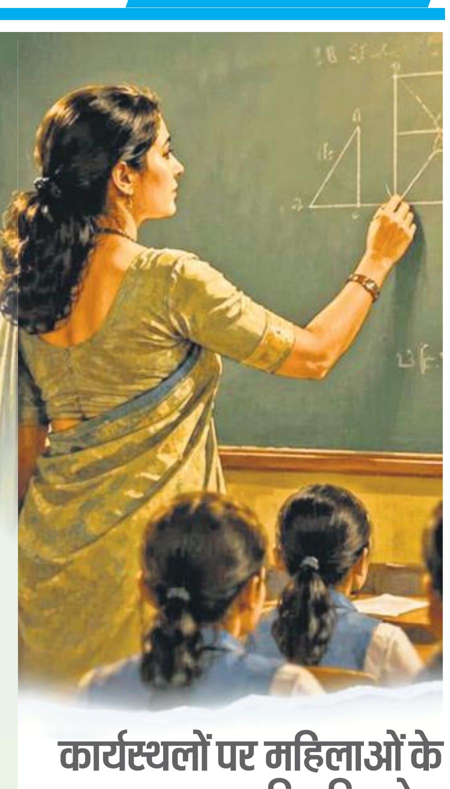

कार्यस्थलों पर महिलाओं के प्रति दृष्टिकोण

कार्यस्थलों पर भी महिलाओं के प्रति दृष्टिकोण में बदलाव जरूरी है। महिला कर्मचारी या अधिकारी को उसकी क्षमता, नेतृत्व और कार्यकुशलता के आधार पर सम्मान मिलना चाहिए, न कि उसके लिंग के आधार पर पूर्वाग्रहों से देखा जाए। समान वेतन, सुरक्षित वातावरण और अवसरों की समानता केवल नीतिगत विषय नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय के मूल तत्व हैं। जब महिलाएं बिना भेदभाव के काम कर पाएंगी, तभी समाज अपनी पूर्ण क्षमता तक पहुंच सकेगा।

परिवार स्तर पर भी बदलाव की आवश्यकता

परिवार स्तर पर भी बदलाव की आवश्यकता है। अक्सर बेटियों को सीमाओं और बेटों को स्वतंत्रता के साथ पाला जाता है। यह अंतर बचपन से ही असमानता को जन्म देता है। यदि परिवार बेटियों को भी सपने देखने, निर्णय लेने और आगे बढ़ने का समान अवसर दें, तो समाज में वास्तविक परिवर्तन संभव है। साथ ही बेटों को भी यह सिखाया जाना चाहिए कि सम्मान, साझेदारी और संवेदना ही मजबूत रिश्तों की नींव हैं।

यह रचना हमें यह भी समझाती है कि स्त्री का सम्मान केवल नारों से नहीं होगा। महिला दिवस पर शुभकामनाएं देना पर्याप्त नहीं, यदि रोजमर्रा के व्यवहार में भेदभाव बना रहे। सम्मान का अर्थ है-उसकी बात सुनना, उसकी मेहनत को स्वीकार करना, उसके निर्णयों का आदर करना और उसे स्वतंत्र व्यक्तित्व के रूप में स्वीकार करना। यह बदलाव भाषा, व्यवहार, सोच और व्यवस्था-चारों स्तरों पर होना चाहिए। इतिहास गवाह है कि जब-जब महिलाओं को अवसर मिले हैं, उन्होंने असाधारण उपलब्धियां हासिल की हैं। राजनीति से विज्ञान तक, साहित्य से खेल तक, शिक्षा से उद्यमिता तक-हर क्षेत्र में महिलाओं ने नई ऊंचाइयां छुई हैं। इसलिए यह कहना कि स्त्री किसी क्षेत्र में कमतर है, केवल पूर्वाग्रह है, सत्य नहीं। समाज को चाहिए कि वह महिलाओं को प्रेरणा, नेतृत्व और परिवर्तन की शक्ति के रूप में देखे। रचना की शक्ति इसी में है कि वह सरल शब्दों में गहरी बात कहती है। यह कविता केवल स्त्री की प्रशंसा नहीं करती, बल्कि समाज से प्रश्न पूछती है-क्या हम अब भी स्त्री को आधा देखकर संतुष्ट हैं? क्या हम उसकी उपलब्धियों को स्वीकार करने के लिए तैयार हैं? क्या हम उसे बराबरी की दृष्टि से देखने का साहस रखते हैं? ये प्रश्न हर व्यक्ति के सामने खड़े हैं। समय आ गया है कि हम स्त्री को देह से आगे देखें-विचार के रूप में, संघर्ष के रूप में, सृजन के रूप में, नेतृत्व के रूप में और पूर्ण मनुष्य के रूप में। जब समाज यह दृष्टि अपनाएगा, तभी वास्तविक समानता संभव होगी। स्त्री को सीमित देखने वाली मानसिकता जितनी जल्दी बदलेगी, उतनी जल्दी समाज भी आगे बढ़ेगा। क्योंकि स्त्री को सम्मान देना केवल महिला अधिकारों का विषय नहीं, बल्कि सभ्यता की परिपक्वता का प्रमाण है।

गर्मी की छुट्टियों में बच्चों को क्रिएटिविटी से दें नई उड़ान

गर्मी की छुट्टियां बच्चों के लिए साल का सबसे खुशहाल और मुक्त समय होती हैं, जब वे स्कूल के दबाव से दूर अपनी रुचियों को खुलकर जी सकते हैं। यह समय केवल खेल-कूद या आराम तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे बच्चों के समग्र विकास का सुनहरा अवसर माना जाना चाहिए। यदि सही दिशा और मार्गदर्शन मिले, तो बच्चे नई-नई स्किल्स सीखकर न केवल अपने ज्ञान को बढ़ा सकते हैं, बल्कि आत्मविश्वास, रचनात्मकता और व्यक्तित्व में भी सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। ऐसे में अभिभावकों की भूमिका बेहद अहम हो जाती है कि वे बच्चों को सही गतिविधियों की ओर प्रेरित करें।

गर्मी की छुट्टियों में बच्चों की कम्युनिकेशन स्किल्स को मजबूत करने पर विशेष ध्यान देना चाहिए। यह स्किल उनके पूरे जीवन में काम आती है। इसके लिए बच्चों को स्टोरीटेलिंग, पब्लिक स्पीकिंग, डिबेट या ग्रुप डिस्कशन जैसी गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। जब बच्चे अपनी बात खुलकर रखते हैं, तो उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वे अपनी सोच को बेहतर ढंग से व्यक्त करना सीखते हैं। इसके अलावा, उन्हें रोजाना कुछ नया पढ़ने और सुनाने की आदत डालना भी लाभकारी होता है।

- **डिजिटल लर्निंग भी जरूरी-** आज का दौर डिजिटल युग है, इसलिए बच्चों को तकनीक से परिचित कराना बेहद जरूरी है। छुट्टियों के दौरान उन्हें बेसिक कंप्यूटर स्किल्स, टाइपिंग, कोडिंग या ग्राफिक डिजाइनिंग जैसी चीजें सिखाई जा सकती हैं। इससे वे तकनीक का सही और सुरक्षित उपयोग करना सीखते हैं। कई ऑनलाइन प्लेटफॉर्म ऐसे हैं, जो बच्चों के लिए आसान और रोचक तरीके से डिजिटल स्किल्स सिखाते हैं। हालांकि यह ध्यान रखना जरूरी है कि स्क्रीन टाइम सीमित रहे और बच्चे केवल सीखने के उद्देश्य से ही तकनीक का उपयोग करें।
- **क्रिएटिव स्किल्स को करें मजबूत-** बच्चों की रचनात्मकता को बढ़ाने के लिए छुट्टियां सबसे उपयुक्त समय होती हैं। पेंटिंग, ड्राइंग, म्यूजिक, डांस, क्राफ्ट या कहानी लेखन जैसी गतिविधियां बच्चों को अपनी भावनाएं व्यक्त करने का अवसर देती हैं। इससे उनकी कल्पनाशक्ति विकसित होती है और वे नई चीजें सोचने लगते हैं। अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों के प्रयासों की सराहना करें और उन्हें स्वतंत्र रूप से कुछ नया करने के लिए प्रोत्साहित करें।

लाइफ स्किल्स से होगा व्यक्तित्व विकास

लाइफ स्किल्स बच्चों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। छुट्टियों में बच्चों को समय प्रबंधन, साफ-सफाई, अपनी चीजों को व्यवस्थित रखना और छोटी-छोटी जिम्मेदारियां निभाना सिखाना चाहिए। इसके अलावा, उन्हें बेसिक कुकिंग या घर के छोटे कामों में शामिल करना भी फायदेमंद होता है। इससे बच्चों में आत्मनिर्भरता आती है और वे जिम्मेदार बनते हैं।

फिजिकल एक्टिविटी को न करें नजरअंदाज

शारीरिक गतिविधियां बच्चों के स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी हैं। गर्मी की छुट्टियों में उन्हें स्विमिंग, योग, साइक्लिंग, रनिंग या किसी खेल में भाग लेने के लिए प्रेरित करना चाहिए। इससे उनकी फिटनेस बनी रहती है और वे टीमवर्क, अनुशासन और धैर्य जैसे गुण भी सीखते हैं। नियमित फिजिकल एक्टिविटी बच्चों को मानसिक रूप से भी तरोताजा रखती है।

रुचि के अनुसार चुनने दें स्किल

विशेषज्ञों का मानना है कि बच्चों पर किसी स्किल को थोपना सही नहीं है। उन्हें उनकी रुचि के अनुसार गतिविधि चुनने की आजादी देनी चाहिए, ताकि वे उसे आनंद के साथ सीख सकें। जब बच्चे अपनी पसंद का काम करते हैं, तो वे उसमें ज्यादा रुचि लेते हैं और बेहतर प्रदर्शन करते हैं। साथ ही, अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों के स्क्रीन टाइम को सीमित रखें और उन्हें आउटडोर गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित करें, ताकि उनका शारीरिक और मानसिक विकास संतुलित रूप से हो सके।

खाना खजाना

दही टिक्की

आपने आलू, कच्चे केले या वेजिटेबल टिक्की तो जरूर खाई होगी, लेकिन क्या आपने कभी दही टिक्की का स्वाद चखा है? आज हम आपको एक ऐसी खास रेसिपी से परिचित करा रहे हैं, जो बनाने में बेहद आसान और खाने में लाजवाब है। यह दही टिक्की खासतौर पर उन लोगों के लिए उपयुक्त है, जो आलू, प्याज या हरी सब्जियां पसंद नहीं करते। इसमें हरा धनिया या मिर्च डालने की भी आवश्यकता नहीं होती। आप चाहें तो इसमें केवल नमक, पीसी हुई इलायची और थोड़ा-सा केसर मिलाकर भी इसे शानदार स्वाद दे सकते हैं।

सामग्री

- बंधा हुआ दही
- केसर
- पीसी हुई इलायची
- नमक
- हरा धनिया
- हरी मिर्च
- अदरक
- प्याज

चंद्रकला मेहता
फूड ब्लॉगर

खासियत : इस टिक्की की सबसे बड़ी खासियत इसकी नरमी है। यह इतनी सॉफ्ट होती है कि मुंह में जाते ही घुल जाती है, जिससे इसे बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक सभी आसानी से खा सकते हैं। कम सामग्री में बनने वाली यह दही टिक्की स्वाद और सरलता का बेहतरीन मेल है, जो हर किसी को जरूर पसंद आएगी।

बनाने की विधि

दही टिक्की एक बेहद मुलायम, स्वादिष्ट और अलग तरह की रेसिपी है, जिसे कम सामग्री में आसानी से तैयार किया जा सकता है। इसकी खासियत यह है कि यह मुंह में जाते ही घुल जाती है और बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी को पसंद आती है। सबसे पहले ताजा दही को एक साफ मलमल के कपड़े में बांधकर 6-7 घंटे के लिए टांग दें, ताकि उसका सारा पानी निकल जाए और गाढ़ा दही (हंग कर्ड) तैयार हो जाए। इसके बाद इस गाढ़े दही को एक प्लेट में निकाल लें। अब इसमें बारीक कटी हुई हरी मिर्च, बारीक कटा हरा धनिया, स्वादानुसार नमक, थोड़ा-सा इलायची पाउडर और केसर डालकर अच्छे से मिक्स करें। (यदि आप चाहें तो अदरक और प्याज भी मिला सकते हैं, लेकिन बिना इनके भी यह टिक्की बहुत स्वादिष्ट बनती है।) अब इस मिश्रण को चम्मच की सहायता से थोड़ा-थोड़ा लेकर हाथ से गोल या चपटी टिक्की का आकार दें। तैयार टिक्कियों को ब्रेड क्रम्ब्स में लपेटकर एक प्लेट में रखें। सभी टिक्कियां इसी तरह तैयार कर लें। इसके बाद इन्हें 2-3 घंटे के लिए फ्रिज में रख दें, ताकि टिक्कियां सेट हो जाएं। जब टिक्की बनानी हो, तब फ्रिज से निकालकर नॉन-स्टिक तवे पर थोड़ा घी गर्म करें और मध्यम आंच पर टिक्कियों को दोनों तरफ से सुनहरा होने तक सेकें। ध्यान रखें कि आंच तेज न हो, वरना टिक्की जल सकती है। गरमा-गरम दही टिक्की को इमली, धनिया या पुदीना-दही की चटनी के साथ परोसें। यह रेसिपी खास मेहमानों के लिए भी एक बेहतरीन विकल्प है।

न्यूज ब्रीफ

बाजार में मिर्च जलाई धांस लगने से परेशानी

दुनका, अमृत विचार : सड़ी मिर्च के ढेर में संदिग्ध व्यक्ति ने लगाई आग से हवा में मिर्च की धांस आने पर नई बस्ती के लोगों को सांस लेने की दिक्कत हुई। इस परेशानी के बाद दर्जन भर से अधिक लोग पुलिस चौकी पहुंचे। पुलिस ने मिर्च मलिक को बुलाकर आग बुझाई। शाही थाना क्षेत्र के गांव दुनका में बकानिया मार्ग पर हरीश राठौर अन्य ने मिर्च हल्दी धनिया पीसने की चक्की लगा रखी है। शनिवार रात लगभग 9:00 बजे संदिग्ध व्यक्ति ने कूड़े के ढेर में आग लगा दी इसके बाद मिर्च के जलने पर धुंए के साथ हवा में धांस फैल गई और बच्चों सहित बुजुर्ग महिलाओं का खांसते खांसते बुरा हाल हो गया।

मासूम से दुष्कर्म के दोषी को 5 साल की कैद

बरेली, विधि संवाददाता : विशेष पॉक्सो एक्ट कोर्ट-2 के न्यायाधीश नरेंद्र प्रकाश ने 5 वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी रवि को दोषी करार देते हुए 5 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर 10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। मामला मार्च 2023 का है, जब बारादरी क्षेत्र की रहने वाली बच्ची दुकान पर सामान लेने गई थी, तब आरोपी ने उसके साथ दरिंदगी की थी।

बाइक में मारी टक्कर दो जख्मी

बिशारतगंज, अमृत विचार : शनिवार सुबह अलीगंज-रम्पुरा मार्ग पर पेट्रोल पंप के पास सड़क हादसे में दो बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए मौके पर पहुंच कर पुलिस ने दोनों घायल युवकों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मझगवां भिजवाया जहां हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टर ने बरेली के जिला अस्पताल रैफर कर दिया।

व्यापारी नेता सुरेन्द्र गुप्ता का निधन

सेंथल, अमृत विचार : व्यापार मंडल के पदाधिकारी सुरेंद्र कुमार गुप्ता का शुक्रवार रात निधन हो गया है। उनके निधन की खबर से कस्बे में शोक की लहर दौड़ गई। वह पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे। उनके निधन पर व्यापारियों ने अपनी दुकानें बंद कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

सीएचसी में युवक पर हमला, केस दर्ज

नवाबगंज, अमृत विचार : सीएचसी परिसर में एक युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। घायल दोस्त का हालचाल लेने पहुंचे युवक पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन आरोपी फरार हो गए।मामले में नामजद मुकदमा दर्ज कर लिया गया है

281 शिकायतें दर्ज, अवैध कब्जों पर करें सख्ती

मीरगंज में समाधान दिवस में एडीओ और थाना प्रभारी रहे गैरहाजिर ,एडीएम वित्त ने मांगा स्पष्टीकरण

संवाददाता,नवाबगंज

अमृत विचार: तहसील परिसर में जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की भारी भीड़ उमड़ी। यहां 281 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 7 का मौके पर निस्तारण करने दावा किया गया।

कार्यक्रम के दौरान चक मार्गों पर अवैध कब्जों की अधिक शिकायतें सामने आने पर डीएम ने तहसीलदार और कोतवाल को ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई करते हुए दोषियों को जेल भेजने के निर्देश दिए। ग्राम ज्योरा मकरंदपुर के पूर्व प्रधान सूरज पाल यादव ने पट्टे की भूमि (गाटा संख्या 16) में रकबा बढ़ाने का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई। डीएम ने एसडीएम निधि शुक्ला को जांच के निर्देश दिए।

ग्राम दियोरनियां जागीर निवासी बुनंदन ने एसपी उत्तरी मुकेश चन्द्र मिश्रा को दुर्घटना मामले में रंजिशन उनकी कंबाइन का नंबर दर्ज कराने का आरोप लगाया। इस पर कोतवाल को निष्पक्ष जांच के निर्देश दिए गए।

भाकियू के जिला प्रभारी चंद्र प्रकाश गंगवार के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने गन्ना भुगतान, नगर में शौचालय निर्माण और नए पुल के पास सड़क में गड्ढों की समस्या को लेकर ज्ञापन सौंपा। अधिवक्ता उपेन्द्र पाल सिंह ने लाईखेड़ा संपर्क मार्ग की खराब स्थिति को लेकर पूर्व में की गई शिकायत के फर्जी निस्तारण का मामला उठाया। डीएम ने शिकायत सही पाए जाने पर संबधित कर्मचारी को फटकार लगाते हुए एक सप्ताह में सड़क दुरुस्त कराने के निर्देश दिये। कार्यक्रम में सीएमओ डॉ. विश्राम सिंह, तहसीलदार दुष्यन्त प्रताप सिंह, नायब तहसीलदार शोभित चौधरी समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान

दिल की बीमारी के ऑपरेशन के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष से आर्थिक सहायता प्राप्त करने वाली नवाबगंज के दियोरानियां परसादी लाल के रहने वाले भजन लाल की 15 वर्षीय पुत्री हर्षिता ने डीएम को स्वयं का बनाया चित्र और पुष्पगुच्छ भेंट कर आभार व्यक्त किया।

● नवाबगंज में जनता की फरियाद सुनते डीएम अविनाश सिंह। अमृत विचार

साहब रिश्तेदार ने बेटे को कुवैत भेज दिया अब बेटे की खैरखबर नहीं मिली रही

आंवला, अमृत विचार : तहसील सभागार में शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की समस्याएं सुनी गईं। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसडीएम विदुषी सिंह ने की। इस दौरान राजस्व, पुलिस समेत विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 67 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से 8 मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। संपूर्ण समाधान दिवस में ग्राम शहबाजपुर थाना सिरौली निवासी महबूब बेग ने शिकायत करते हुए बताया कि उनका बेटा अदनान बेग मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करता है। आरोप है कि ग्राम गुलड़, ग्राम मुतलकपुर थाना आंवला निवासी रिश्तेदारी के एक युवक ने उनके बेटे को कुवैत भेजने के एवज में एक लाख 20 हजार रुपये अपनी बहन के खाते में जमा करा लिए। 26 सितंबर 2025 को उसके बेटे को कुवैत भेज दिया गया, लेकिन वहां से आज तक न तो कोई पैसा मिला और न ही उसे वापस गांव भेजा गया। पीड़ित ने मामले में कार्रवाई की मांग की है। ग्राम महमूदपुर निवासी मोनिश ने शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि विपक्षी आए दिन उनके घर पर ईंट-पत्थर फेंकते हैं और महिलाओं पर अभद्र टिप्पणियां करते हैं। आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

मीरगंज में राजस्व के 12 मामले आए

मीरगंज, अमृत विचार : तहसील में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। संतोष कुमार सिंह अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) एवं एसडीएम आलोक कुमार की अध्यक्षता में हुए इस कार्यक्रम में कुल 37 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से 3 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया ।शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को सौंपते हुए उनके त्वरित समाधान के निर्देश दिए गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, राजस्व विभाग से सर्वाधिक 12 शिकायतें दर्ज की गईं। गृह विभाग से 10, पूर्ति विभाग से 7, विद्युत विभाग से 6, ग्राम विकास विभाग से 1 और जल विभाग से भी 1 शिकायत मिली। समाधान दिवस में फतेहगंज पश्चिमी और शेरगढ़ के एडीओ सहकारिता अनुपस्थित रहे। इस पर एडीएम वित्त ने नाराजगी व्यक्त करते हुए स्पष्टीकरण मांगा है। तहसील क्षेत्र के थानों से कोई भी थाना प्रभारी उपस्थित नहीं हुआ, केवल उपनिरीक्षक प्रतिनिधि के रूप में आए थे। इस पर भी नाराजगी जाहिर की और स्पष्टीकरण तलब किया है।

घुटनों के बल चलकर भाकियू ने सौंपा ज्ञापन

मीरगंज, अमृत विचार : शनिवार को भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) ने विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर शिकायतें लेकर तहसील दिवस में घुटनों के बल चलकर पहुंचे। उन्होंने एसडीएम आलोक कुमार को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में भाकियू (टिकैत) ने आरोप लगाया है कि पुलिस की मिलीभगत से बंदी के दौरान भी देशी शराब की बिक्री हो रही है, ग्राम पंचायत बगरऊ में तालाब पर अवैध कब्जे की शिकायत करने वाले कार्यकर्ता पर दबाव बनाने के लिए फर्जी मुकदमा दर्ज करने का मामला भी सामने आया है। अवैध खनन से सड़कों की खराब स्थिति भी किसानों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। बिजली और कृषि से जुड़े मुद्दों में स्मार्ट मीटरों को हटाने की मांग के साथ-साथ गेहूं क्रय केंद्रों पर बारदाने के नाम पर किसानों को लौटाए जाने की शिकायत भी प्रमुख रही। हल्दी गांव में खेत के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन को हटाने की मांग भी उठाई गई ।इस दौरान तहसील अध्यक्ष चौधरी सुधीर बालियान, मदन लाल गंगवार, विशाल पाल, जिला अध्यक्ष सोमवीर सिंह और हरवीर सिंह सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ट्राली की टक्कर से बाइक सवार घायल

मऊचन्दपुर अमृत विचार । रामनगर में एक सड़क हादसे में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना रामनगर में हुई, जब एक ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक को टक्कर मार दी।

घायलों की पहचान थाना सिरौली क्षेत्र के गांव पृथ्वीपुर मजरा पट्टी निवासी छोटू उर्फ शिवनेश और सरोज पत्नी संजीव के रूप में हुई है। वे अपनी बाइक से रामनगर की तरफ से आ रहे थे। गुलडिया रोड पर जैन मंदिर के पास, रामनगर क्षेत्र की तरफ से आ रही एक ट्रैक्टर-ट्रॉली ने तेज गति और लापरवाही से चलाते हुए उनकी बाइक को टक्कर मार दी। बाइक सवार शिवनेश और सरोज दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

न्यायालय श्री न्यायिक मजिस्ट्रेट महोदय बीसलपुर पीलीभीत
वाद सं. टी-202412560213718 सन् 2025
रामबेटी बनाम ओमकार आदि धारा : 116 यू.पी. आर.सी. राजस्व ग्राम : करखेड़ा परगना व तहसील बीसलपुर (पीलीभीत) सम्मन तलबाना 01. ओमकार पुत्र सियाराम निवासी ग्राम गझाड़ा तहसील बीसलपुर जिला पीलीभीत 02. श्रीमती रामबेटी पत्नी जमुना प्रसाद 03. सर्वेश कुमार 04. दिलीप कुमार 05. मुकेश कुमार पुत्रगण जमुना प्रसाद निवासीगण मो. 50 छत्रपति शिवाजी कालोनी नौगवां पड़िया परगना व तहसील व जिला पीलीभीत 06. भगवानदास पुत्र सियाराम नि. ग्राम गंगापुर परगना व तह. फरीदपुर जिला बरेली। 07. लक्ष्मन प्रसाद पुत्र मूलचन्द्र नि. ग्राम करखेड़ा परगना व तह. बीसलपुर (पीलीभीत) 08. शान्ती स्वरूप पुत्र सियाराम नि. ग्राम ढुक्सी परगना व तह. बीसलपुर (पीलीभीत)
प्रतिवादीगण वाजै हो आपके खिलाफ नालिश दफा अन्तर्गत धारा 116 यू.पी.आर. संहिता ग्राम करखेड़ा परगना व तहसील बीसलपुर जनपद पीलीभीत दायर की है। अत: आप व तारीख 11 माह 05 सन् 2026 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या अन्य कोई शख्स जो वाकिफ हाल मुकदमा को उक्त तारीख पर अपना जवाब पेश करो यह आपको लाजिम है कि उसी रोड अपने जुमला गवाहों की व नीज दस्तावेज जिसकी शहादत पर आप व ताईद अपना जवाबदेही इस्तदमाल करना चाहते हो पेश करो अगर बरोज मजकूर हाजिर न होंगे तो उसकी समात आपकी गैर हाजिरी में आपके मसमूअ फैसला होगा। दिनांक : 29.04.2026 मेरे दस्तखत व मोहर अदालत से जारी किया गया।
न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट बीसलपुर पीलीभीत

ता. पेशी 05.05.2026
न्यायालय एसडीएम स्थान गोला जिला खीरी सन् 2026
मकसूद आदि बनाम गांव सभा प्रतिवादी चूंकि उपरोक्त नामांकित इसहाक पुत्र लियाकत ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि इसहाक, निजामुद्दीन, अशफाक पुत्र लियाकत और तबस्सुम पुत्री लियाकत निवासी लखहा अलीगंज परगना भूड़ अतएव आपको एतद्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्शित करने के लिए 05.05.2026 को स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हो और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा व अवधारित किया जायेगा।
मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर सहित आज 20.04.2026 को निकाली गयी।
न्यायाधीश

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि फर्म मैसर्स कैपिटल राईस इण्डसट्रीस पता ग्राम मुंडिया धौरा टाण्डा बरेली उत्तर प्रदेश 243202 जिसकी पंजीकरण सं. BAR/0014126 में दिनांक 08.10.2025 को साझेदार मोहम्मद सलीम पुत्र श्री आमिर स्वेच्छा से सेवानिवृत्ति हो गये। सेवानिवृत्त के पश्चात श्री मोहम्मद सलीम का फर्म पर व फर्म का श्री मोहम्मद सलीम पर कोई शेष बकाया नहीं है, वर्तमान में उपरोक्त फर्म में कुल पांच साझेदार कमश: 1-ईईस अहमद 2- अब्दुल मतीन 3- जुबैर अहमद 4- अब्दुल मलिक 5- श्रीमती आरजू खानम है। एतदद्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त के सम्बन्ध में मेरे द्वारा समस्त विधिक औपचारिकताऐं मेरे द्वारा पूर्ण कर ली गई है।
रईस अहमद - साझेदार
फर्म मैसर्स कैपिटल राईस इण्डसट्रीस
पता ग्राम मुंडिया धौरा टाण्डा बरेली
उत्तर प्रदेश 243202
जिसकी पंजीकरण सं. BAR/0014126

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि फर्म मैसर्स के.एस.एग्रो फूडस पता ग्राम टाण्डा सादत पी.ओ. सेंथल, नवाबगंज जिला बरेली जिसकी पंजीकरण सं. BAR/0015757 में दिनांक 01.04.2026 को अन्य साझेदारों की सहमति व स्वेच्छा से श्री कबीर अहमद पुत्र श्री इस्माईल व श्री हर्षित अग्रवाल पुत्र श्री संजय अग्रवाल को नया साझेदार बनाया गया व दिनांक 01.04.2026 को साझेदार श्री इस्माईल पुत्र श्री इसराईल स्वेच्छा से सेवानिवृत्त हो गये। सेवानिवृत्ति के पश्चात श्री इस्माईल का फर्म पर व फर्म का श्री इस्माईल पर कोई बकाया नहीं है। वर्तमान में उपरोक्त फर्म में कुल सात साझेदार क्रमश: 1. श्री इब्राहिम 2. श्री अफजाल अहमद 3. श्री फिरोज अहमद 4. श्री बाबू 5. श्री अब्दुल सत्तार 6. श्री कबीर अहमद 7. श्री हर्षित अग्रवाल है। एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त के सम्बन्ध में मेरे द्वारा समस्त विधिक औपचारिकतायें पूर्ण कर ली गयी है।
इब्राहिम - साझेदार
फर्म मैसर्स के.एस.एग्रो फूडस
पता : ग्राम टाण्डा सादत पी.ओ. सेंथल,
नवाबगंज जिला बरेली
जिसकी पंजीकरण सं. BAR/0015757

पेड़ से टकराकर पलटी ट्राली चालक की मौत

संवाददाता, भमोरा

अमृत विचार : बदायूं के मूसाझाग क्षेत्र में शुक्रवार देर रात हुए सड़क हादसे में भमोरा के एक ट्रैक्टर चालक की मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

मृतक रमेश

थाना क्षेत्र के गांव भमोरा निवासी सतपाल यादव ने बताया कि उनका बड़ा बेटा रमेश ट्रैक्टर-ट्रॉली चलाकर परिवार का भरण-पोषण करता था। शुक्रवार शाम वह खाली ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर बदायूं गया था, जहां से सरसों की बोरियां भरकर रात करीब 10 बजे बहराइच के लिए रवाना हुआ। देर रात करीब 11:30 बजे मूसाझाग थाना क्षेत्र के समीप अचानक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रैक्टर खाई में पलट गया और चालक रमेश उसके नीचे दब गया,हादसा देख राहगीरों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से काफी मशक्कत के बाद रमेश को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।शनिवार दोपहर पोस्टमार्टम के बाद जैसे ही शव गांव भमोरा पहुंचा, परिजनों में चीख-पुकार मच गई। मृतक की पत्नी संतोष देवी, तीन बेटियां और दो बेटे हैं। परिवार का मुख्य सहारा छिन जाने से घर में गहरा मातम छाया है।

फरीदपुर पूर्व पालिका अध्यक्ष का निधन

फरीदपुर, अमृत विचार: पूर्व पालिका अध्यक्ष एवं भाजपा नेता हरिओम गुप्ता का हृदय गति रुक जाने से अचानक निधन हो गया। उनके यूँ अचानक चले जाने की खबर फैलते ही पूरे नगर में शोक की लहर दौड़ गई। हरिओम गुप्ता की पत्नी माया गुप्ता और पुत्रवधू पूनम गुप्ता भी पालिका अध्यक्ष रह चुकी हैं। एक ही परिवार के तीन-तीन सदस्यों ने नगर सेवा की मिसाल पेश की और कई ऐतिहासिक कार्य किये। उनके अंतिम संस्कार में एमएलसी कुंवर महाराज सिंह जिलाध्यक्ष आदेश प्रताप सिंह,पूर्व सांसद धर्मेन्द्र कश्यप, ईशान ग्वाल,के अलावा कई भाजपा नेता व नगर के वरिष्ठ नागरिकोंआदि लोग मौजूद रहे।

घरेलू कलह में दो लोगों ने दी जान

संवाददाता, मानपुर

- मृतक के भाई ने भाभी पर ही लगाया जहर देकर हत्या करने का आरोप
- दूसरे मामले में युवक ने ससुराल में जाकर जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली

अमृत विचार : दो अलग अलग गाँवो में दंपति में कहासुनी के बाद दो लोगों ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। इनमें से एक ने अपनी ससुराल में पहुंचकर जहर खाया तो दूसरे व्यक्ति ने अपने घर में ही जहरीला पदार्थ खा लिया। एक मृतक के भाई ने मृतक की पत्नी पर ही जहर देकर हत्या करने का आरोप लगाया है। जिसमें पुलिस ने जांच की बात कहकर दोनों के शव का पंचनामा भर कर शव पीएम को भेज दिए।

ग्राम पंडरी निवासी मृतक रूप किशोर पुत्र नेमचंद (35) के बड़े भाई सुरेन्द्र ने आरोप लगाया है कि रूप किशोर का शुक्रवार की रात में पत्नी से झगड़ा हो गया था। दोनों के कमरे से काफी देर तक आवाज आती रहीं जिसे मोहल्ले वालों ने भी सुनी थी। अक्सर ऐसा हो जाता था इसलिए लोगों ने भी समझ लिया कि पति पत्नी में लड़ाई हो रही है। इसी तैश में आकर उसकी पत्नी ने खाने में जहरीला पदार्थ खिलाकर अपने ही पति की हत्या कर दी है।

उन्होंने बताया कि मृतक गाँव में कम्पाईन मशीन चलाता था। मृतक अपने परिवार के साथ गाँव में अलग रहता था। जबकि मृतक का भाई सुरेंद्र रुद्रपुर में काम करता है। जानकारी होने पर ही गाँव आया था ।

दूसरा मृतक छेदालाल पुत्र झुण्डे लाल(35) ग्राम इटउआ शरीफ नगर थाना देवरनिया का निवासी है जिसने अपनी ससुराल ग्राम सराय थाना शीशगढ़ में जहरीला पदार्थ खाकर आत्म हत्या कर ली। मामले में पुलिस ने बताया कि मृतक शराब व जुआ खेलने का आदि था। जिस पर गाँव में लोगों का लाखों रुपए का कर्जा था। इससे परेशान पत्नी दो दिन पहले मायके आ गईं थी। पत्नी के मायके जाने से परेशान छेदालाल शुक्रवार को जहरीला पदार्थ खाकर अपनी ससुराल पहुंचा जहाँ उसकी मौत हो गईं।

इंस्पेक्टर जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि पत्नी पर जहरीला पदार्थ खिला कर हत्या करने के आरोप की जाँच की जाएगी।

11 को केसर मिल गेट पर धरना देगी भाकियू

बहेड़ी में एसडीएम को ज्ञापन देकर बाहर आते भाकियू पदाधिकारी। ● अमृत विचार

बहेड़ी,अमृत विचार : केसर मिल से गन्ना मूल्य भुगतान की मांग को लेकर भारतीय किसान यूनियन 11 मई को मिल गेट पर धरना देगी।भाकियू धरना स्थल पर ही किसानों के बीच आंदोलन की अगली रणनीति भी बनाएगी। भाकियू नेताओं ने एसडीएम को ज्ञापन देकर अवगत करा दिया है।

भाकियू की आज गन्ना समिति परिसर में हुई पंचायत में केसर मिल से गन्ना मूल्य न मिलने पर चर्चा हुई। नेताओं का कहना था कि केसर मिल प्रबंधन ने गन्ना मूल्य भुगतान को लेकर कई बार आश्वासन दिया, लेकिन किसी पर अमल नहीं किया। पंचायत में तय हुआ कि गन्ना मूल्य को लेकर किसानों को सड़क पर उतरना होगा। आंदोलन के पहले चरण में 11 मई को मिल गेट पर विशाल धरना देने का कार्यक्रम तय हुआ। किसान यहाँ से जुलूस की शक्ल में तहसील पहुंचे, जहां एसडीएम को ज्ञापन दिया। इस दौरान तहसील अध्यक्ष राजेश गुप्ता, जगत सिंह, धीरेंद्र राठी, यामीन मलिक, करीम सैफी, राशिद खान, उमाशंकर, रामस्वरूप सागर, मुन्ना लाल, रहीब खान, अनिल दुबे, आदि रहे।

अग्निपीड़ितों को न्याय दिलाएगी सपा

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार: नवाबगंज में 18 अप्रैल को अवैध वर्कशॉप में गैस रिफिलिंग के दौरान हुए भीषण हादसे में चार किशोरों की मौत के बाद समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष शुभलेश यादव सांत्वना देने मृतकों के घर पहुंचे

2 मई को पीलीभीत से चली समाजवादी पार्टी की 'सिख सामाजिक न्याय यात्रा' नवाबगंज पहुंची, जहां नेताओं ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उन्हें न्याय दिलाने का आश्वासन दिया।

इसके बाद सपा नेता यासीन नगर पहुंचे और अग्निकांड में जान गंवाने वाले किशोरों के परिजनों से मिलकर संवेदना व्यक्त की।

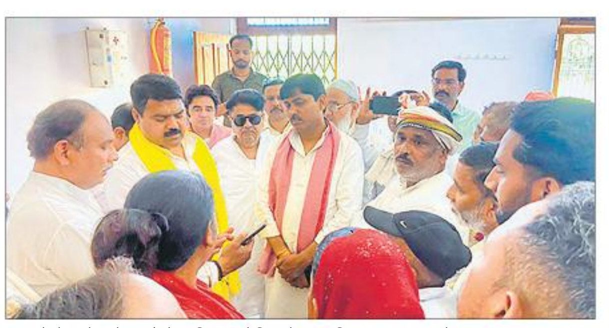

हादसे में मारे गये बच्चों के परिजन सेमिलते सपा जिलाध्यक्ष शुभलेश यादव ।

उन्होंने पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने के लिए जिला प्रशासन से लेकर पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व तक मामला उठाने और हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।

यात्रा का नेतृत्व सपा के राष्ट्रीय सचिव कुलदीप सिंह भुल्लर ने किया। यहां सपा जिलाध्यक्ष नेतृत्व में स्वागत किया गया। इस दौरान विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष अनिल गंगवार, पुरुषोत्तम गंगवार,प्रमोद विष्ट, संजीव सक्सेना, हैदर अली , अरविंद गंगवार, छेदालाल दिवाकर, नवाब अंसारी, मुन्ना गंगवार, नरेंद्र कुमार, वीरपाल समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दरिंदगी में आरोपियों की जमानत अर्जी खारिज

बरेली, विधि संवाददाता

अमृत विचार : विशेष पॉक्सो एक्ट कोर्ट-3 की न्यायाधीश नम्रता अग्रवाल ने नाबालिग लड़की (16) के अपहरण और दुष्कर्म के मामले में आरोपी पति-पत्नी, खलीक अहमद और शमीम की जमानत अर्जी खारिज कर दी है।

सरकारी वकील राजीव तिवारी के अनुसार, मामला नवाबगंज थाना क्षेत्र का है, जहां पीड़िता के पिता ने आरोप लगाया था कि उनकी पुत्री को स्कूल से लौटते समय नशीला पदार्थ सुंघाकर अगवा किया गया और बंधक बनाकर रखा गया। पीड़िता ने अपने बयानों में खुलासा किया कि 14 फरवरी को स्कूल के वार्षिकोत्सव के दौरान सहेलियों ने उसे नशीला पदार्थ सुंघाया, जिससे वह बेहोश हो गई। होश आने पर उसने खुद को आरोपियों के घर पाया, जहां मुख्य आरोपी अनस ने उसके साथ गलत काम किया।

अदालत ने अपराध की गंभीरता और सह-अभियुक्तों की ओर से दुष्कर्म के लिए उकसाने की भूमिका को देखते हुए उन्हें जेल में ही रखने का फैसला सुनाया है।

देवरनियां में अदालत के आदेश पर दर्ज हुआ केस

देवरनियां : बरेली कोतवाली के आलमगिरीगंज निवासी अरुण गोयल के न्यायालय में दिए गए प्रार्थना पत्र के अनुसार उनकी पिकअप गाड़ी को चालक राकेश कुमार चला रहा था। 25 नवंबर 2025 को चालक सामान लेकर बहेड़ी जा रहा था, सुबह नैनीताल रोड स्थित एक होटल के पास गाड़ी का पहिया पंचर हो गया, जिसके बाद चालक सड़क किनारे वाहन खड़ा कर टायर बदलने लगा। इसी दौरान पीछे से आए एक अज्ञात वाहन ने पिकअप में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वाहन नाले में पलट गया और चालक गंभीर रूप से घायल हो गया ।पीड़ित का आरोप है, कि देवरनियां थाने में तहरीर देने के बावजूद पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की। मजबूर होकर कोर्ट की शरण लेनी पड़ी अब कोर्टने देवरनियां पुलिस को एफआईआर दर्ज कर विवेचना करने के आदेश दिए।

ननदोई पर छेड़छाड़ का आरोप, मुकदमा

बरेली, अमृत विचार : बारादरी थाना क्षेत्र में एक महिला ने ननदोई पर छेड़छाड़ और परिवार को तोड़ने की साजिश रचने का आरोप लगाया है। पीड़िता के अनुसार उनका ननदोई आए दिन घर आता है। वह अश्लील इशारे करता है। आरोप है कि ननद ने झूठी ऑडियो रिकॉर्डिंग बनाकर व्हाट्सएप के माध्यम से भेजी और ब्लैकमेल करने लगी। यह रिकॉर्डिंग उनके पति को भी भेज दी गई, जिससे उनके वैवाहिक जीवन पर गंभीर असर पड़ा है। महिला का आरोप है कि 12 अप्रैल को सुबह करीब 11 बजे जब वह घर पर अकेली थी, तभी आरोपी ननदोई घर में घुस आया और छेड़छाड़ की। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

कार्यालय ग्राम पंचायत पहुंचा बुजुर्ग विकास खंड मीरगंज (बरेली)

अल्पकालीन निविदा सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो/विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में ग्राम पंचायत पहुंचा बुजुर्ग में मनरेगा योजना से निम्न निर्माण कार्य हेतु कार्य स्थल पर सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है जिसका सामग्री विवरण निम्नवत है - प्रथम श्रेणी ईट, बजरी, बजरफुट, सरिया, सीमेंट, रेत, रोड़ी व अन्य सामग्री जो प्राक्कलन में लिखित है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	योजना
1.	सोमपाल मास्टर के घर से मेन रोड तक सी.सी. व नाली निर्माण	163273/-	मनरेगा

उक्त कार्य हेतु सीलबंद निविदाएं दिनांक 03.05.2026 से दिनांक 07.05.2026 दोपहर 1:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। जो उसी दिन दोपहर 03:00 बजे निविदादाताओं या उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जाएगी। कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति आदि की सूचना ग्राम पंचायत कार्यालय पर उपलब्ध है जो किसी भी कार्यालय दिवस में देखी जा सकती है। किसी भी विवाद की स्थिति में ग्राम पंचायत का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।

प्रधान - श्री राजेंद्र कुमार सचिव - श्री एम. अनस

स्पा की आड़ में देह व्यापार, फिर फूटा 'ऑडियो बम'

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- स्टेडियम रोड के स्पा सेंटर का बताया जा ऑडियो
- हिन्दू संगठनों ने की शिकायत, कार्रवाई की मांग

अमृत विचार: स्पा की आड़ में अवैध गतिविधियों का शहर में फिर शोर उठाया है। हिन्दू संगठनों ने कथित रूप से एक स्पा सेंटर में बातचीत का ऐसा ऑडियो पुलिस को भेजा है, जिसमें देह व्यापार को लेकर बातचीत रिकॉर्ड बताई गई है। हिन्दूवादियों ने अफसरों से अवैध क्रियाकलापों में लिप्त स्पा सेंटर्स पर कार्रवाई की मांग की है।

शहर में इस तरह से अनैतिक गतिविधियों को लेकर पहले भी शिकायतें होती रही हैं। हिन्दू जागरण मंच(युवा) जिलाध्यक्ष हिमांशु पटेल सहित कई संगठनों के पदाधिकारियों ने कार्रवाई की मांग को लेकर फिर मोर्चा खोला है। अफसरों को भेजा गया ऑडियो कथित रूप से स्टेडियम रोड के एक स्पा का बताया जा रहा है। एक मिनट के ऑडियो में स्पा स्टाफ अपने सेंट में मसाज के साथ देह व्यापार की बात कह रहा है और पैसों की सौदेबाजी करता सुना जा रहा है।

हिंजाम नेता हिमांशु पटेल का कहना है कि शिकायतों के बाद शहर में इस तरह की गलत गतिविधियों पर रोक नहीं लगाई जा रही। पूर्व में इसे लेकर शहर में विवाद भी होते रहे हैं और अवैध वसूली के खेल भी सामने आते रहे हैं। शिकायतों पर कुछ समय पहले पुलिस ने चेकिंग अभियान भी चलाया था मगर बाद में मामला ठंडा पड़ गया। उनका कहना है कि सिविल लाइंस, डोहरा रोड, स्टेडियम रोड पर संचालित स्पा सेंटर्स में गलत काम होने की सूचनाएं लगातार मिल रही हैं। वायरल ऑडियो इसका स्पष्ट प्रमाण है। स्पा सेंटर्स पर मारपीट की घटनाएं भी हो चुके हैं। उन्होंने जांच कराकर अनैतिक गतिविधियों में लिप्त स्पा सेंटर्स पर कार्रवाई की मांग उठाई है।

फर्जी दस्तावेज से 15 लाख की ठगी

संवाददाता,बरेली

अमृत विचार : इज्जतनगर थाना क्षेत्र के संतनगर निवासी राजेन्द्र सिंह के अनुसार कटरा चांद खां निवासी रिजवान ने उनकी मुलाकात प्रशांत गुप्ता और अभिषेक गुप्ता से कराई थी।

आरोप है कि दोनों ने सस्ते दाम में प्लाट दिलाने का झांसा देकर 7 लाख रुपये में सौदा तय किया। 6 लाख रुपये ऑनलाइन लेकर इकरारनामा कराया गया और बाद में बैनामा भी करा दिया गया। हालांकि, बाद में जांच में सामने आया कि प्लाट के दस्तावेज फर्जी हैं।

राजेन्द्र सिंह का आरोप है कि आरोपियों ने इसके बाद सेकेंड हैंड कारों के व्यापार में मोटे मुनाफे का लालच देकर उनसे करीब 8 लाख रुपये और ले लिए। लेकिन न तो मुनाफा मिला और न ही मूल धन वापस किया गया। पीड़ित ने मामले की शिकायत डीआईजी से की। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

कार्यालय बरेली विकास प्राधिकरण, बरेली।

विज्ञप्ति का प्रारूप

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री पंकज द्विवेदी पुत्र श्री उमा शंकर द्विवेदी निवासी-प्लाट सं0-10 लोहिया विहार आवासीय योजना सी0बी0 गंज, बरेली द्वारा भूखण्ड स0-10 लोहिया विहार योजना, क्षेत्रफल 371.11 वर्गमी0, पर व्यवसायिक क्रिया के अर्न्तगत स्वीकृति हेतु शमन मानचित्र प्रस्तुत किया गया है। बरेली महायोजना-2031 के अनुसार स्थल का भू-उपयोग आवासीय दर्शित है। उत्तर प्रदेश विकास प्राधिकरण माडल भवन निर्माण एवं विकास उपविधि तथा माडल जोनिंग रेग्यूलेशन-2025 के प्रस्तर 15.3.2 के क्रम स0-2.2 के अन्तर्गत व्यवसायिक क्रिया आवासीय भू-उपयोग 12.00 मी0 चौड़े मार्ग पर अनुमन्य है। स्थल के सम्मुख 60.00 मी0 चौड़ा मार्ग स्थित है। आदर्श (मॉडल) जोनिंग रेगुलेशन - 2025 के प्रस्तर 15.1.3 के बिन्दु सं0- (iv) में उल्लेख है कि "महायोजना भू-उपयोग अथवा अनुमोदित लेआउट में परिभाषित भू-उपयोग के अतिरिक्त अन्य क्रियाओं की अनुज्ञा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार जनता से आपत्तियां / सुझाव आमंत्रित करने के उपरांत दी जाएगी।" उक्त के क्रम में जन-सामान्य को कोई आपत्ति / सुझाव देने है, तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर प्राधिकरण लिपिक श्री मोहित कुमार (प्रथम) को प्राप्त करा सकते है। नियत अवधि के उपरान्त प्राप्त होने वाली किसी भी आपत्ति / सुझाव को स्वीकार नही किया जायेगा।

उपाध्यक्ष
बरेली विकास प्राधिकरण, बरेली

अमृत विचार
रविवार, 3 मई 2026

काागा का को धन हरे, कोयल का को देय। मीठे वचन सुना के, जग अपना कर लेय।।

कबीर दास कहते हैं, कौआ किसी का धन नहीं चुराता, फिर भी कौआ लोगों को पसंद नहीं। वहीं कोयल किसी को धन नहीं देती, लेकिन सबको अच्छी लगती है। ये फर्क है मीठी बोली का। कोयल मीठी बोली से सबका मन हर लेती है।

एकात्म चिंतन की जन्मभूमि है भारत

> आखिरकार अस्तित्व को कैसे जानें? कैसे शांत करें जिज्ञासा को? कठिनाई दूसरी भी है- जितना देखते हैं, उतने का सार तत्व कैसे ग्रहण करें? हमारी जीवन दृष्टि क्या हो? इंटरनेट ने लाखों-करोड़ों सूचनाएं भर दी हैं। किसे छोड़ें? किसे पढ़ें? क्या शास्त्र पढ़ें? पढ़ें तो विवेचन विश्लेषण कैसे करें? जानने के लिए सोचना जरूरी है और सोचने के पहले ठीक से देखना भी। देखने की एक दृष्टि वैदिक पूर्वजों ने दी है। बाद के इतिहास और दर्शन में प्राय: उसी विवेक को आधार बनाया गया है।

हम सब सोंचते हैं। अनेक प्रश्न उठते हैं। प्रश्न स्वयं को जानने का भी है। संसार और स्वयं का बोध जरूरी है। प्रश्न बड़ा है- कैसे जानें इस असीम संसार को। समझ छोटी अति अल्प और संसार बड़ा। प्रश्न और भी हैं। जैसे सृष्टि क्या है? सृष्टि का कोई निर्माता भी है क्या? यह सृष्टि नहीं थी तो क्या था? जो था वह क्या था? क्या शून्य था? क्या सृष्टि ऊर्जा का खेल है? पृथ्वी जल, अग्नि और आकाश प्रत्यक्ष है। इनका सारभूत क्या है? सूर्य चंद्र और तारागण कहां से प्रकाश पाते हैं? सृष्टि निर्माण का आदि तत्व क्या है? कोई परमतत्व है क्या? क्या एक तत्व से ही यह सृष्टि बनी? या सबका साझा प्रयास यह सृष्टि है? सृष्टि और हमारे संबंध क्या हैं? आदि।

आखिरकार अस्तित्व को कैसे जानें? कैसे शांत करें जिज्ञासा को? कठिनाई दूसरी भी है- जितना देखते हैं, उतने का सार तत्व कैसे ग्रहण करें? हमारी जीवन दृष्टि क्या हो? इंटरनेट ने लाखों-करोड़ों सूचनाएं भर दी हैं। किसे छोड़ें? किसे पढ़ें? क्या शास्त्र पढ़ें? पढ़ें तो विवेचन विश्लेषण कैसे करें? जानने के लिए सोचना जरूरी है और सोचने के पहले ठीक से देखना भी। देखने की एक दृष्टि वैदिक पूर्वजों ने दी है। बाद के इतिहास और दर्शन में प्रायः उसी विवेक को आधार बनाया गया है। इस समझ को प्राप्त करने का दुनिया का सबसे पुराना ग्रंथ है ऋग्वेद। भारत के लोगों ने ऋग्वेद की रचना के पहले से ही वैज्ञानिक चिंतन प्रारंभ कर दिया था।

ऋग्वेद में इसी सोच-विचार के दर्शन हैं। चिंतन की यह दृष्टि निर्णयात्मक नहीं है। दर्शन और विज्ञान निर्णयात्मक नहीं होते। जहां तक जान लिया, वहीं रुक जाना उचित नहीं होता। सामान्य धारणा है कि विश्व किसी शक्ति द्वारा बनाया गया है। सृष्टि निर्माण 'विश्वकर्म' है। सृष्टि निर्माता को विश्वकर्मा कहा गया है। ऋग्वेद के एक दार्शनिक सूक्त (10.81) के देवता विश्वकर्मा हैं। ऋषि पूछते हैं, 'सृष्टि निर्माण के पहले वे कहां पर बैठे?' प्रश्न उचित है। जब पृथ्वी, आकाश आदि थे ही नहीं तो विश्वकर्मा ने कहां बैठकर यह सृजन कर्म पूरा किया? पूछते हैं कि 'सृष्टि निर्माण का मूल द्रव्य क्या था? वह वन, वृक्ष कौन सा था? जिससे विश्वकर्मा ने सामग्री ली और विराट विश्व बनाया? यह सब मनीषी लोग जानने का प्रयास करें।' स्तुति है कि 'वे विश्वकर्मा मित्र भाव से हमें ज्ञान दें।'

ऋग्वेद के एक ऋषि देवताओं के भी पहले का विचार करते हैं कि 'देवताओं के पहले युग समय में असत् से सत् का जन्म हुआ।' (10.72) यह युग विचारणीय है। तब देवता भी नहीं हैं, लेकिन 'समय' है। ऋग्वेद में सत् का अर्थ व्यक्त है और असत् का अव्यक्त। नासदीय सूक्त (10.129) में प्रकृति सृष्टि के संबंध में और भी गहन-चिंतन हैं 'तब न सत् था और न असत्। आकाश से परे भी कुछ नहीं था- नो व्योमा परो यत्। अंधकार था।' यहां अंधकार प्रकाश का अभाव नहीं है। अंधकार का अस्तित्व है। इसी तरह एक और महत्वपूर्ण अस्तित्व 'वह एक' था।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उत्तर प्रदेश

ऋषि के अनुसार वह एक-तत् एकं अपनी शक्ति के दम पर वायुहीन दशा में भी प्राण ले रहा था। ऋग्वेद का 'वह एक' सृष्टि के पहले भी है। उस समय जल भी है- अप्रकेत सलिलं। फिर काम उत्पन्न हुआ। इसके बाद प्रकाश की दीप्ति चारों ओर फैल गई। फिर विसृष्टि हुई।' फिर कहते हैं, 'क्या पता ऊंचे आकाश में बैठा सृष्टि का अध्यक्ष सृष्टि रचना की बात जानता है? या वह भी न जानता? यह विवरण रोमांचक है। यहां शुद्ध वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाया गया है।

क्या अंधकार होता है? या प्रकाश के अभाव का नाम ही अंधकार है। अंधकार सृष्टि के पूर्व भी है। संभवतः आकाश या प्रकाश का सूक्ष्म रूप। 'वह एक' बिना वायु ही प्राण ले रहा था। क्या प्राण का विकास वायु हो सकती है। काम का जन्म भी सृष्टि के साथ हुआ। यह ताप या अग्नि ऊर्जा का सूक्ष्म रूप हो सकता है। सबसे अंत में है- विसृष्टि। विसृष्टि-सृष्टि है, इसमें पृथ्वी भी है। भारतीय चिंतन में आकाश सूक्ष्मतम है। आकाश से वायु, वायु के बाद अग्नि, इसके बाद जल और फिर पृथ्वी। सृष्टि का विकास किसी एक तत्व से हुआ है। यहां आकाश प्रमुख तत्व है। कपिल के सांख्य दर्शन में आकाश प्राचीनतम है। भारतीय चिंतन के पांच महाभूतों में से प्रथम।

भारतीय दर्शन में असीम आकाश का गुण शब्द है। आकाश का अस्तित्व है। छांदोग्य उपनिषद् के अनुसार 'सभी भूत आकाश से पैदा होते हैं और आकाश में ही विलीन हो जाते हैं।' आकाश से आना और आकाश में ही लौटना विचारणीय है। ऋग्वेद में ठीक ही आकाश पिता है। ऋग्वेद के पुरुष सूक्त में 'पुरुष' का वर्णन है। यह 'पुरुष' देश-काल की सीमा का अतिक्रमण करता है। उसका सिर आकाश है और सहस्त्रशीर्षा है। इस पुरुष के प्राण का विस्तार वायु है। पुरुष समूचे अस्तित्व को घेरता है।

दश अंगुल इसके बाहर भी हैं। संपूर्ण संसार इसका एक चरण है। इसके तीन चरण अन्य लोकों में हैं। यहां जो कुछ चेतन या अचेतन मनुष्य, पशु, कीट, पतिंग, नदी, समुद्र या वन है। पुरुष सब में व्याप्त है। यहां तक हुआ दिक् या दिशा का अतिक्रमण। अब काल। बताते हैं कि यह पुरुष ही सब कुछ है- पुरुष एवेदं सर्वं। जो भूतकाल में हो गया है और जो आगे भविष्य में होगा वह सब पुरुष ही है- यद् भूतं यच्च भव्यं।

ऋग्वेद के एक देवता हैं अदिति। अदिति भी सर्वस्व धारण करते हैं। वह अंतरिक्ष है, पृथ्वी हैं। पिता-माता और पुत्र है। वे पांच जन हैं। अब तक जो हो चुका है और जो भविष्य में होगा वह सब अदिति ही हैं। समूचे अस्तित्व को एक देखना और स्वयं को उसी का भाग जानना भारतीय चिंतन की मूल भूमि है। यहां अस्तित्व या सृष्टि का कोई निर्माता नहीं। प्रकृति के गोचर प्रपंच गतिशील हैं। सम्यक गति से प्रगति होती है। प्रकृति का वैज्ञानिक अध्ययन भी मूलतः गति का ही अध्ययन है। प्राचीन यूनानी दार्शनिक थेल्स (लगभग 500 ई. पूर्व) जल को सृष्टि का आदि तत्व मानते थे। इसके हजारों वर्ष पहले ऋग्वेद के नासदीय सूक्त में 'अप्रकेत सलिल'- जल है। जल से सृष्टि का जन्म हुआ, तो जल को माता कहना ही चाहिए।

ऋग्वेद में जल को 'बहुवचन रूप में आपः मातरम्-जल माताएं कहा गया है। स्थावर जंगम को जन्म देने वाली यही जल माताएं ही हैं।' थेल्स जल संबंधी चिंतन ऋग्वेद के संगत है। वैसे ऋग्वेद में अनेक विचार हैं। एक यूनानी दार्शनिक अनक्सिमेनेस 'वायु' को सृष्टि का मूल तत्व बताते थे। ऋग्वेद (10.168) में ऋतावा-नियम वायु है। यहां वायु जलों के मित्र कहे गए हैं- अपां सखा। ऋग्वेद के जल और वायु आदि तत्व इसी रूप में उपनिषदों में भी हैं। हिराक्लिटस अग्नि को प्रधान तत्व जानते थे। अग्नि ऋग्वेद के प्रधान देवता हैं। अग्नि सब जगह हैं। वे जलों में हैं। मनुष्य के भीतर हैं। यत्र तत्र सर्वत्र हैं। कठोपनिषद् में यम ने नचिकेता को अग्नि विज्ञान समझाया था। यहां अग्नि ही प्रत्येक जगह उपस्थित होकर रूप-रूप प्रतिरूप होते हैं- अग्निर्यथैको भुवनं प्रविष्टो रूपं रूपं प्रतिरूपों वभूवाः। जानने और गहराई से देखने समझने के एकात्म चिंतन की जन्मभूमि भारत ही है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

एमपी की सरकार का नारी सशक्तिकरण का संकल्प

महिला आरक्षण विधेयक पारित कराने की दिशा में मध्यप्रदेश सरकार ने पहल की है। विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर नारी शक्ति वंदन का संकल्प लिया है। इस संकल्प लेने का उद्देश्य है कि विधेयक को कानूनी रूप देते समय जो चूक हो गई थी, उसे संशोधित कर दिया जाए। इसमें प्रावधान है कि 2021 की जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद यह कानून लागू होगा, किंतु कोरोना के चलते 2021 की जनगणना टालनी पड़ी। अब जनगणना के पहले चरण की शुरुआत हुई है, जिसके अंतिम परिणाम 2028 तक आएंगे, इसलिए केंद्र सरकार विधेयक के पारित हो चुके प्रारूप में संशोधन के लिए प्रस्ताव लाई थी, जो संसद में पारित नहीं हो सका। 2023 में पारित हुए इस विधेयक में संशोधन किए बिना 2029 में होने वाले लोकसभा चुनाव में इसे लागू नहीं किया जा सकता है। परिसीमन से तात्पर्य निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं के पुनर्निधारण से है।

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ पत्रकार

देश की महिलाओं को निर्वाचन में भागीदारी का उचित लाभ दिलाने की दृष्टि से मध्य प्रदेश सरकार ने विधानसभा में नारी शक्ति वंदन संकल्प पर आठ घंटे चर्चा की और उसे ध्वनि मत से पारित भी कर दिया। इस विधेयक के अनुसार सभी राज्यों में एक समान रूप से 50 प्रतिशत सीटों की बढ़ोतरी की जानी है, परंतु विपक्ष की यह आशंका बनी रही कि परिसीमन के बहाने सीटों की संरचना कुछ इस तरह से निर्धारित होगी कि भाजपा समर्थित वोट बड़ी संख्या में क्षेत्र विशेष में समा जाएं।

> महिला आरक्षण विधेयक पारित कराने की दिशा में मध्य प्रदेश सरकार ने पहल की है। विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर नारी शक्ति वंदन का संकल्प लिया है। इस संकल्प लेने का उद्देश्य है कि विधेयक को कानूनी रूप देते समय जो चूक हुई थी, उसे संशोधित कर दिया जाए।

विधेयक पास होने पर मध्य प्रदेश विधानसभा की सदस्य संख्या 230 से बढ़कर 345 हो जातीं। इनमें से 114 सीटें महिलाओं के लिए सुरक्षित हो जातीं। इस समय देश में करीब 44 करोड़ महिला मतदाता हैं। इन्हीं में से 2029 के लोकसभा चुनाव में महिलाएं उम्मीदवार बनाई जातीं। 2034 में क्या स्थिति बनेगी, यह भविष्य के गर्भ में है।

जनसंख्या के आधार पर परिसीमन होता है, तो दक्षिण और पूर्वोत्तर के राज्यों के दल प्रमुखों ने यह अंदाजा लगा लिया कि इन प्रांतों में जनसंख्या कम होने के कारण राजनीतिक रूप से वे नुकसान में रहेंगे। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने इस पहल को संघीय ढांचे को कमजोर करने और दक्षिणी राज्यों की राजनीतिक आवाज को दबाने वाला कदम बता दिया था और तेलंगाना के उप मुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा था कि इतना बड़ा संवैधानिक बदलाव सभी दलों की सहमति के बिना संभव नहीं है। इन साझा आवाजों की बुलंदी ने इन विधेयकों को पारित नहीं होने दिया।

विपक्ष ने कोटे में कोटा देने का उपाय की भी मांग कर डाली थी। इसी को लेकर मोहन यादव ने तार्किक उत्तर देते हुए विधानसभा में कहा कि धर्म के आधार पर आरक्षण की मांग सर्वथा अनुचित है। मायावती ने इस विधेयक का स्वागत करते हुए कहा कि 33 प्रतिशत कोटे में एससी-एसटी और ओबीसी की महिलाओं के लिए अलग से आरक्षण की व्यवस्था हो। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

हैप्पी हार्मोन और मोबाइल की लत

आज का युग डिजिटल प्रौद्योगिकी का युग है, जिसमें सोशल मीडिया विशेषकर युवा पीढ़ी के जीवन का अभिन्न अंग बन गया है। सुबह उठने से लेकर रात को सोने तक, वे विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से जुड़े रहते हैं। यह उनके चिंतन, मनोविज्ञान, व्यवहार और जीवनशैली पर गहरा प्रभाव डाल रहा है।

भारत में डिजिटल उपयोग के आंकड़े इसकी व्यापकता को स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार, लगभग 90 से 95 प्रतिशत किशोर सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं और लगभग 45 प्रतिशत लगातार ऑनलाइन रहते हैं। लगभग 95 प्रतिशत युवाओं के पास स्मार्टफोन हैं और 70 से 75 प्रतिशत प्रतिदिन यूट्यूब का उपयोग करते हैं। इंस्टाग्राम, स्नैपचैट और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म सबसे लोकप्रिय हैं। एक औसत किशोर प्रतिदिन 3-5 घंटे स्क्रीन पर बिताता है, जबकि कुछ किशोर छह घंटे से अधिक समय ऑनलाइन बिताते हैं।

रोहित माहेश्वरी
स्वतंत्र पत्रकार

शोध बताते हैं कि यूट्यूब या इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफ़ॉर्म पर स्क्रॉल करने से मस्तिष्क के वे क्षेत्र सक्रिय हो जाते हैं, जो पुरस्कार प्रसंस्करण, सामाजिक अनुभूति और ध्यान से जुड़े होते हैं। यह सक्रियण वेंट्रल टेगमेंटल क्षेत्र यानी वीटीए में होता है, जो हमारे पुरस्कार प्रणाली को निर्धारित करने वाले प्राथमिक मस्तिष्क क्षेत्रों में से एक है। जब भी हमें कोई लाइक या सकारात्मक टिप्पणी मिलती है, तो हमारा मस्तिष्क डोपामाइन छोड़ता है, जिससे शक्तिशाली इनाम के रास्ते बनते हैं, जो हमें और अधिक पाने के लिए प्रेरित करते हैं।

हार्वर्ड के शोधकर्ताओं के अनुसार, सोशल मीडिया पर सक्रियता प्राप्त करने पर जो डोपामाइन निकलता है, वह कोकीन जैसे नशीले पदार्थों के सेवन के बराबर होता है। इसके अलावा, इन पुरस्कारों की अप्रत्याशित प्रकृति- यह न जानना कि आपको कब और कितने लाइक मिलेंगे इस अनुभव को और भी व्यसनी बना देती है। शोध लगातार सोशल मीडिया के इस्तेमाल और मानसिक स्वास्थ्य में गिरावट के बीच कई संबंधों को उजागर करते रहे हैं। अध्ययनों में सोशल मीडिया के अत्यधिक इस्तेमाल और अवसादग्रस्तता के लक्षणों की बढ़ती दर के बीच महत्वपूर्ण संबंध पाए गए हैं।

साइबर बुलिंग, ट्रोलिंग और ऑनलाइन उत्पीड़न के मामले भी बढ़ रहे हैं। लगभग 30 से 35 प्रतिशत किशोर किसी न किसी रूप में साइबर बुलिंग का शिकार हो चुके हैं। इससे युवाओं में आत्मविश्वास कम होता है और मानसिक तनाव बढ़ता है। फ़िल्टर की गई तस्वीरें और संपादित सामग्री सुंदरता के झूठे मापदंड स्थापित करती हैं, जिससे युवा खुद की तुलना दूसरों से करने लगते हैं और खुद को कमतर समझने लगते हैं।

फोमो (एफओएमओ) यानी कुछ छूट जाने का डर, भी एक बड़ी समस्या बन गया है। लगभग 65-70% युवा अपनी खुशी को सोशल मीडिया से जोड़ते हैं। लाइक्स और कमेंट्स से जुड़ी मनोवैज्ञानिक निर्भरता उन्हें ऑनलाइन रहने के लिए मजबूर करती है। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

आर्थिकी को गति देने वाला एक्सप्रेस-वे

> पिछले तीन दशकों के कालखंड में सड़कों का विस्तार हुआ है, जिससे सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को गति मिली। साथ ही यमुना एक्सप्रेस-वे, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे, पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे, बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे और अब गंगा एक्सप्रेस-वे इस परिवर्तन का प्रतीक है।

उत्तर प्रदेश जनसंख्या की दृष्टि से देश का सबसे बड़ा राज्य है। यह देश की सांस्कृतिक विरासत का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। गंगा-यमुना का मैदानी भाग होने से कृषि उत्पादन के मामले में देश का अग्रणी राज्य है। राज्य का आधारभूत ढांचा नित्य नई ऊंचाइयों को छूने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। पिछले तीन दशकों के कालखंड में स्वर्णिम चतुर्भुज योजना के तहत सड़कों का विस्तार एवं चौड़ीकरण हुआ, जिससे लॉजिस्टिक की लागत नियंत्रित रहने के साथ ही सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को गति मिली। साथ ही यमुना एक्सप्रेस-वे, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे, पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे, बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे और अब 549 किमी का गंगा एक्सप्रेस-वे इस परिवर्तन का प्रतीक है।

इस एक्सप्रेस-वे के शुरू होने से राज्य की अर्थिकी को एक नई गति मिलने की पूरी संभावना है। यह परियोजना केवल परिवहन का साधन नहीं, बल्कि विकास, निवेश और रोजगार का बहुआयामी इंजन साबित होगा, क्योंकि यह मेरठ से प्रयागराज तक कई जनपदों और गांवों से होते हुए पूरब और पश्चिम को जोड़ने का एक महत्वपूर्ण परिपथ भी है। इसके कारण कृषि विज्ञान और औद्योगिक निर्माण को गति मिलेगी।

प्रो. एचसी पुरोहित
दून यूनिवर्सिटी

आर्थिक विकास के लिए सुगम और तेज परिवहन व्यवस्था अत्यंत आवश्यक होती है। गंगा एक्सप्रेस-वे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्रों को पूर्वी उत्तर प्रदेश के कृषि प्रधान इलाकों से जोड़ता है। मेरठ से प्रयागराज तक फैला यह मार्ग राज्य के लगभग एक दर्जन जिलों को जोड़ते हुए क्षेत्रीय असमानताओं को कम करने का कार्य करेगा। इस एक्सप्रेस-वे के चालू होने से यात्रा का समय कम होगा, परिवहन लागत घटेगी और व्यापारिक गतिविधियों में तेजी आएगी। इससे राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के बीच आर्थिक संतुलन स्थापित करने में मदद मिलेगी।

इस एक्सप्रेस-वे के विकसित होने से औद्योगिक कॉरिडोर विकसित होगा, क्योंकि बेहतर सड़क कनेक्टिविटी निवेशकों के लिए सबसे बड़े आकर्षण का केंद्र होती है। यह समय की बचत के साथ-साथ परिवहन की लागत को भी नियंत्रित करती है, जिससे वेयरहाउसिंग, लॉजिस्टिक्स, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों और मैन्युफैक्चरिंग हब के विकास की संभावनाएं बढ़ेंगी। इससे न केवल बड़े उद्योगों को लाभ होगा, बल्कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को भी नई ऊर्जा मिलेगी। 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसे अभियानों को भी इससे मजबूती मिलेगी।

गंगा-यमुना, घाघरा जैसी बड़ी नदियों का मैदान होने के कारण उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था मूल रूप से कृषि आधारित है। गंगा एक्सप्रेस-वे किसानों के लिए एक बड़ा अवसर लेकर आएगा। बेहतर सड़क व्यवस्था से किसान अपनी उपज को तेजी से मंडियों तक पहुंचा सकेंगे, जिससे उन्हें बेहतर मूल्य मिल सकेगा। काश्तकारों द्वारा उत्पन्न उत्पाद जैसे फल, सब्जियां और दुग्ध उत्पाद समय पर बाजार तक पहुंचने के कारण खराब होने से बचेंगे। इसके अलावा स्थानीय स्तर पर कोल्ड स्टोरेज और फूड प्रोसेसिंग यूनिट्स के विकास की राह खुलेगी, जो कृषि उत्पाद के मूल्य संवर्धन को प्रेरित करेगा, जिससे किसानों की आय में वृद्धि होगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

इस परियोजना के निर्माण और संचालन से लाखों लोगों के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे। निर्माण कार्य में लगे श्रमिकों से लेकर लॉजिस्टिक्स, ट्रांसपोर्ट और सेवा क्षेत्र तक, हर स्तर पर रोजगार के नए द्वार खुलेंगे। इसके साथ ही, एक्सप्रेस-वे के आसपास नए शहरों और टाउनशिप का विकास भी संभव है, जिससे शहरीकरण को गति मिलेगी। इससे शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य सामाजिक सेवाओं का विस्तार होगा, जो समग्र विकास के लिए आवश्यक है।

मार्ग में आने वाले अन्य ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों तक भी पर्यटकों की पहुंच आसान होगी। पर्यटन के बढ़ने से स्थानीय अर्थव्यवस्था को सीधा लाभ मिलेगा। होटल, रेस्टोरेंट, परिवहन और हस्तशिल्प उद्योग को गति मिलने से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। विकास और आर्थिकी का द्वार खोलने के साथ ही यह पर्यावरण संतुलन स्थापित करने एवं प्रदूषण को नियंत्रित करने, हरित पट्टियों के विकास और जल संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसका लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंचेगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

संतान के मोह में अक्सर पिता बन जाते हैं 'धृतराष्ट्र'

पुत्र-मोह में राष्ट्रीय हितों की परवाह न कर महाभारत युद्ध करा देने में धृतराष्ट्र का नाम यद्यपि लिया जाता है, लेकिन गौर करें तो पुत्र के हितों के लिए प्रायः ज्यादातर समर्थ एवं सक्षम पिता धृतराष्ट्र की तरह अंधे हो जाते हैं। धृतराष्ट्र का अर्थ राष्ट्र को धारण करने वाला होता है। आज गहराई से देखा जाए, तो समाज और राष्ट्र-हित की परवाह न कर पिता अपनी संतानों के लिए अनीतिपूर्वक संसाधन एकत्र करने में लगा है।

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

किसी भी क्षेत्र पर नजर डाली जाए तो यही प्रतीत होता है कि पिता हर हालत में संतानों को इतना अधिक समृद्ध कर देना चाहता है कि संतान को कुछ करना न पड़े और वह समाज में ऐश्वर्यपूर्ण जीवन जी सके। धृतराष्ट्र की स्थिति जन्म से अंधे की थी, लेकिन उनकी पत्नी गांधारी ने भी आंखों पर पट्टी बांध ली, ताकि पुत्र दुर्योधन द्वारा किए जा रहे अन्याय को वह भी न देख सके।

जब माता और पिता अपनी संतानों के हर गलत आचरण में उसका बचाव करते हैं, तो वे कहां से धृतराष्ट्र और गांधारी से ऐसे पिता को कम माना जाए। देखने में आता है कि हर पिता अपने साम्राज्य की डोर अपने अयोग्य ही क्यों न हो, पुत्र को सौंपना चाहता है। वह योग्य व्यक्ति का चयन नहीं करता है। एक तो पिता की अनीतिपूर्वक एकत्र किए गए संसाधनों को जुटाने का काम पुत्र देखता है, तब वह भी अनीति के रास्ते को ही अपनाता है।

चाहे कारपोरेट सेक्टर हो, राजनीति का क्षेत्र हो, फ़िल्म जगत और प्रशासनिक सेवा आदि ही क्यों न हो हर जगह येन-केन-प्रकारेण संसाधनों का दुरुपयोग परिवार के लिए जो करते हैं, वे अपने पुत्र को दुर्योधन ही बना रहे हैं। जब अनीति की कमाई के बीच पला पुत्र बड़ा होगा, तो उससे उम्मीद शायद ही की जा सके कि वह नीति के रास्ते पर चल सकेगा।

हर पिता को चाहिए कि वह अपनी संतानों को संस्कार दे तथा स्वावलंबी बनने की प्रेरणा दे न कि अनीतिपूर्वक सार्वजनिक धन का उपयोग अपने पुत्रों के लिए न करे। अनीतिपूर्वक धन का मतलब किसी न किसी का हिस्सा छीनना है। अतः श्रेष्ठ पिता वही है, जो नीतिपूर्वक धन से पुत्रों का पालन करता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

सहेजनी होगी पारंपरिक चिकित्सा की विरासत

छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में पारंपरिक चिकित्सा ज्ञान के आधार पर अनपढ़ वैद्यों द्वारा साध्य-असाध्य रोगों के उपचार से जुड़ी मीडिया रिपोर्ट ध्यान आकर्षित करती है। वहां नारायणपुर के पास एक वैद्य बांस की छड़ी के सहारे रोग की पहचान करता है। जड़ी-बूटियों से दवा तैयार करता है। जब इस तरह के उदाहरण बार-बार सामने आते हैं, तो हैरानी पैदा करते हैं। हम भले ही छत्तीसगढ़ के एक इलाके की बात कर रहे हों, लेकिन यह मुद्दा किसी एक वैद्य या किसी एक पद्धति तक सीमित नहीं है। यह उस पूरे ज्ञान तंत्र का प्रश्न है, जिसे हमने आधुनिकता की अंधी दौड़ में हाशिए पर डाल दिया है।

देश के जंगलों, गांवों और आदिवासी इलाकों में सदियों से विकसित हुआ पारंपरिक चिकित्सा ज्ञान आज भी जीवित है, लेकिन उसकी मौजूदगी को हम या तो नजरअंदाज करते हैं या फिर उसे अंधविश्वास कहकर खारिज कर देते हैं। इसमें कोई दो राय नहीं है कि आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने मानव जीवन को अभूतपूर्व सुविधाएं और सुरक्षा प्रदान की है, लेकिन यह भी सच है कि हर ज्ञान प्रणाली की अपनी सीमाएं होती हैं।

अमरपाल सिंह वर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

हमारे सामने ऐसे अनेक उदाहरण आते हैं, जब डॉक्टर किसी मरीज को जीवन के अंतिम पड़ाव पर मानकर परिजनों को उसकी 'सेवा' करने की सलाह देते हैं, लेकिन वही मरीज पारंपरिक उपचार के सहारे अपेक्षा से अधिक समय तक जीवन जी लेता है। ऐसे मामलों को संयोग कहकर टाल देना आसान है, लेकिन इसे वैज्ञानिक दृष्टि नहीं कहा जा सकता। वैज्ञानिक दृष्टिकोण का अर्थ किसी संभावना को नकारना नहीं होता, बल्कि उसे जांचने, समझने और परखने की प्रक्रिया से गुजरना होता है।

बस्तर के जंगलों में काम कर रहीं एक शोधकर्ता देवयानी शर्मा का प्रयास इस दिशा में एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। उन्होंने ऐसे सैकड़ों वैद्यों को चिन्हित किया है, जो बिना औपचारिक शिक्षा के भी चिकित्सा की गहरी समझ रखते हैं। यह केवल दावों तक सीमित नहीं है। वहां के ट्रांस डिसिप्लिनरी हेल्थ साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालय और आयुष विभाग ने उनके इलाज के तरीकों को सटीक मानते हुए प्रमाणित भी किया है। यह इस बात का संकेत है कि पारंपरिक ज्ञान को पूरी तरह खारिज करना न तो न्यायसंगत है और न ही विवेकपूर्ण। जिस पारंपरिक चिकित्सा को हम आज नजरअंदाज करते दिखाई देते हैं, वह केवल रोग के उपचार तक सीमित नहीं है बल्कि मरीज के साथ एक मानवीय संबंध भी स्थापित करती है।

बस्तर के उदाहरण के आधार पर हर पारंपरिक उपचार को चमत्कारी मान लेना भी उचित नहीं होगा। ऐसा करना उतनी ही बड़ी भूल होगी, जितना पारंपरिक उपचार को पूरी तरह अवैज्ञानिक मान लेना है। आवश्यकता इस बात की है कि अनुभवजन्य ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के बीच संवाद स्थापित किया जाए। इसके लिए पारंपरिक उपचारों का व्यवस्थित दस्तावेजीकरण, उनका वैज्ञानिक परीक्षण और उपयोगी विधियों का व्यापक प्रसार आवश्यक है।

हमारा देश पहले ही जनसंख्या के दबाव से जूझ रहा है। अस्पतालों में सीमित संसाधन और डॉक्टरों की कमी एक गंभीर स्वास्थ्य संकट पैदा कर रही है। ऐसे में यदि पारंपरिक चिकित्सा को समुचित महत्व दिया जाए, तो यह एक सहायक विकल्प के रूप में उभर सकती है। यदि हम अपने जैविक संसाधनों और पारंपरिक ज्ञान को संरक्षित नहीं करेंगे, तो यह विरासत धीरे-धीरे समाप्त हो जाएगी। पेड़ों की अंधाधुंध कटाई केवल पर्यावरणीय संकट नहीं है, बल्कि उस ज्ञान संपदा का भी नुकसान है, जो इन्हीं प्राकृतिक परिवेशों में पनपी है। अफसोसनाक है कि जिस भारत देश में आयुर्वेद और लोक चिकित्सा की इतनी समृद्ध परंपरा रही है, उसी देश में आज इन विधाओं को बिसराया जा रहा है। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

पांच राज्यों में फैले हुए वाहन चोरी गिरोह का भंडाफोड़, 10 गिरफ्तार

- विभिन्न राज्यों से चोरी की 31 लग्जरी गाड़ियां बरामद
- चेसिस नंबर बदलकर दोबारा पंजीकरण करा देते थे

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली पुलिस ने ऊंचे दामों वाली गाड़ियों की चोरी करने, उनके चेसिस नंबर से छेड़छाड़ करने और जाली दस्तावेजों के जरिए उनका दोबारा पंजीकरण कराने वाले एक संगठित अंतर्राज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है।

अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि इस सिलसिले में गिरोह के 10 मुख्य सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है और विभिन्न राज्यों से चोरी की 31 लग्जरी गाड़ियां बरामद की गई हैं, जिनके चेसिस नंबर बदले गए थे। यह मामला अगस्त 2025 में मौर्य एनक्लेव थाने में दर्ज एक ई-प्राथमिकी से संबंधित है, जिसमें पीतमपुरा की एक निवासी ने अपनी एसयूवी चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। बाद में मामले की जांच अपराध शाखा को सौंप दी गई, जिसने जांच के दौरान दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में फैले इस बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ किया। जांच के दौरान पुलिस ने पाया कि यह गिरोह न केवल वाहन चोरी करता था, बल्कि कर्ज की किस्तें न चुकाने के कारण जब्त की गई गाड़ियां भी हासिल करता था और उनके इंजन व चेसिस नंबर बदलकर उन्हें नई पहचान देता था। गिरोह इन वाहनों के पुनः पंजीकरण के लिए फर्जी बिक्री प्रमाण पत्र (फॉर्म-21), जाली पंजीकरण कागजात और बैंक के फर्जी अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) का उपयोग करता था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, उन्होंने चोरी की गाड़ियों को वैध बनाने के लिए एक समानांतर व्यवस्था बना रखी थी और इन्हें अनजान खरीदारों को बेच दिया जाता था। साजिश की गहराई से जांच के लिए अपराध शाखा ने इस साल जनवरी में एक अलग मामला दर्ज किया था। पुलिस ने कई राज्यों में छापेमारी कर सरगना दमनदीप सिंह उर्फ लकी (42) सहित 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया। दमनदीप जालंधर में पुरानी कारों की खरीद-बिक्री का काम करता था और पूरे नेटवर्क को नियंत्रित कर रहा था। अन्य आरोपियों में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर, हिमाचल प्रदेश के पंजीकरण प्राधिकरण का एक लिपिक, चेसिस नंबर बदलने में माहिर मैकेनिक और बिचौलिये शामिल हैं।

तिरंगा फहराकर अंडमान-निकोबार में रचा गया इतिहास

समंदर के भीतर लहराया दुनिया का सबसे बड़ा राष्ट्रीय ध्वज

- समन्वित प्रयास से बनाया नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

श्री विजय पुरम, एजेंसी

अंडमान निकोबार प्रशासन ने शनिवार को राधानगर बीच पर पानी के भीतर दुनिया का सबसे बड़ा राष्ट्रीय ध्वज फहराकर नया ''गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड'' बनाया। यह विशाल तिरंगा स्वराज द्वीप (हैवलॉक द्वीप) में समुद्र के भीतर एक जटिल और सटीक समन्वित अभियान के तहत फहराया गया, जिसमें कई एजेंसियों और प्रशिक्षित गोताखोरों ने भाग लिया।

इस तिरंगे की लंबाई 60 मीटर है जबकि चौड़ाई 40 मीटर है। कार्यक्रम को देखने के लिए उपराज्यपाल डी के जोशी, मुख्य सचिव चंद्र भूषण कुमार और पुलिस महानिदेशक एचएस धालीवाल सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

अंडमान निकोबार पुलिस, वन विभाग, भारतीय नौसेना और भारतीय तटरक्षक बल के कर्मियों के साथ-साथ विभिन्न गोताखारी केंद्रों के गोताखोरों ने पानी के भीतर ध्वज फहराने के इस जटिल अभियान को सफल बनाने में सहयोग किया। सुबह 10:35 बजे, गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के निर्णायक ऋषि नाथ ने औपचारिक रूप से इस उपलब्धि की पुष्टि की और जोशी को प्रमाणपत्र प्रदान किया। सभा को संबोधित करते हुए जोशी ने इस उपलब्धि को द्वीपों की विशिष्ट उपलब्धियों में एक महत्वपूर्ण क्षण बताते हुए इसमें शामिल लोगों के समन्वय और समर्पण की सराहना की। प्रशासन रविवार को स्वराज द्वीप के ''लाइटहाउस डाइव साइट पर सबसे ऊंचा मानव पिरामिड बनाने का एक और गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का प्रयास करेगा, जिसमें उपराज्यपाल और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के शामिल होने की उम्मीद है। यह उपलब्धि अंडमान निकोबार द्वीप समूह को साहसिक पर्यटन, समुद्री गतिविधियों और वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त आयोजनों के लिए एक उभरते गंतव्य के रूप में दर्शाती है।

अंडमान निकोबार प्रशासन ने शनिवार को राधानगर बीच पर दुनिया का सबसे बड़ा राष्ट्रीय ध्वज फहराकर नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया, इसमें कई एजेंसियों और प्रशिक्षित गोताखोरों ने भाग लिया।

न्यूज ब्रीफ

गुरुग्राम में थार ने ऑल्टो को मारी टक्कर

गुरुग्राम। गुरुग्राम के शिवाजी नगर इलाके में शनिवार दोपहर एक बेकाबू थार गाड़ी ने एक ऑल्टो कार को टक्कर मार दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑल्टो का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया और उसमें सवार लोग अंदर ही फंस गए। हालांकि वे सकुशल रहे। स्थानीय लोगों ने उन्हें क्षतिग्रस्त कार से बाहर निकाला। उसने बताया कि कि दुर्घटना के बाद थार चालक ने ऑल्टो सवारों को कथित तौर पर धमकी दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया जा रहा है और कार्रवाई की जाएगी। ऑल्टो सवार विकास कुमार ने अपनी शिकायत में कहा कि वह अपनी कार की सर्विस कराकर घर लौट रहे थे और शिवाजी नगर के एक सरकारी स्कूल के पास सड़क किनारे रुके थे।

सीबीआई अफसरों की सजा बढ़ाने को अपील

नई दिल्ली। भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के पूर्व अधिकारी अशोक कुमार अग्रवाल ने दिल्ली की एक अदालत में अपील दायर कर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के दो अधिकारियों को मारपीट और आवास में जबरन प्रवेश के मामले में दी गई तीन महीने की सजा को बढ़ाने और अधिक मुआवजे का अनुरोध किया है। अग्रवाल ने सत्र न्यायालय में अपील दायर करते हुए तर्क दिया है कि निचली अदालत द्वारा दी गई सजा अपराध की गंभीरता को देखते हुए अपर्याप्त है और उन्होंने एक करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग की है। अपील में कहा गया है कि यह कोई साधारण मामला नहीं है और सजा अपर्याप्त है, यह वरिष्ठ कानून प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा शक्तियों के सुनियोजित दुरुपयोग का मामला है।

भूपेन हजारिका पर नया वृत्तचित्र जारी

नई दिल्ली। एक नए वृत्तचित्र में भूपेन हजारिका संगीत और बचपन से लेकर रिश्तों तक कई विषयों पर बात करते और अपनी कुछ अप्रकाशित कविताओं का पाठ करते हुए नजर आते हैं। यह वृत्तचित्र पूरी तरह से निर्देशक और भूपेन हजारिका के बीच 27 साल पहले हुई अनौपचारिक बातचीत के फुटेज से बना है। निर्देशक बॉबीता शर्मा का कहना है कि भूपेन दा अनकट हजारिका का सच्चा चित्रण है और उनकी रचनात्मक प्रक्रिया, विचारों, भावनाओं और जीवन दर्शन की एक अंतरंग झलक पेश करता है। एक घंटे का यह वृत्तचित्र पूरी तरह से उस समय रिकॉर्ड फुटेज पर आधारित है। 1999 में, असम के चिकित्सकों के एक समूह ने ब्रिटेन की यात्रा की थी।

आप छोड़ने वाले राज्यसभा सदस्य संदीप पाठक पर पंजाब में मुकदमा

भाजपा ने लगाया राज्य सरकार पर बदले की राजनीति करने का आरोप

चंडीगढ़/ नई दिल्ली, एजेंसी

आम आदमी पार्टी (आप) छोड़कर हाल ही में भाजपा में शामिल हुए राज्यसभा सदस्य संदीप पाठक के खिलाफ पंजाब पुलिस ने प्राथमिकियां दर्ज की हैं। सूत्रों ने शनिवार को बताया कि पाठक के खिलाफ गैर-जमानती धाराओं के तहत दो प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। हालांकि, प्राथमिकी के बारे में अब तक कोई अन्य जानकारी सामने नहीं आई है। पाठक उन सात राज्यसभा सदस्यों में शामिल हैं, जिन्होंने आप छोड़कर भाजपा का दामन थामा है।

पंजाब पुलिस की एक टीम दिल्ली गई लेकिन टीम के पहुंचने से पहले ही पाठक एक एसयूवी (स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल) में सवार होकर अपने घर से निकल चुके थे। सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो में पाठक अपने घर से निकलते हुए दिख रहे हैं और कुछ संवाददाता उनसे घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया के बारे में संपर्क करने की कोशिश रहे हैं। दिल्ली स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) के पूर्व प्रोफेसर पाठक को आम आदमी पार्टी (आप) की चुनाव एवं प्रचार रणनीति तैयार करने और पार्टी संगठन को मजबूत करने का श्रेय दिया जाता है। कभी आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के करीबी माने जाने वाले पाठक ने 2022 के पंजाब विधानसभा चुनावों में पार्टी की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। यह घटनाक्रम 30 अप्रैल को पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा ट्राइडेंट लिमिटेड के परिसर पर की गई छापेमारी के तुरंत बाद सामने आया है। राज्यसभा सदस्य राजेंद्र गुप्ता इस कंपनी के मानद चेयरमैन हैं। गुप्ता उन सात सांसदों में से एक हैं जिन्होंने पिछले महीने आप छोड़ दी थी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए थे।

इससे पहले पंजाब पुलिस ने सांसद और पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह की सुरक्षा वापस ले ली थी। आप को 24 अप्रैल को उस समय बड़ा झटका लगा जब उसके 10 राज्यसभा सदस्यों में से सात- राघव चड्ढा, अशोक मित्तल, संदीप पाठक, हरभजन सिंह, राजेंद्र गुप्ता, विक्रमजीत साहनी और स्वाति मालीवाल- ने पार्टी के सिद्धांतों, मूल्यों और मूल सिद्धांतों से भटकने का आरोप लगाते हुए पार्टी छोड़ दी और भाजपा में शामिल हो गए। पार्टी छोड़ने वाले सात सांसदों में से छह पंजाब से निर्वाचित हुए हैं।

पुलिस का दुरुपयोग कर रही पंजाब सरकार : शर्मा

पंजाब भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष अश्विनी शर्मा ने भी पाठक के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी की आलोचना करते हुए इसे राजनीतिक प्रतिशोध करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि आप सरकार राज्य पुलिस का दुरुपयोग राजनीतिक हथियार के रूप में कर रही है। शर्मा ने पंजाबी भाषा में किये गए एक पोस्ट में आरोप लगाया कि राज्यसभा सदस्य संदीप पाठक के आप छोड़कर भाजपा में शामिल होने के बाद पंजाब में उनके खिलाफ गैर–जमानती धाराओं में दर्ज प्राथमिकी से स्पष्ट होता है कि केजरीवाल और मान द्वारा पुलिस को राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह महज एक प्राथमिकी नहीं है। यह भय, दहशत और प्रतिशोध की राजनीति है।

शिअद ने कहा-चुनिंदा लोगों को निशाना बना रही भगवंत मान सरकार

शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के वरिष्ठ नेता बिक्रम सिंह मजीठिया ने आप पर आरोप लगाया कि वह पार्टी से मतभेद रखने वालों को चुनिंदा रूप से निशाना बना रही है। मजीठिया ने सवाल किया कि संदीप पाठक कभी प्रमुख सत्ता केंद्र भगवंत मान और अरविंद केजरीवाल के भरोसेमंद सहयोगी थे। अगर वह तब गलत थे, तो वह अपने ''बॉस'' अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान का अनुसरण कर रहे थे। तो फिर उनके साथ कौन मिलीभगत कर रहा था, और उन्हें अब क्यों नहीं पकड़ा जा रहा है? भाजपा ने आरोप लगाया गया कि पंजाब में कानून व्यवस्था की स्थिति चरमरा गई है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने दावा किया कि पुलिस की कार्रवाई गलत प्राथमिकताओं को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि पंजाब पुलिस पाठक के आवास पर गई और छापेमारी की कोशिश की।

कर्नाटक में एच5एन1 संक्रमण से 44 मोरों की मौत

बेंगलुरु। कर्नाटक के तुमकुरु जिले में एच5एन1 वायरस से 44 मोरों की मौत के बाद वन मंत्री ईश्वर खंड्रे ने शनिवार को अधिकारियों को चिड़ियाघरों और पक्षी अभयारण्यों सहित वन क्षेत्रों में इसके प्रसार को रोकने के लिए सख्त एहतियाती उपाय लागू करने का निर्देश दिया। यह निर्देश भोपाल स्थित आईसीएआर-राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान की प्रयोगशाला रिपोर्ट के बाद जारी किया गया है, जिसमें एच5एन1 एवियन इन्फ्लूएंजा को मृत्यु का कारण बताया गया। राज्य के वन मंत्री के अनुसार, मोरों की मृत्यु 16 से 21 अप्रैल के बीच तुमकुरु जिले के उर्दिगेरे होबली के बोम्मनहल्ली तथा कोलीहल्ली गांवों एवं गुलूर होबली के बैरासंद्रा और हुल्लेनहल्ली गांवों में हुई।

खंड्रे ने प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) और मुख्य वन्यजीव वार्डन को संबोधित एक पत्र में कहा कि इस संदर्भ में, केंद्र सरकार की संशोधित एच5एन1 कार्ययोजना के अनुरूप सभी वन क्षेत्रों में संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए निर्देश जारी किए गए हैं। इसमें चिड़ियाघर, पक्षी अभयारण्य, मगदी झील और कोकरे बेलूर स्थित सामुदायिक अभायरण्य शामिल हैं। निर्देश दिया कि पक्षियों की किसी भी मृत्यु की सूचना तुरंत दी जानी चाहिए और मृत पक्षियों के नमूने एकत्र करके परीक्षण के लिए भेजे जाने चाहिए।

फाल्टा में चुनाव बाद हिंसा के लिए तीन लोग गिरफ्तार

- पंचायत प्रधान के खिलाफ पुलिस ने दर्ज किया मामला

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल पुलिस ने शनिवार को दक्षिण 24 परगना जिले के फाल्टा से तीन लोगों को चुनाव के बाद मतदाताओं को डराने-धमकाने के आरोप में गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पंचायत प्रधान और एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज की गई है।

अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान अतिबुर रहमान, हबीब शेख और हबीब मुल्ला के रूप में हुई है, जो फाल्टा से टीएमसी उम्मीदवार जहांगीर खान के करीबी सहयोगी हैं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि चुनाव के बाद डराने-धमकाने और हिंसा की शिकायतों के बाद गिरफ्तारियां की गईं। विस्तृत जांच जारी है। उन्होंने बताया कि पुलिस प्रधान इशराफिल चकदार और उनके सहयोगी सुजाउद्दीन शेख की तलाश में छापेमारी कर रही है। सूत्रों ने बताया कि मतदान समाप्त होने के बाद लोगों को धमकाने में उनकी संलिप्तता के आरोपों की भी जांच की जा रही है। पुलिस ने कहा कि मामले में और गिरफ्तारियां होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। फाल्टा के कई बूथ से मतदान के दिन (29 अप्रैल) कई आरोप सामने आए थे, जिनमें ईवीएम पर अंकित चुनाव चिह्न पर टेप चिपकाने, मतदान केंद्रों के अंदर भीड़भाड़, बूथों के बाहर झड़पें और मतदाताओं को डराने-धमकाने के प्रयास शामिल थे।

टीएमसी के खिलाफ सैकड़ों ने किया प्रदर्शन

पश्चिम बंगाल में दक्षिण 24 परगना जिले के फाल्टा में मतगणना के बाद सुरक्षा मुहैया कराने की मांग को लेकर शनिवार को सैकड़ों ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि उन्हें टीएमसी कार्यकर्ताओं की ओर से जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। हाशिमनगर गांव में बड़ी संख्या में महिलाएं हाथों में भाजपा के झंडे लेकर सड़क पर उतर आईं और आरोप लगाया कि स्थानीय पंचायत प्रधान तथा तृणमूल उम्मीदवार जहांगीर खान के करीबी इसराफील ने चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद हमले की धमकी दी है। स्थिति को देखते हुए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के उप-कमांडेंट बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मियों के साथ प्रदर्शनकारियों के पास पहुंचे और सुरक्षा का भरोसा दिया। वहीं, खान ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि यह प्रदर्शन भाजपा द्वारा प्रायोजित है।

पुणे में यौन उत्पीड़न के बाद चार वर्षीय बच्ची की हत्या, आरोपी बुजुर्ग गिरफ्तार

- खाने का लालच देकर फुसलाया और मवेशियों के बाड़े में दुष्कर्म के बाद कर दी हत्या

पुणे, एजेंसी

महाराष्ट्र के पुणे जिले में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले 65 वर्षीय मजदूर ने चार वर्षीय बच्ची का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। घटना को लेकर आक्रोश और प्रदर्शन के बीच पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने प्रदर्शनकारी ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि मामले में 15 दिन के भीतर आरोपपत्र दाखिल किया जाएगा और इसकी सुनवाई त्वरित अदालत में होगी। यह घटना भोर तहसील के एक गांव में हुई। अधिकारी ने कहा कि आरोपी ने बच्ची को कथित तौर पर खाना दिलाने का लालच देकर फुसलाया और वह उसे मवेशियों के बाड़े में ले गया जहां उसने उसका यौन उत्पीड़न किया और फिर उसकी हत्या कर दी। उन्होंने कहा कि बच्ची के लापता होने पर उसके रिश्तेदारों ने उसकी तलाश शुरू की और इसी दौरान एक निजी आवास के सीसीटीवी फुटेज में आरोपी, बच्ची के साथ नजर आया जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के संबंधित प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस घटना से इलाके में आक्रोश फैल गया और सैकड़ों ग्रामीणों ने पुलिस चौकी पर एकत्र होकर आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। बाद में लोगों की भीड़ ने मुंबई-बेंगलुरु राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया जिससे यातायात बाधित हो गया। पुणे ग्रामीण पुलिस अधीक्षक संदीप सिंह गिल ने लोगों को आश्वासन दिया कि मामले में 15 दिन के भीतर आरोपपत्र दाखिल किया जाएगा और सुनवाई त्वरित अदालत में होगी। गिल ने शनिवार को कहा कि आरोपी का आपराधिक इतिहास रहा है।

जम्मू में पुल हादसे में तीन श्रमिकों की चली गई जान

जम्मू। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जम्मू शहर के बाहरी इलाके में पुल गिरने से तीन श्रमिकों की मौत पर शनिवार को दुख व्यक्त किया। अधिकारियों के अनुसार, शुक्रवार रात बंतलाब क्षेत्र में मरम्मत के दौरान पुल का एक हिस्सा गिर गया। 12 घंटे लंबे तलाशी अभियान के बाद मलबे से तीन शवों को निकाला गया जबकि दो घायलों को बचाया गया। उपराज्यपाल कार्यालय ने ''एक्स'' पर एक पोस्ट में कहा कि जम्मू के बंतलाब में पुल ढहने से हुई जनहानि पर अत्यंत दुखी हूं। मैं शोकसंतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।

वंदे भारत का सफर...

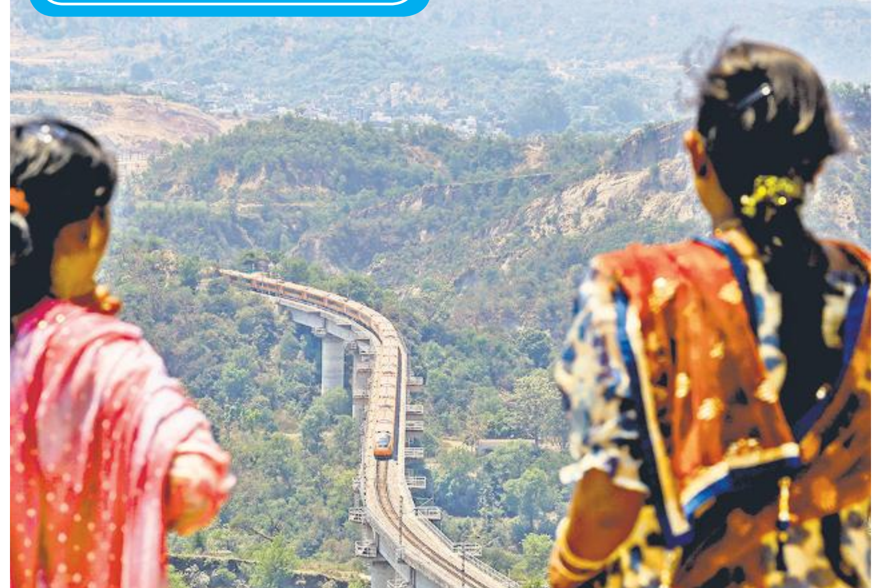

जम्मू के बाजलता में आम जनता के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की नियमित सेवा शुरू की गई। इस दौरान जम्मू से श्रीनगर जाते हुए वंदे भारत एक्सप्रेस को कौतुहल से देखती महिलाएं।

विचार

कर्मयोगी पुरस्कार समारोह में बोले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत

आदिवासियों-अनुसूचित जातियों ने सहेजी भारत की पहचान

मुंबई, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि विदेशी आक्रमणों और कठिनाइयों के बावजूद आदिवासी समुदायों तथा अनुसूचित जातियों ने देश की पहचान और आत्मा को सहेजकर रखा। वह यहां कर्मयोगी पुरस्कार समारोह में बोल रहे थे, जहां केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी भी उपस्थित थे।

भागवत ने कहा कि मानव जीवन दुनिया को कुछ वापस देना होता है, क्योंकि हम सभी एक महान परिवार का हिस्सा हैं। एक व्यक्ति समाज की बेहतरी के लिए काम करता है, उपकार के तौर पर नहीं, बल्कि कर्तव्य के रूप में। दूसरों की सेवा करके हम अपना विकास करते हैं। दूसरों को आगे बढ़ने में मदद करके हम स्वयं को उन्नत करते हैं और एक बेहतर इंसान बनते हैं। यह सिद्धांत इस भारतीय भूमि का मूल मूल्य है, जिसे आमतौर पर हिंदू समाज के रूप में जाना जाता है। उन्होंने कहा कि यह समाज का वह चिरस्थायी लोकाचार है, जो हजारों वर्षों से कायम है। विभिन्न कारणों से, आंशिक रूप से हमारी उदासीनता के कारण और आंशिक रूप से विदेशी आक्रमण के कारण, इस लोकाचार को संरक्षित करने वालों को भारी कीमत चुकानी पड़ी। आरएसएस प्रमुख भागवत ने कहा कि विदेशी आक्रमणकारियों ने देखा कि यही लोकाचार, समाज का यही मूल्य इसकी आत्मा है और इसे बनाए रखने की कुंजी है, इसलिए विदेशी आक्रमणकारियों ने इस आत्मा को संरक्षित करने वालों को जड़ से उखाड़ फेंकने का प्रयास किया और इस कारण उन लोगों को घोर कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि हालांकि विदेशी आक्रमणों और कठिनाइयों के बावजूद आदिवासी समुदायों और अनुसूचित जातियों ने देश की पहचान और उसकी आत्मा को संरक्षित रखा। भागवत ने कहा, इतनी विपरीत परिस्थितियों के बावजूद, आदिवासी समुदायों और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समूहों के बीच देश की मूल पहचान बरकरार रही।

सबल भारत ही बन सकता है विश्व का आधार

वैश्विक घटनाक्रमों का उल्लेख करते हुए भागवत ने कहा कि जिस तरह से दुनिया इस समय डांवाडोल हो रही है, वैश्विक उथल–पुथल मची है, ऐसे में सुदृढ़ और सबल भारत ही विश्व का आधार बन सकता है। भागवत ने कहा कि देश को न केवल अपने हितों की रक्षा करनी चाहिए बल्कि विश्व को भी समर्थन देना चाहिए। उन्होंने कहा, विश्व को यह दिखना चाहिए कि देश न केवल अपनी समस्याओं का समाधान कर रहा है, बल्कि विश्व को भी इसी तरह की समस्याओं से निपटने में मदद कर रहा है। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि समाज सेवा कोई उपकार नहीं बल्कि एक कर्तव्य है जो स्वयं के विकास में योगदान देता है।

एकतरफा प्रेम में हुई झड़प में दो लोगों की गई जान

नई दिल्ली। दिल्ली के जखीरा इलाके में कथित तौर पर एकतरफा प्रेम से जुड़े लंबे समय से जारी विवाद के कारण दो गुटों के बीच हुई झड़प में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस को शुक्रवार को एक झगड़े के संबंध में सूचना मिली थी। पुलिस ने बताया कि उत्तरी दिल्ली के सराय रोहिल्ला इलाके में उसकी टीम के पहुंचने से पहले ही घायलों को दीप चंद बंधु अस्पताल ले जाया जा चुका था। गंभीर रूप से घायल कुछ लोगों को बाद में बेहतर उपचार के लिए लोक नायक जय प्रकाश अस्पताल रेफर किया गया।

भारत वैश्विक संकटों को अवसर में बदले : नड्डा

- वाइब्रेंट गुजरात के समापन समारोह में बोले केंद्रीय मंत्री

सूरत, एजेंसी

केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा ने शनिवार को कहा कि भारत को घरेलू ताकत बढ़ाने के लिए मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं को अवसरों में बदलना चाहिए। नड्डा ने 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए विनिर्माण क्षमता, लचीलेपन और आत्मनिर्भरता बढ़ाने का आह्वान किया।

दक्षिण गुजरात के दो-दिवसीय 'वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन' के समापन समारोह को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि हालिया वैश्विक घटनाक्रम रणनीतिक निर्भरता कम करने और आपूर्ति शृंखला को मजबूत करने की आवश्यकता को रेखांकित करते हैं। उन्होंने कहा, हालिया वैश्विक अनिश्चितता इस बात का संकेत है कि हमें संकटों को अवसरों में बदलना चाहिए। हमें क्षेत्रीय सम्मेलनों के माध्यम से अपने विनिर्माण क्षेत्रों पर अधिकतम ध्यान देना होगा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आर्थिक शक्ति केवल विकास के बारे में ही नहीं है, बल्कि यह लचीलेपन, आत्मनिर्भरता और रणनीतिक स्वायत्तता के बारे में भी है।

आईपीओ लाने के लिए सेबी की मंजूरी

नयी दिल्ली। जेनेरिक दवा बनाने वाली कंपनी हिंदुस्तान लैबोरेटरीज और स्टील ट्यूब्स व पाइप विनिर्माता आरके स्टील मैन्युफैक्चरिंग कंपनी को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की मंजूरी मिल गई है। बाजार नियामक ने एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी।

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन :- तुलसी 2565, राज श्री 1920, फॉर्चुन कि. 2695, रविन्द्रा 2480, फॉर्चुन 13kg 2370, जय जवान 2070, सचिन 2320, सूरज 2080, अवसर 2130, उजाला 2060, गृहणी 13 kg 2170, क्लासिक (kg) 2455, मोर 2285, चक्र टिन 2535, ब्लू 2410, आशीर्वाद मस्टर्ड 2400, स्वास्तिक 2520 **किराना :-** निजामाबाद हल्दी 16000-18000, जीरा 25500, लाल मिर्च 21500-24000, धनिया 14000-18000, अजवायन 14000-19000, मेथी 7000-8000 सौंफ 11000-20000, सौंठ 33000, (प्रतिकिo) लौंग 850-1000, बादाम 750-1050, काजू 2 पीस 830, किसमिस पीली 330-380, मखाना 800-1150 **चावल (प्रति कुo) :-** डबल चाबी सेला 10800, आभा स्पाइस 8300, शरबती कच्ची 6500, शर्बती स्टीम 6500, मंसूरी 4500, महबूब सेला 4600, गौरी रॉयल 10200, राजभोग 8250, हरी पत्ती (1kg,5kg) 11700, हरी पत्ति नेचुरल 10900, गौरी स्पेशल 10100, गौरी प्रीमियम 11500, जन्नत 3700, गौरी डिलाइट 10800, मंसूरी परमट 4400, लाडली 4400 **दाल दलहन :-** मूंग दाल इंदौर 9900, मूंग धोवा 10100, राजमा चित्रा 11500-13000, राजमा भूटान नया 10100, मलका छांटी 7250-7450 मलका दाल 7450-9600, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800-9800, मसूर दाल छोटी 10700-12200, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800-11500, चना काला 7200, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7400, चना अकोला 6600, डबरा 7000-8400, सब्बा मोती 8700, मोटा सफेद 9700, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11000-11600, अरहर कोरी छोटी 12600 **चीनी :-** द्वारकेश 4300, बहेड़ी 4280, सितारगंज 4250

बरेली सर्राफा

दाम प्रति 10 ग्राम - सोना पक्के आभूषण 152800, सोना गिन्नी जेब 148800, चांदी (पक्की) 2490 (अनुमानित)

बिजनेस ब्रीफ

एक्सिस बैंक की पहली डिजिटल लॉकर-केंद्रित शाखा शुरू

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के बैंक एक्सिस बैंक ने शनिवार को यहां अपनी पहली डिजिटल लॉकर-केंद्रित शाखा का उद्घाटन किया। एक्सिस बैंक ने बयान में कहा कि यह शाखा सुरक्षित बैंकिंग को नए सिरे से परिभाषित करने की दिशा में एक कदम है। इसमें उन्नत स्वचालन, उच्च स्तरीय सुरक्षा और अत्याधुनिक लॉकर सेवाओं के माध्यम से ग्राहकों को बेहतर अनुभव देने पर जोर दिया गया है।

कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दामों में भारी बढ़ोतरी से देश भर में नाराजगी

बढ़ेगी महंगाई और कालाबाजारी, कटेगी पब्लिक की जेब

कारोबार डेस्क

वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में भारी बढ़ोतरी के साइड इफेक्ट दिखायी देने लगे हैं। इस मूल्यवृद्धि को लेकर देश भर के लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। दिल्ली से लेकर हिमाचल प्रदेश और समूचे उत्तर प्रदेश में हालात एक जैसे हैं। होटल रेस्तरां संचालक इससे महंगाई बढ़ने की आशंका से ग्रस्त हैं।

बता दें कि एक दिन पहले सरकार द्वारा वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर के दाम में 993 रुपये की भारी वृद्धि की गई है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी के बीच लगातार तीसरे महीने कीमतों में इजाफा किया गया है।

नई दिल्ली में नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के मानद कोषाध्यक्ष मनप्रीत सिंह ने कहा कि रेस्तरां पहले से ही आपूर्ति संबंधी चुनौतियों और बढ़ती लागत से जूझ रहे हैं। सिलेंडर की उपलब्धता में कठिनाई है और कई असंगठित क्षेत्रों में कालाबाजारी भी बढ़ रही है। कहा कि जो कीमत पहले करीब 1,600 रुपये थी और छूट के साथ 1,300 रुपये तक आ जाती थी, वह अब बढ़कर 3,000 से 4,000 रुपये प्रति सिलेंडर हो गई है।

एसोसिएशन ने रेस्टोरेंट्स को दीर्घकालिक समाधान के रूप में पाइप वाली रसोई गैस (पीएनजी) कनेक्शन की ओर जाने की सलाह दी है। पश्चिमी दिल्ली के एक रेस्तरां संचालक ने कहा कि यह स्थिति लंबी चली तो मेन्यू की कीमतें बढ़ानी पड़ेंगी।

इसी तरह हिमाचल प्रदेश के शिमला में 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक सिलेंडर की कीमत बढ़कर अब 3,071 रुपये हो गई है, जबकि पांच किलोग्राम सिलेंडर का दाम 549 रुपये से बढ़कर 810 रुपये हो गया है, जो करीब 48 प्रतिशत वृद्धि है। होटल, रेस्तरां या फिर मिष्ठान भंडार संचालक, सभी का कहना है कि इसका असर सिर्फ ग्राहकों पर ही नहीं बल्कि पर्यटकों पर भी पड़ेगा क्योंकि कीमतों का बोझ अंततः उपभोक्ताओं की जेब पर ही डाला जाएगा। इससे कारोबार पर भी असर पड़ेगा।

रेस्टोरेंट और अन्य उत्पादों पर होगा असर

कानपुर। कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम में की गयी बढ़ोतरी फूड सेक्टर सहित अन्य उद्योगों को प्रभावित करेगी। बाजार विशेषज्ञ रेस्टोरेंट और दुकानों में मिलने वाले पकवान भी महंगे होने की संभावना जता रहे हैं। फिलहाल माना जा रहा था कि कॉमर्शियल सिलेंडर की कमी के दूर होने पर दामों में वृद्धि कम होगी, लेकिन सिलेंडर के रेट बढ़ने से यह उम्मीद भी टूट गई है।

उत्तर प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग को 12 सौ करोड़ का बजट

सुधरेगी अस्पतालों की व्यवस्था, सेवाओं को मिलेगी मजबूती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग (सार्वजनिक स्वास्थ्य) के अंतर्गत प्रावधानित बजट में विभिन्न योजनाओं और मदों में व्यय के लिए 12 अरब 4 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि को प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। इस बजट से प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने, अस्पतालों की कार्यप्रणाली सुधारने और जनकल्याणकारी योजनाओं को गति देने में मदद मिलेगी।

स्वास्थ्य विभाग में सचिव रितु माहेश्वरी द्वारा स्वास्थ्य महानिदेशक को जारी आदेश के अनुसार, कार्यालय व्यय के लिए 25 करोड़ 48 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। परिवार कल्याण प्रशिक्षण केंद्रों के सुदृढ़ीकरण के लिए 18 करोड़ 61 लाख 41 हजार रुपये स्वीकृत किए गए हैं। वहीं स्वास्थ्य तथा खाद्य एवं औषधि नियंत्रण विभाग के लिए सबसे अधिक 11 अरब 11 करोड़ 11 लाख 79 हजार रुपये का बजट निर्धारित किया गया है। इसके अलावा वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के लिए 31 करोड़ 38 लाख 50 हजार रुपये, राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण योजनाओं के लिए 8 करोड़ 70 लाख 19 हजार रुपये तथा जन्म-मरण पंजीकरण प्रणाली के लिए 9 करोड़ 1 लाख 50 हजार रुपये स्वीकृत किए गए हैं। खाद्य एवं औषधि प्रशासन के लिए भी 22 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है।

स्वास्थ्य महानिदेशक का मानना है कि इस बजट से प्रदेश में अस्पतालों की व्यवस्थाएं बेहतर होंगी, दवाओं की उपलब्धता में सुधार आएगा और विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सकेगा। साथ ही, प्रशिक्षण और निगरानी तंत्र को मजबूत कर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने पर भी विशेष जोर दिया जाएगा।

- परिवार कल्याण प्रशिक्षण केंद्रों के सुदृढ़ीकरण को 18 करोड़ 61 लाख
- ऑफिस खर्च को 25 करोड़ 48 लाख
- वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के लिए 31.5 करोड़ का प्रावधान

राष्ट्रीय फल निर्यात सम्मेलन 6-7 मई को लखनऊ में

लखनऊ। आईसीएआर-सेंट्रल इंस्टीट्यूट फॉर सबट्रॉपिकल हॉर्टिकल्चर के तत्वावधान में 6-7 मई को "फ्रूट होराइजन 2026: ग्लोबलाइजिंग इंडियाज फ्रूट वैल्यू चेन" विषय पर राष्ट्रीय फल निर्यात सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

सम्मेलन में देशभर के फल निर्यातक, विशेषज्ञ और उद्योग से जुड़े हितधारक भाग लेंगे। यहां रैनेसां लखनऊ होटल में 6 मई को सायं 5 बजे से केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान निर्यातकों से सीधे संवाद करेंगे। उनकी शिकायतें और सुझाव भी सुनेंगे। अगले दिन 7 मई को आईसीएआर-सीआईएसएच, रहमानखेड़ा में क्रेता-विक्रेता बैठक, तकनीकी सत्र और व्यावसायिक चर्चा आयोजित होंगी।

निवेश की पाठशाला

पार्टनर कैसे बिगाड़ सकता है आपका CIBIL स्कोर

कारोबार डेस्क

शादी के बाद जब दो लोग एक होते हैं तो उनकी संपत्ति और विपत्ति भी आपस में जुड़ जाती है, लेकिन पति-पत्नी की क्रेडिट रिपोर्ट अपने आप गठबंधन नहीं करती। दोनों का वित्तीय इतिहास तब तक अलग-अलग ही रहता है, जब तक वे दोनों मिलकर कोई ज्वाइंट अकाउंट नहीं चलाते या संयुक्त रूप से कोई ऋण या क्रेडिट कार्ड साझा नहीं करते हैं। यदि करते हैं तो एक का खराब फाइनेंसियल विहेवियर दूसरे क्रेडिट स्कोर को प्रभावित करता है। आईए समझते हैं-

अच्छा क्रेडिट स्कोर क्यों जरूरी

क्रेडिट स्कोर 300 से 900 के बीच की वह संख्या है जो कर्ज देने वाली संस्था को आपके वित्तीय व्यवहार की जानकारी देती है। लेकिन विशेष बात ये कि ये स्थिर नहीं रहता। अपने वित्तीय व्यवहार में बदलाव कर आप खराब क्रेडिटस्कोर से सुधार सकते हैं। इसके लिए आपको 6 माह से एक साल पर अति अनुशासित रहना होता है।

शादी के बाद क्रेडिट इतिहास जुड़ने की शर्त

- शादी का गठबंधन आपकी क्रेडिट रिपोर्ट को आपस में नहीं जोड़ता। यह कब एक-दूसरे पर असर डालता है, इसके लिए कुछ विशेष परिस्थितियां होती हैं। कुछ यहां दी जा रही हैं-
- **अलग खाते :** अगर पति-पत्नी अपने खाते और लोन अलग रखते हैं, तो एक-दूसरे की वित्तीय गतिविधियों का परस्पर क्रेडिट रिपोर्ट पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।
- **शादी से पहले का ऋण :** शादी से पहले लिया गया कोई भी ऋण केवल लेने वाले के नाम पर ही रहता है, जब तक कि उसे संयुक्त रूप से दोबारा फाइनेंस न किया जाए।
- **ज्वाइंट लोन :** जब आप कोई ज्वाइंट लोन लेते हैं, वह दोनों की रिपोर्ट में दिखने लगता है।
- **गारंटर या को-साइनर बनना :** जब आप किसी के लोन में को-साइनर बनते हैं, तो आप उस कर्ज के लिए कानूनी रूप से उत्तरदायी बन जाते हैं। इससे आपके स्कोर पर सीधा असर पड़ता है।

क्रेडिट स्कोर का 5 'C' फॉर्मूला :

- बैंक आपकी साख को मापने के लिए अक्सर 5 चीजों पर ध्यान देते हैं :

1- Character (चरित्र) : यह आपके पुराने पुनर्भुगतान इतिहास और अनुशासन से तय होता है।
2- Capacity (क्षमता) : आय और रोजगार की स्थिरता के आधार पर कर्ज चुकाने की ताकत।
3- Capital (पूंजी) : आपकी बचत, निवेश और व्यक्तिगत संपत्ति का आकलन।
4- Collateral (गारंटी) : वह संपत्तियां जिन्हें आप ऋण के लेते समय गिरवी रख सकते हैं।
5- Conditions (शर्तें) : लोन का उद्देश्य और स्थितियां जो अदायगी को प्रभावित कर सकती हैं।

काम की बात

- शादी के बाद अपनी वित्तीय स्वतंत्रता बनाए रखते हुए संयुक्त लक्ष्यों को प्राप्त करना एक आर्ट है। पति या पत्नी का खराब सिबिल स्कोर यूं ही आपका खाता नहीं बिगाड़ता। जब आप संयुक्त रूप से ऋण लेते हैं तो इसकी अदायगी में अतिरिक्त सावधानी जरूरी हो जाती है। किसी एक की चूक दूसरेका क्रेडिट स्कोर बिगाड़ सकती है। इसलिए अपनी मुफ्त क्रेडिट रिपोर्ट जरूर चेक करते रहे, ताकि शारीरिक, मानसिक के साथ वित्तीय सेहत भी सही रहे।

फेमा एफडीआई नियमों में ढील, अधिसूचना जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्रालय ने एक अधिसूचना के माध्यम से उन विदेशी कंपनियों को फेमा के तहत स्वचालित मार्ग से भारत में निवेश करने की अनुमति देने के फैसले को अधिसूचित किया है, जिनमें चीन की हिस्सेदारी 10 प्रतिशत तक है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मार्च में डीपीआईआईटी के 2020 के प्रेस नोट-3 में संशोधनों को मंजूरी दी थी।

इन संशोधनों के अनुसार, जिन विदेशी कंपनियों में चीन या हांगकांग की हिस्सेदारी 10 प्रतिशत तक है, वे उन क्षेत्रों में स्वचालित मार्ग के तहत भारत में निवेश कर सकती है, जहां एफडीआई की अनुमति है, जो क्षेत्रीय शर्तों के अधीन होगा। हालांकि, यह रियायत चीन, हांगकांग या भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले अन्य देशों में पंजीकृत कंपनियों पर लागू नहीं होगी।

मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद, उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने मार्च में प्रेस नोट 2 (2026 श्रृंखला) के माध्यम से इसे अधिसूचित किया था। आर्थिक कार्य विभाग (डीईए) की अधिसूचना के अनुसार, लाभकारी स्वामी अभिव्यक्ति का वही अर्थ होगा जो धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 की धारा 2 की उप-धारा (1) के खंड (एफए) में दिया गया है।

पीएमएलए नियम के अनुसार नियंत्रणकारी स्वामित्व हित का अर्थ कंपनी के 10 प्रतिशत से अधिक शेयरों या पूंजी या लाभ पर स्वामित्व या पात्रता से है।

रोहित जैन रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर नियुक्त

नयी दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने रोहित जैन को तीन साल के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया है। जैन, टी रबी शंकर का स्थान लेंगे, जिनका विस्तारित कार्यकाल शनिवार को समाप्त हो गया।

सूत्रों ने बताया कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने तीन मई या उसके बाद पदभार ग्रहण करने की तारीख से तीन साल के लिए उनकी नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। रोहित जैन इस समय आरबीआई में कार्यकारी निदेशक के पद पर कार्यरत हैं।

34 साल पुरानी स्पिरिट एयरलाइंस बंद, 17 हजार नौकरियों पर संकट

खत्म हुआ बेहद सस्ती हवाई दरों के लिए चर्चित कंपनी का सफर

वेस्ट पाम बीच, एजेंसी

अमेरिका की प्रमुख किफायती विमानन सेवा प्रदाता 'स्पिरिट एयरलाइंस' ने शनिवार को अपना कारोबार पूरी तरह बंद करने की घोषणा की। अपने अनूठे विज्ञापनों और बेहद सस्ती हवाई दरों के लिए चर्चित इस कंपनी का सफर 34 साल बाद समाप्त हो गया है।

चमकीले पीले रंग के विमानों का संचालन करने वाली इस कंपनी ने बताया कि उसने तत्काल प्रभाव से अपने परिचालन को व्यवस्थित रूप से बंद करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस एयरलाइन में लगभग 17,000 कर्मचारी काम करते थे।

एयरलाइन ने अपनी वेबसाइट पर जारी बयान में कहा कि उसकी सभी उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। कंपनी ने कहा कि हमें पिछले 34 वर्षों के दौरान उद्योग पर अपने 'अति-निम्न लागत मॉडल' के प्रभाव पर गर्व है। हमें उम्मीद थी कि हम आने वाले कई वर्षों तक यात्रियों की सेवा करते रहेंगे। यात्रियों से कहा कि वे धन वापसी की उम्मीद कर सकते हैं, लेकिन दूसरी एयरलाइन में यात्रा के लिए कोई सहायता नहीं दी जाएगी।

शुक्रवार को सरकार की ओर से कोई वित्तीय पैकेज न मिलने के बाद से ही कंपनी के बंद होने की आशंका जताई जा रही थी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा था कि उनकी सरकार ने इस बजट एयरलाइन को सरकारी धन से बचाने के लिए अंतिम प्रस्ताव दिया था, लेकिन कोई समझौता नहीं हो सका। ईरान युद्ध के कारण विमान ईंधन की कीमतों में भारी उछाल के बीच एयरलाइन दो साल से भी कम समय में दूसरी बार दिवालिया प्रक्रिया से गुजर रही थी। एयरलाइन के वकील मार्शल ह्यूब्नर के अनुसार, इस बंदी से लगभग 17,000 नौकरियों पर असर पड़ सकता है।

कोविड के बाद से संकट से जूझ रही थी एयरलाइन

स्पिरिट एयरलाइंस कोविड-19 महामारी के बाद से ही बढ़ती परिचालन लागत और कर्ज के कारण वित्तीय संकट से जूझ रही थी। नवंबर 2024 में जब इसने पहली बार 'चैप्टर 11' (दिवालिया संरक्षण) के लिए आवेदन किया था, तब तक इसे 2020 की शुरुआत से 2.5 अरब डॉलर से अधिक का घाटा हो चुका था। अगस्त 2025 में कंपनी ने दोबारा दिवालिया संरक्षण के लिए आवेदन किया। अदालती दस्तावेजों के अनुसार, उस समय कंपनी पर 8.1 अरब डॉलर का कर्ज था।

रूफटॉप सोलर में यूपी ने बनाया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

पांच लाख से ज्यादा संयंत्र लगे, 65 हजार से अधिक लोगों को मिला रोजगार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश ने रूफटॉप सोलर ऊर्जा के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर नया रिकॉर्ड कायम करते हुए पहला स्थान हासिल कर लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में अब तक 5,00,115 से अधिक रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं।

इस अभियान के तहत कुल 8,94,217 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें बड़ी संख्या में संयंत्रों की स्वीकृति और स्थापना पूरी की गई। इससे राज्य में 1,696.68 मेगावाट की क्षमता तैयार हुई है, जो ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार ने 3,038.08 करोड़ रुपये और राज्य सरकार ने 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की सब्सिडी प्रदान की है। अधिकारियों के अनुसार, इन संयंत्रों से प्रतिदिन करीब 5 करोड़ रुपये मूल्य की बिजली का उत्पादन हो रहा है, जिससे उपभोक्ताओं की लागत घटी है और कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आई है।

रोजगार के मोर्चे पर भी योजना का सकारात्मक असर दिखा है। करीब 5,000 कंपनियों के माध्यम से 65,000 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिला है। इसके अलावा बड़ी संख्या में लोग अप्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित हुए हैं।

साथ ही, छतों पर संयंत्र लगाने से लगभग 6,500 एकड़ भूमि का संरक्षण भी संभव हुआ है।

स्थापना की रफ्तार ने बनाया रिकॉर्ड

अप्रैल 2026 में महज 30 दिनों के भीतर 51,882 संयंत्र स्थापित किए गए, जो अब तक का सबसे तेज प्रदर्शन है। इस दौरान औसतन 1,729 संयंत्र प्रतिदिन लगाए गए, जबकि मार्च में यह औसत 1,700 था। ऊर्जा क्षेत्र में इस उपलब्धि के साथ उत्तर प्रदेश ने देश में अपनी अग्रणी स्थिति और मजबूत कर ली है।

सीपीएआई प्रतिनिधियों ने की सेबी और बाजार संस्थानों से व्यवसाय सुगमता बढ़ाने पर चर्चा

नई दिल्ली। कमोडिटी एंड कैपिटल मार्केट पार्टिसिपेंट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीपीएआई) के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने 28-29 अप्रैल, 2026 को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) तथा देश के प्रमुख मार्केट इन्फ्रास्ट्रक्चर संस्थानों के साथ महत्वपूर्ण रणनीतिक बैठकों का आयोजन किया। इन बैठकों में नियामकीय सुधार, बाजार विस्तार और वित्तीय क्षेत्र में व्यवसाय सुगमता बढ़ाने पर चर्चा हुई।

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व चीफ मेंटर अशोक अग्रवाल और राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव अग्रवाल ने किया। प्रतिनिधिमंडल में उपाध्यक्ष वीरेंद्र मनसुखानी, जय प्रकाश गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष नरेंद्र वाधवा, बी.के. सभरवाल, पश्चिमी क्षेत्र अध्यक्ष अजय केजरीवाल और उपाध्यक्ष अजय केडिया शामिल थे। पहले दिन सेबी के पूर्णकालिक सदस्य अमरजीत सिंह, संदीप प्रधान और के.वी.आर. मूर्ति तथा कार्यकारी निदेशक अमित प्रधान, राम मोहन राव, डॉ. सदानंद दाते, जीवन सोनपारोटे और मनोज कुमार के साथ चर्चा हुई। साथ ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एमडी आशीष चौहान, बीएसई के एमडी सुंदररामन राममूर्ति और आईसीसीएल की एमडी देवीका बाबू के साथ भी विचार-विमर्श किया गया। दूसरे दिन सेबी के कार्यकारी निदेशक शशिकुमार और सुनील कदम के अलावा एमसीएक्स की एमडी प्रविणा राय और एमसीएक्ससीसीएल के एमडी ऋषि नाथानी के साथ कमोडिटी बाजार पर चर्चा हुई। साथ ही कृषि और इक्विटी डेरिवेटिव्स पर भी संवाद हुआ।

इंवेस्टमेंट

उत्तर प्रदेश ने सोना-चांदी निवेश में लगाई लंबी छलांग

गोल्ड में 321 और सिल्वर ईटीएफ में 679 प्रतिशत का जबरदस्त बूम

कारोबार संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सोने-चांदी के आसमान छूते भाव, शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव और वैश्विक अनिश्चितता के बीच ईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड) निवेशकों का पसंदीदा सेक्टर बनकर उभरा है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड (एम्फी) के पिछले एक साल के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में गोल्ड ईटीएफ और सिल्वर ईटीएफ में जबरदस्त बूम आया है।

गोल्ड में 321 फीसदी और सिल्वर में 679 फीसदी का उछाल दर्ज किया गया है। इस अप्रत्याशित निवेश से बाजार के जानकार भी हैरान हैं। ईटीएफ निवेश में लखनऊ प्रथम तो कानपुर दूसरे स्थान पर है। आगरा तीसरे, वाराणसी चौथे और प्रयागराज पांचवें स्थान पर है। एम्फी की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, देश में अब तक गोल्ड ईटीएफ में 178521.79 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है।

आर्थिक विशेषज्ञ राजीव सिंह के अनुसार इसमें उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी 2703.37 करोड़ रुपये है, जो 1.15 प्रतिशत है। सिल्वर व अन्य ईटीएफ में कुल निवेश 930915.21 करोड़ रुपये है। इसमें प्रदेश का हिस्सा 0.67 प्रतिशत है। देश स्तर पर ये आंकड़ा भले ही कम हो लेकिन मार्च 2025 के मुकाबले मार्च 2026 में यूपी में गोल्ड ईटीएफ में निवेश 642 करोड़ रुपये से बढ़कर 2,703 करोड़ रुपये हो गया है। इसी तरह सिल्वर ईटीएफ में 167 करोड़ से बढ़कर 1,299 करोड़ रुपये तक निवेश हो चुका है।

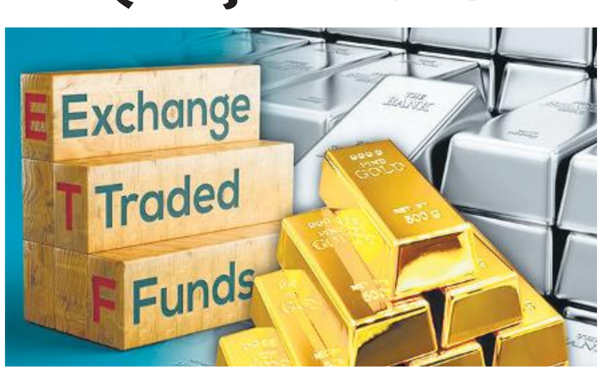

इसलिए बढ़ रहा ईटीएफ में निवेश

इस तेजी के पीछे कई कारण है। पहला, गोल्ड और सिल्वर को सबसे सुरक्षित निवेश माना जाता है, लेकिन सोने-चांदी की तेजी ने छोटे निवेशकों की पहुंच से दूर कर दिया है। इसलिए छोटे निवेशक ईटीएफ के माध्यम से सोने और चांदी में निवेश कर रहे हैं। इससे उनको सोने-चांदी के बराबर ही रिटर्न मिलता है। दूसरी वजह डिजिटल युग में ऑनलाइन खरीद-बिक्री आसान है। बाजार का जोखिम भी कम रहता है।

उत्तर प्रदेश में ईटीएफ निवेश (करोड़ रुपये में)

योजना	मार्च-26	मार्च-25	वृद्धि	प्रतिशत
गोल्ड	2,703	642	2,061	321%
सिल्वर	1,299	167	1,132	679%
अन्य	6,234	4,075	2,159	53%

टॉप 5 शहरों में मार्च तक निवेश (करोड़ रुपये में)

शहर	गोल्ड	सिल्वर	अन्य ईटीएफ
लखनऊ	394	189	909
कानपुर	268	129	619
वाराणसी	126	60	290
आगरा	131	63	303
प्रयागराज	108	52	250

"सोने और चांदी की गिनती अब सिर्फ गहनों के तौर पर नहीं होती है, ये निवेश पोर्टफोलियो का हिस्सा बन चुके हैं। इसी वजह से छोटे और मझोले शहरों के भी निवेशक ईटीएफ के माध्यम से सोना और चांदी तेजी से खरीद रहे हैं। प्रदेश में इस तरह की तेजी अप्रत्याशित है।
–राजीव सिंह, आर्थिक विशेषज्ञ।

वर्ल्ड ब्रीफ

घाना का अमेरिकी समझौता नामंजूर

अकरा। घाना ने डेटा की गोपनीयता संबंधी चिंताओं के कारण अमेरिका के साथ प्रस्तावित स्वास्थ्य समझौते को ठुकरा दिया है और अब वह एक नए समझौते पर बातचीत करना चाहता है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पहले भी कई अफ्रीकी देश डेटा साझा करने को लेकर चिंताओं के कारण इस समझौते से पीछे हट चुके हैं। घाना के डेटा संरक्षण आयोग के कार्यकारी निदेशक अर्नोल्ड कावारपुओ के अनुसार, इस समझौते में ऐसे प्रावधान हैं जिनसे अमेरिकी संस्थाओं को जरूरी सुरक्षा उपायों के बिना घाना के स्वास्थ्य संबंधी संवेदनशील आंकड़ों तक पहुंच मिल सकती है। कावारपुओ ने कहा कि समझौते के तहत डेटा तक जिस स्तर की पहुंच मांगी गई थी, वह जरूरी मानी जाने वाली सीमा से कहीं अधिक थी। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि मंत्रालय द्विपक्षीय वार्ता का ब्योरा सार्वजनिक नहीं करता।

ऑस्कर ट्रॉफी को एयरलाइन ने खोजा

लंदन। जर्मन एयरलाइन लुफ्थांसा ने कहा कि उसने रूसी फिल्म निर्माता पाशा तालनकिन की ऑस्कर पुरस्कार प्रतिमा का पता लगा लिया है, जो न्यूयॉर्क के जेएफके हवाई अड्डे पर सुरक्षाकर्मियों द्वारा संभावित हथियार के रूप में चिह्नित किये जाने के बाद गुम हो गई थी। इस साल मार्च में अकादमी पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ फीचर डॉक्यूमेंट्री का पुरस्कार जीतने वाली फिल्म "मिस्टर नोबडी अगेंस्ट पुतिन" के सह-निर्देशक तालनकिन बुधवार को न्यूयॉर्क से फ्रैंकफर्ट की अपनी यात्रा के दौरान ट्रॉफी के गायब हो जाने के बाद सदमे में थे। शुक्रवार शाम को एयरलाइन ने कहा कि ट्रॉफी मिल गई है और इसे जितनी जल्दी हो सके तालनकिन को लौटा दिया जाएगा।

आइकॉन्स ऑफ इंडिया प्रदर्शनी शुरू

लंदन। मैडम तुसाद संग्रहालय ने इस सप्ताह अपने लंदन मुख्यालय में आइकॉन्स ऑफ इंडिया नाम से एक उत्सव की शुरुआत की, जिसमें सिनेमा और क्रिकेट जगत की भारतीय हस्तियों के मोम के पुतलों को एक साथ प्रदर्शित किया गया। सीमित समय के लिए आयोजित यह प्रदर्शनी में भारतीय अभिनेताओं और क्रिकेटरों की मोम की 13 मूर्तियां प्रदर्शित की गई हैं। मई और जून के महीनों के लिए, इस क्षेत्र को भारतीय संस्कृति से प्रेरित एक जीवंत स्थान में रूपांतरित किया गया है, जहां आगंतुक अमिताभ बच्चन और सचिन तेंदुलकर सहित कुछ प्रतिष्ठित हस्तियों की मोम की मूर्तियों को देख सकते हैं।

भारत व नेपाल बाढ़ नियंत्रण और सिंचाई में करेंगे सहयोग

काठमांडू, एजेंसी

● **वरिष्ठ अफसरों ने तैयार किया कार्य योजना का मसौदा**

भारत और नेपाल के वरिष्ठ अधिकारियों ने यहां मुलाकात की और द्विपक्षीय जल क्षेत्र सहयोग की व्यापक समीक्षा की। इस दौरान दोनों पक्षों ने बाढ़ नियंत्रण और सिंचाई के क्षेत्रों में सहयोग के लिए एक कार्ययोजना तैयार की।

कोसी और गंडक परियोजनाओं पर भारत-नेपाल संयुक्त समिति की दो-दिवसीय 11वीं बैठक में यह चर्चा हुई। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व बिहार सरकार के जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव संतोष कुमार मल ने किया, जबकि नेपाली प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सिंचाई विभाग के महानिदेशक मित्रा बराल ने किया।

भारतीय दूतावास ने कहा कि बैठक में कोसी और गंडक परियोजनाओं में भारत-नेपाल सहयोग की व्यापक समीक्षा की गई और बाढ़ नियंत्रण एवं सिंचाई सहित अन्य क्षेत्रों में आगे सहयोग के लिए एक भविष्य की कार्ययोजना तैयार की गई।

गुजरात में छात्र पढ़ेंगे मोदी तत्व और आरएसएस का इतिहास

वडोदरा, एजेंसी

● **बड़ोदरा के एक विश्वविद्यालय ने पाठ्यक्रम में शामिल किया**

गुजरात के वडोदरा स्थित एक विश्वविद्यालय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व पर आधारित पाठ मोदी तत्व और आरएसएस के इतिहास संबंधी पाठ को अपने समाजशास्त्र के पाठ्यक्रम में शामिल किया है, ताकि समाज पर उनके प्रभाव का अध्ययन किया जा सके।

समाजशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. वीरेंद्र सिंह ने बताया कि महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय के दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम में देशभक्ति का समाजशास्त्र नामक नए पाठ्यक्रम को जोड़ा है, जिसका उद्देश्य 'मोदी तत्व' और छत्रपति शिवाजी महाराज व सयाजीराव गायकवाड़ तृतीय जैसे समाज सुधारकों के कार्यों का वैज्ञानिक विश्लेषण करना है। उन्होंने कहा कि चाहे आप इसे पसंद करें या न करें, आपको राजनीतिक क्षेत्र और नेतृत्व की भूमिका में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर चर्चा करनी ही होगी। वह एक ऐसा व्यक्तित्व हैं जो लंबे समय तक प्रभावी रहेंगे। हम समाजशास्त्री मैक्स वेबर के करिश्माई नेतृत्व का अध्ययन करना चाहते थे, जो महात्मा गांधी और मार्टिन लूथर किंग में देखा गया है। प्रधानमंत्री मोदी में भी उसी तरह का करिश्माई नेतृत्व दिखाई देता है। यह एक वैज्ञानिक विषय है जिसका विश्लेषण आवश्यक है।

सिंह नीति आयोग की सार्वजनिक परियोजनाओं की निगरानी से जुड़े 'प्रोजेक्ट' का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि 'मोदी तत्व' में मीडिया और डिजिटल राष्ट्रवाद, नागरिकता और असहमति, और वैश्वीकरण और पहचान की राजनीति जैसे विषयों पर भी ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जो पाठ्यक्रम का हिस्सा हैं। सिंह ने कहा कि ये तीनों भाग मोदी तत्व की अवधारणा पर वैज्ञानिक रूप से काम करेंगे और इस बारे में अध्ययन करेंगे कि वह इतने प्रसिद्ध क्यों हो रहे हैं, उनकी स्वीकार्यता इतनी व्यापक कैसे है, और भारत में सबसे लंबे समय तक सत्ता में बने रहने के पीछे उनमें क्या खास बात है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की नीतियां, जैसे कि नोटबंदी, डिजिटल क्रांति, फास्टैग, जल शक्ति मंत्रालय आदि, यह दर्शाती हैं कि वे लोगों की इच्छाओं को कितनी अच्छी तरह समझते हैं, और शायद यही कारण है कि उन्हें लोगों का इतना समर्थन मिलता है।

सिंह ने बताया कि देशभक्ति का समाजशास्त्र मॉड्यूल में चार प्रश्नपत्र होंगे, जिनमें से प्रत्येक के लिए 15 घंटे का शिक्षण कार्य होगा। उन्होंने बताया कि इन पाठ्यक्रम का विचार तब आया जब विभाग के एमए के छात्र नीति आयोग द्वारा सार्वजनिक नीतियों की निगरानी के हिस्से के रूप में दूरदराज के गांवों में सर्वेक्षण कर रहे थे।

होर्मुज स्ट्रेट से आवाजाही के लिए ईरान को यदि भुगतान किया तो लगेगा प्रतिबंध

होर्मुज पर नियंत्रण के लिए जारी टकराव के बीच अमेरिका ने शिपिंग कंपनियों को चेताया

दुबई, एजेंसी

अमेरिका ने शिपिंग कंपनियों को चेतावनी दी है कि होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित रूप से गुजरने के लिए ईरान को भुगतान करने पर उन्हें प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है। हॉर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच जारी टकराव के बीच अमेरिकी विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय (ओएफएसी) द्वारा शुक्रवार को दी गई चेतावनी ने दबाव और बढ़ा दिया है। आम तौर पर शांति के समय दुनिया के तेल और प्राकृतिक गैस के व्यापार का लगभग पांचवां हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है।

ईरान ने 28 फरवरी को अमेरिका और इज़राइल द्वारा युद्ध शुरू किए जाने के बाद जहाज़ों पर हमले की धमकियां देकर और हमले करते हुए जलडमरूमध्य को सामान्य यातायात के लिए लगभग बंद कर दिया। बाद में उसने कुछ जहाजों को अपनी तटरेखा के करीब वैकल्पिक मार्गों से मोड़कर सुरक्षित मार्ग प्रदान करना शुरू किया, और कई बार इस सेवा के लिए शुल्क भी वसूला। अमेरिका की प्रतिबंध चेतावनी का मुख्य केंद्र यह टोलबूथ जैसी व्यवस्था है। ओएएफसी के अनुसार, भुगतान की मांगों में केवल नकद ही नहीं, बल्कि डिजिटल परिसंपत्तियां, समायोजन (ऑफसेट), अनौपचारिक अदला-बदली, या अन्य प्रकार के वस्तु-आधारित भुगतान भी शामिल हो सकते हैं, जिनमें परमार्थ दान और ईरानी दूतावासों में किए जाने वाले भुगतान भी शामिल हैं। ओएफएसी ने कहा कि वह यह चेतावनी इसलिए जारी कर रहा है ताकि अमेरिकी और गैर-अमेरिकी व्यक्तियों को इस बात से अवगत कराया जा सके कि ईरानी शासन को सुरक्षित मार्ग के लिए भुगतान करने या उससे गारंटी की मांग करने पर प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है। उसने यह भी स्पष्ट किया कि ये जोखिम भुगतान के किसी भी तरीके पर लागू होते हैं। अमेरिका ने 13 अप्रैल को ईरान द्वारा जलडमरूमध्य बंद किए जाने के जवाब में अपनी ओर से एक नौसैनिक नाकाबंदी लागू की, जिससे किसी भी ईरानी तेल टैंकर को बाहर जाने से रोका गया और ईरान को उसकी कमजोर अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए आवश्यक तेल राजस्व से वंचित कर दिया गया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि नाकाबंदी शुरू होने के बाद से 45 वाणिज्यिक जहाजों को वापस जाने को कहा गया है।

चीन स्थित कच्चे तेल टर्मिनल पर प्रतिबंध लगाए

वाशिंगटन। अमेरिका ने चीन स्थित एक कच्चे तेल टर्मिनल संचालक पर ईरानी संस्थाओं से पेट्रोलियम उत्पादों का आयात करने पर प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने एक बयान में कहा कि अमेरिका ईरान के अवैध तेल व्यापार को बाधित करने के लिए निर्णायक कार्रवाई कर रहा है। यह व्यापार ईरानी शासन की आय का मुख्य स्रोत है, जिससे आतंकवाद और क्षेत्रीय अस्थिरता को वित्तीय मदद मिलती है। पिगॉट ने कहा कि मंत्रालय ने ईरानी पेट्रोलियम और पेट्रोलियम उत्पादों के व्यापार में शामिल कई संस्थाओं, एक व्यक्ति और एक पोत पर प्रतिबंध लगाए हैं। इस कार्रवाई के तहत चीन स्थित पेट्रोलियम टर्मिनल संचालक क्विंगदाओ हाइये ऑयल टर्मिनल कंपनी लिमिटेड को निशाना बनाया गया है। इस कंपनी ने करोड़ों बैरल प्रतिबंधित ईरानी कच्चे तेल का पिछले साल फरवरी से आयात किया है। अमेरिका ने चीनी नागरिक और क्विंगदाओ हाइये के अध्यक्ष शिंगचुन ली तथा दो पोत प्रबंधन कंपनियों-ब्रिटेन स्थित थ्राइविंग टाइम्स इंटरनेशनल व हांगकांग स्थित ऑनबोर्ड शिप मैनेजमेंट लिमिटेड-पर भी प्रतिबंध लगाए हैं।

ड्रोन के माध्यम से रूस के अंदरूनी क्षेत्र में तेल संयंत्रों को निशाना बना रहा यूक्रेन

मास्को। यूक्रेनी ड्रोन रूस के अंदरूनी इलाकों में तेल संयंत्रों को निशाना बना रहे हैं जिससे धुएं के बड़े गुबार उठ रहे हैं जिन्हें अंतरिक्ष से भी देखा जा सकता है और काला सागर के पर्यटन स्थलों पर विषैली बारिश भी हो रही है। इन हमलों का उद्देश्य रूस के तेल निर्यात को कम करना है क्योंकि तेल निर्यात यूक्रेन पर निरंतर रूसी आक्रमण के लिए धन का एक प्रमुख स्रोत है। हालांकि आर्थिक प्रभाव अभी तक स्पष्ट नहीं है, क्योंकि ईरान युद्ध के कारण तेल की कीमतों में वृद्धि और अमेरिकी प्रतिबंधों में ढील से क्रेमलिन के खजाने में वृद्धि हुई है। फिर भी, हमलों की व्यापकता और उनके पर्यावरणीय प्रभाव से युद्ध का असर मोर्चे से दूर आम रूसियों तक पहुंच रहा है। यूक्रेन के ड्रोन ने दो सप्ताह से भी कम समय में चार बार काला सागर के किनारे तुआपसे शहर में तेल रिफाइनरी और निर्यात टर्मिनल को निशाना बनाया है, जिससे आग लग गई और स्थानीय लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। यह शहर सीमा से करीब 450 किलोमीटर की दूरी पर है। यूक्रेन ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने रूस के पर्म क्षेत्र में एक तेल पंपिंग स्टेशन पर लगातार दो दिनों तक हमला किया है। यह क्षेत्र यूक्रेन से 1,500 किलोमीटर (900 मील) से अधिक दूर है। रूसी मीडिया ने इन हमलों की खबर दी।

जबलपुर क्रूज हादसे में दिल्ली के परिवार के तीन लोगों की मौत की सूचना घर पहुंची तो महिलाएं बिलख पड़ीं, उन्हें संभालती और ढांढस बंधाती आस-पड़ोस की महिलाएं।

दिल्ली के एक परिवार के तीन सदस्यों की मौत, गृह प्रवेश में गए थे जबलपुर

नई दिल्ली, एजेंसी

जबलपुर क्रूज हादसा

● **दिल्ली लौटने से पहले बरगी बांध घूमने गया था परिवार, हो गया हादसे का शिकार**

मध्यप्रदेश में गृह प्रवेश समारोह में शामिल होने गए दिल्ली के एक परिवार की यात्रा नर्मदा नदी के बरगी जलाशय में क्रूज के पलटने के कारण दर्दनाक हादसे में बदल गई। इस दुर्घटना में परिवार के छह में से तीन सदस्यों की मौत हो गई। परिजन के अनुसार, दिल्ली कैंट क्षेत्र का मैसी परिवार मंगलवार को जबलपुर में एक रिश्तेदार के गृह प्रवेश समारोह में शामिल होने गया था। कार्यक्रम के बाद उन्होंने दिल्ली लौटने से पहले घूमने का फैसला किया।

बृहस्पतिवार शाम, परिवार करीब 40 यात्रियों के साथ मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा संचालित क्रूज पर सवार हुआ, जो बरगी बांध पर तेज हवाओं और ऊंची लहरों के कारण असंतुलित होकर पलट गया। हादसे में मरीना (39), उनका चार वर्षीय बेटा त्रिशन उर्फ जहां, मरीना की मां मधुर मैसी (62) की मौत हो गई। वहीं मरीना के पति प्रदीप, 14 वर्षीय बेटी सिया उर्फ पीहू और मरीना के पिता जूलियस मैसी (65) बच गए। मरीना के भाई कुलदीप मोहन ने बताया, मेरे माता-पिता, बहन, उसके बच्चे और जीजा जबलपुर गए थे। उन्हें बृहस्पतिवार को लौटना था, लेकिन वे भ्रमण पर चले गए और यह हादसा हो गया। घटना को याद करते हुए उन्होंने कहा कि परिवार के सदस्य क्रूज के ऊपरी हिस्से में थे, तभी अचानक मौसम खराब हो गया। उन्होंने कहा, मेरी बहन वीडियो कॉल पर हमें नजारा दिखा रही थी। अचानक सब बदल गया। वह मुझे बचा लो...मुझे बचा लो कहकर रो रही थी और फिर फोन कट गया। उन्होंने बताया कि लहरें तेज हो गईं और क्रूज डगमगाने लगा। मोहन ने कहा, ऊपरी मंजिल से लोग नीचे भागे। क्रूज बुरी तरह हिल रहा था और पानी अंदर जाने लगा था। तब मेरे जीजा प्रदीप ने तुरंत जीवन रक्षक जैकेट ढूंढनी शुरू की। प्रदीप ने जीवनरक्षक जैकेट निकालकर यात्रियों में बांटनी शुरू की, कुछ लोगों ने जैकेट पहनी, जबकि कुछ डर के कारण पानी में कूद गए। इस हादसे में मृतकों की संख्या 10 हो गई है।

पेड़-पौधे भी करते हैं आपस में संवाद

जंगल का इंटरनेट

जंगल के सन्नाटे में हमें लगता है कि पेड़ बस शांत खड़े हैं, लेकिन ज़मीन के नीचे एक हलचल भरा संसार है। जिस तरह हम इंटरनेट और सोशल मीडिया के ज़रिए एक-दूसरे से जुड़े रहते हैं, पेड़ भी आपस में संवाद करते हैं, संसाधन साझा करते हैं और एक-दूसरे की मदद करते हैं। इसे वैज्ञानिकों ने 'वुड वाइड वेब' का नाम दिया है। जब हम किसी जंगल में चलते हैं, तो हम केवल उनकी टहनियों और पत्तों को देखते हैं। लेकिन असली जादू हमारी नज़रों से ओझल, मिट्टी के नीचे होता है। पेड़ों का यह सोशल नेटवर्क वास्तव में कवक के धागेनुमा जाल और पेड़ों की जड़ों के बीच का एक सहजीवी संबंध है।

नेटवर्क का बुनियादी ढांचा

पेड़ की जड़ें : जो डेटा और संसाधनों के 'हब' की तरह काम करती हैं। **माइसेलियम** : जो 'फाइबर ऑप्टिक केबल' की तरह काम करता है, संदेशों और पोषक तत्वों को एक पेड़ से दूसरे पेड़ तक पहुँचाता है। पेड़ फोटोसिंथेसिस के ज़रिए चीनी (शुगर) बनाते हैं और इसका कुछ हिस्सा इन कवक को देते हैं।

करोड़ों वर्ष पुराना...पेड़ों का सोशल नेटवर्क

पेड़ों का यह सोशल नेटवर्क आज का नहीं, बल्कि करोड़ों साल पुराना है। इस नेटवर्क के केंद्र में 'माइसेलियम' नाम के बारीक कवक तंतु होते हैं। ये तंतु इतने महीन होते हैं कि मिट्टी के एक चम्मच हिस्से में कई मील लंबे तंतु हो सकते हैं। ये कवक पेड़ों की जड़ों से जुड़कर एक ऐसा बुनियादी ढांचा तैयार करते हैं जो पूरे जंगल को एक एकल इकाई के रूप में जोड़ देता है। इस नेटवर्क की खोज ने पारिस्थितिकी तंत्र (ईको सिस्टम) को देखने का हमारा नज़रिया बदल दिया है। पहले माना जाता था कि पेड़ संसाधनों (धूप, पानी, खनिज) के लिए आपस में केवल प्रतिस्पर्धा करते हैं, लेकिन 'वुड वाइड वेब' की खोज ने साबित किया कि पेड़ आपस में सहयोग करते हैं। वे न केवल भोजन (शुगर) साझा करते हैं, बल्कि आने वाले खतरों जैसे कि कीटों के हमले या सूखे की चेतावनी भी एक-दूसरे को भेजते हैं।

मदर ट्री : जंगल के मुख्य सर्वर

- जंगल के इस नेटवर्क में सबसे पुराने और बड़े पेड़ों की भूमिका 'मदर ट्री' जैसी होती है। ये नेटवर्क के सबसे बड़े 'नोड्स' होते हैं। ● पोषण : ये पेड़ अपने छोटे पौधों को पहचानते हैं और उन्हें अतिरिक्त पोषण भेजते हैं ताकि वे कम धूप वाली जगहों पर भी जीवित रह सकें। ● विरासत : जब एक मदर ट्री मरने वाला होता है, तो वह अपनी बची हुई ऊर्जा और ज्ञान नेटवर्क के ज़रिए अगली पीढ़ी को हस्तांतरित कर देता है।

पेड़ आपस में क्या बातें करते हैं

- पेड़ आपस में दो तरह से संवाद करते हैं : **रासायनिक संकेत** : जड़ों के ज़रिए रसायनों को भेजकर। **विद्युत संकेत** : कवक तंतुओं के माध्यम से कमजोर विद्युत आवेग भेजकर, जो काफी हद तक इंसानी तंत्रिका तंत्र जैसा होता है।

वे क्या संदेश देते हैं

- **चेतावनी** : अगर किसी पेड़ पर कीड़ों का हमला होता है, तो वह नेटवर्क में रासायनिक चेतावनी भेजता है। पड़ोसी पेड़ इसे प्राप्त करते ही अपनी पत्तियों में कड़वे रसायन बनाना शुरू कर देते हैं ताकि कीड़े उन्हें न खाएं। ● **संसाधन साझा करना** : यदि एक पेड़ ऐसी जगह है जहाँ धूप कम है, तो पास का पेड़ उसे अपनी अतिरिक्त चीनी भेज सकता है।

नेटवर्क के फायदे : जंगल की एकता

- **लचीलापन** : एक जुड़ा हुआ जंगल सूखे या बीमारी का सामना अकेले खड़े पेड़ों की तुलना में बेहतर कर सकता है।
- **विविधता का संरक्षण** : यह नेटवर्क अलग-अलग प्रजातियों के बीच भी काम करता है। उदाहरण के लिए, चीड़ के पेड़ और ओक के पेड़ भी आपस में संसाधन साझा कर सकते हैं।

जर्मनी से 5000 सैनिकों को वापस बुलाएगा अमेरिका

● **अगले छह से 12 महीनों के बीच योजना पर होगा अमल**

वाशिंगटन। अमेरिका अगले छह से बारह महीनों में जर्मनी से अपने करीब 5,000 सैनिकों को वापस बुलाएगा। पेंटागन ने यह जानकारी दी। अमेरिका का यह कदम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकी के अनुरूप है, जो उन्होंने ईरान के साथ अमेरिकी युद्ध को लेकर जर्मन नेता के साथ चल रहे टकराव के दौरान दी थी। ट्रंप ने इस सप्ताह की शुरुआत में उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के सहयोगी जर्मनी से कुछ सैनिकों को वापस बुलाने की धमकी उस वक्त दी थी, जब जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ ने कहा था कि ईरानी नेतृत्व द्वारा अमेरिका को अपमानित किया जा रहा है। इतना ही नहीं, मर्ज ने युद्ध में वाशिंगटन की खराब रणनीति की आलोचना की थी।

पेंटागन के प्रवक्ता शॉन पार्नेल ने एक बयान में कहा कि यह निर्णय यूरोप में विभाग की सैन्य स्थिति की गहन समीक्षा के बाद लिया गया है और यह युद्ध क्षेत्र की आवश्यकताओं और जमीनी परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

जर्मनी में कई अमेरिकी सैन्य अड्डे हैं, जिनमें यूरोप और अफ्रीकी कमानों का मुख्यालय, रामस्टीन वायुसेना और लैंडस्टुहल में एक चिकित्सा केंद्र शामिल है, जहां अफगानिस्तान और इराक युद्धों में घायल हुए लोगों का इलाज किया जाता था।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष — आज सरकारी क्षेत्र से जुड़े लोगों को कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। उधार दिया हुआ पैसा वापस मिल सकता है।

तुला — आज का दिन व्यापार में नए प्रयोग करने के लिए उत्तम है। रिश्तेदार से मुलाकात मन को प्रसन्न कर देगी। निर्णय लेने की क्षमता में सुधार होगा।

वृष — आज नई तकनीकी सीखने पर जोर दें। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों का व्यवहार आपको अचंभित कर सकता है। शाम का समय सुखद बीतेगा।

वृश्चिक — आज का दिन उपलब्धियों भरा रहेगा। रुकी हुई पदोन्नति की खबर मिल सकती है। सामाजिक दायरे में आपकी सक्रियता बढ़ेगी।

मिथुन — आज व्यावसायिक समस्याओं का स्थायी समाधान मिल सकता है। विदेश जाने की योजना बना रहे लोगों को शुभ संकेत मिलेंगे।

धनु — आज मांगलिक उत्सव में शामिल हो सकते हैं। छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर परिणाम मिलेंगे। किसी को बिना मांगे सलाह देने से बचें।

कर्क — आज मानसिक रूप से स्वयं को काफी मजबूत महसूस करेंगे। जटिल कार्यों को भी सरलता से पूरा कर लेंगे।

मकर — आज संपत्ति से जुड़े लेन-देन में सावधानी बरतें। कार्यस्थल पर काम का बोझ बढ़ सकता है। परिवार में शांति बनाए रखें।

सिंह — आज आपके पराक्रम की सराहना होगी। कोर्ट-कचहरी के मामलों में अनुभवी व्यक्ति की सलाह काम आएगी।

कुंभ — आज रचनात्मक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। नया प्रोजेक्ट शुरू कर सकते हैं। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा और नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

कन्या — आज मन किसी अज्ञात भय से ग्रसित रह सकता है। सुविधाओं की वस्तुओं पर खर्च बढ़ सकता है। कोई भी निवेश अभी टालें।

मीन — आज संचित धन का सही निवेश करने की योजना बनाएंगे। ससुराल पक्ष से कोई उपहार या सहयोग मिल सकता है।

लेखा-जोखा | वित्त वर्ष 2025-26 के जारी किए गए आधिकारिक आंकड़े में हुआ खुलासा

ईडी ने की रिकॉर्ड छापेमारी और कुर्की, लेकिन गिरफ्तारी घटी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान धनशोधन मामलों में की गई गिरफ्तारियों में लगभग 27 प्रतिशत की कमी आई है, लेकिन इस अवधि के दौरान कुर्क की गई संपत्तियों का मूल्य 81,000 करोड़ रुपये से अधिक रहा, जो अब तक का रिकॉर्ड है। यह जानकारी आधिकारिक आंकड़े से मिली।

धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के कड़े प्रावधानों के तहत केंद्रीय एजेंसी द्वारा तलाशी या छापेमारी की संख्या 31 मार्च को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान लगभग दोगुनी होकर 2,892 हो गई। अपराध से प्राप्त आय की परिभाषा, गिरफ्तारी, तलाशी और जब्ती तथा संपत्ति कुर्क करने के संबंध में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को पीएमएलए के तहत व्यापक अधिकार प्राप्त हैं। अधिनियम के प्रावधानों के कारण जमानत प्राप्त करना भी अत्यंत कठिन हो जाता है क्योंकि अदालत का यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि आरोपी दोषी नहीं है और जमानत पर रहते हुए उसके द्वारा कोई अन्य अपराध करने की आशंका नहीं है। पिछले वित्तीय वर्ष में, ईडी ने धोखाधड़ी के पीड़ितों को कुर्क की गई संपत्तियां वापस लौटाने के अपने निर्धारित लक्ष्य को दोगुने से पार कर लिया, क्योंकि उसने उक्त अवधि के दौरान 32,000 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियां वापस कीं। एजेंसी ने 15,000 करोड़ रुपये की संपत्तियां वापस लौटाने का लक्ष्य रखा था। एजेंसी द्वारा उसकी वार्षिक रिपोर्ट (वित्त वर्ष 2025-26) में उपलब्ध कराए गए आंकड़े के अध्ययन में पाया गया कि ईडी ने उल्लेखित वित्त वर्ष में 156 लोगों को गिरफ्तार किया, जबकि 2024-25 में यह संख्या 214 थी, यानी लगभग 27 प्रतिशत की गिरावट।

प्रवर्तन निदेशालय ने दाखिल किए 812 आरोप पत्र, यह भी एक रिकॉर्ड

ईडी द्वारा की गई छापेमारी, जिसे अक्सर टेलीविजन समाचारों और अखबारों में विस्तार से दिखाया जाता है, वित्त वर्ष 2026 में पिछले वर्ष के 1,491 छापों की तुलना में दोगुनी से अधिक बढ़कर 2,892 हो गई। इसके चलते ईडी ने वित्त वर्ष 2026 के दौरान सफलतापूर्वक 812 आरोपपत्र दाखिल किए, जो एक रिकॉर्ड है, जबकि पिछले वर्ष अदालतों में केवल 457 आरोप पत्र दाखिल किये गए थे। आंकड़ों के मुताबिक पीएमएलए जांच शुरू करने के लिए दर्ज की गई प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) की संख्या पिछले वित्तीय वर्ष में 39 प्रतिशत बढ़कर 1,080 मामले हो गई, जबकि वित्त वर्ष 2025 में केवल 775 मामले दर्ज किए गए थे। एजेंसी ने पिछले वित्त वर्ष में 32,678 करोड़ रुपये की संपत्तियां वापस कीं, जबकि वित्त वर्ष 2025 में धोखाधड़ी के पीड़ितों को 15,263 करोड़ रुपये की संपत्तियां सौंपी गई थीं। पिछले साल 'पीटीआई-भाषा' की खबर के अनुसार, ईडी निदेशक राहुल नवीन ने वित्त वर्ष 2026 की शुरुआत में 15,000 करोड़ रुपये की संपत्तियां वापस दिलाने का लक्ष्य रखा था।

अमेरिका में आंध्र के युवक ने आत्महत्या की

कुरनूल। आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले के मूल निवासी 26 वर्षीय युवक ने हाल में अमेरिका के शिकागो में कर्ज के बोझ से परेशान होकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पीड़ित परिवार ने अनुरोध किया कि मृतक की पहचान गुप्त रखी जाए क्योंकि उनके माता-पिता बुजुर्ग हैं और कई बीमारियों से ग्रस्त हैं। आंध्र प्रदेश के सूचना एवं संचार मंत्री नारा लोकेश ने इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए शोक व्यक्त किया और मृतक के शव को स्वदेश वापस लाने में सहायता का आश्वासन दिया।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
astrompandey@gmail.com

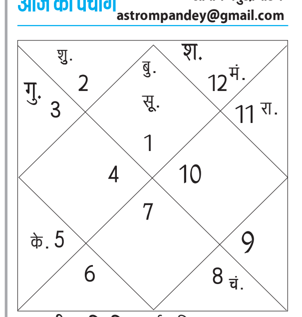

आज की ग्रह स्थिति : 3 मई, रविवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- ज्येष्ठ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, द्वितीया 4 मई 03 .01 तक तत्पश्चात तृतीया।

दिशाशूल-पश्चिम, **ऋतु**- ग्रीष्म।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।
ताराबल-भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-विशाखा 07 .10 तक तत्पश्चात अनुराधा।

सुडोकू - 137 का हल

1	6	9	5	4	8	2	7	3
2	3	5	7	1	9	4	8	6
4	8	7	2	6	3	1	9	5
8	2	1	9	5	6	3	4	7
9	7	6	3	2	4	8	5	1
3	5	4	1	8	7	9	6	2
7	1	3	8	9	5	6	2	4
6	9	2	4	7	1	5	3	8
5	4	8	6	3	2	7	1	9

सुडोकू -138

		2		4				
	7		5					
					2			
2						8		6
	4	1			5		9	
3		8						
			9				7	
9		4			1		5	
	8	6		5		2		

स्टेडियम

बरेली, रविवार, 3 मई 2026

अमृत विचार
www.amritvichar.com

IPL 2026
आज के मुकाबले

सनराइजर्स हैदराबाद बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स
समय - दोपहर 3:30 बजे

गुजरात टाइटंस बनाम पंजाब किंग्स
समय - शाम 7:30 बजे

ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तानी पारी चेन्नई ने मुंबई को 8 विकेट से हराया

आईपीएल-2026 : मुंबई इंडियंस के लिए प्लेऑफ में जगह बनाना लगभग मुश्किल हुआ

चेन्नई, एजेंसी

गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद मुंबई इंडियंस को छोटे स्कोर पर रोकने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने कप्तान रुतुराज गायकवाड़ (नाबाद 67) और कार्तिक शर्मा (नाबाद 54) के बीच तीसरे विकेट के लिए 75 गेंद में 98 रन की अटूट साझेदारी की मदद से शनिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के एक अहम मैच में आठ विकेट से जीत दर्ज की। इसी के साथ मुंबई इंडियंस के लिए प्लेऑफ में जगह बनाना लगभग मुश्किल हो गया है।

अफगानिस्तान के बाएं हाथ के स्पिनर नूर अहमद (26 रन देकर दो विकेट) और अंशुल कंबोज (32 रन देकर तीन विकेट) की अनुशासित गेंदबाजी की बदौलत सीएसके ने मुंबई इंडियंस को सात विकेट पर महज 159 रन पर रोक दिया। फिर गायकवाड़ की 48 गेंद में पांच चौके और दो छक्के जड़ित नाबाद पारी और कार्तिक (40 गेंद में चार चौके और तीन छक्के) के पहले आईपीएल अर्धशतक से 18.1 ओवर में दो विकेट पर 160 रन बनाकर आसान जीत हासिल की जो इस सत्र में उसकी चौथी जीत है। लगातार निराशाजनक प्रदर्शनों के बाद पांच पांच आईपीएल खिताब जीत चुकी दोनों ही टीम का टूर्नामेंट में आगे का सफर इस मैच के नतीजे पर निर्भर था। सीएसके इस जीत से आठ अंक लेकर छठे स्थान पर पहुंच गई जिससे उसकी प्लेऑफ में कदम बढ़ाने की संभावना बरकरार है जबकि मुंबई इंडियंस चार अंक से नौवें स्थान पर है।

अर्धशतकीय पारी के दौरान शॉट लगाते चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान रुतुराज गायकवाड़।

लक्ष्य इतना बड़ा नहीं था, गायकवाड़ और कार्तिक जल्दी मैच खत्म कर सकते थे लेकिन दोनों ने संयमित बल्लेबाजी करने को तरजीह दी। मुंबई इंडियंस के लिए जसप्रीत बुमराह (20 रन देकर एक विकेट) ने दूसरे ओवर में एक बेहतरीन गेंद से शुरुआत की। उनकी अच्छी लेंथ गेंद संजू सैमसन (11 रन) के बल्ले का बाहरी किनारा छूती हुई निकली, लेकिन स्लिप में खड़े विल जैक्स ने एक आसान सा कैच टपका दिया। पर सैमसन इस जीवनदान का फायदा नहीं उठा सके और ओवर के आखिर में रेयान रिकेलटन को कैच दे बैठे। ट्रेंट बोल्ट ने पहले ओवर में सात रन दिए लेकिन सीएसके के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने उनके दूसरे ओवर में दो चौके और एक छक्के से 17 रन जुटाए। कृष भगत के पहले आवेर में उर्विल पटेल (24 रन, 12 गेंद) ने डीप फाइन लेग पर छक्का जड़कर शुरूआत की और अगली गेंद को लांग ऑन पर चौके के लिए भेजा। उर्विल ने ओवर का अंत हेलीकॉप्टर शॉट से छक्का जड़कर किया जिससे इस ओवर में 18 रन जुड़े। पावरप्ले के अंतिम ओवर में गायकवाड़ ने स्वीप शॉट से डीप स्क्वायर लेग में छक्का जड़ा लेकिन ए एम गजनफर ने इसी ओवर में उर्विल को बोल्ड कर उनकी पारी समाप्त की। छह ओवर में सीएसके ने दो विकेट के नुकसान पर 62 रन बना लिए थे। गायकवाड़ ने 14वें ओवर की पहल गेंद पर एक रन लेकर 34 गेंद में अर्धशतक बनाया जिसमें दो चौके और दो छक्के जड़े थे। शुरू में सतर्कता से खेलने वाले कार्तिक ने अंत में आक्रामकता बरतते हुए आईपीएल में अपना पहला अर्धशतक लगाया और चौका लगाकर अपनी टीम को जीत तक पहुंचाया। इससे पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला करने के बाद मेहमान टीम का प्रदर्शन काफी फीका रहा जिसमें केवल नमन ही टिककर खेल सके।

मुंबई इंडियंस

159/7 (20 ओवर)

विल जैक्स का रामकृष्ण बो कंबोज	01
रेयान रिकेलटन का पटेल बो नूर	37
नमन धीर का सब बो ओवरटन	57
सूर्यकुमार यादव का ब्रेविस बो रामकृष्ण	21
तिलक वर्मा का गायकवाड़ बो नूर	05
हार्दिक पंड्या का ब्रेविस बो कंबोज	18
रोबिन मिंज बो कंबोज	05
कृष भगत नाबाद	03
ट्रेंट बोल्ट नाबाद	07

अतिरिक्त : 05, विकेट पतन : 1-1, 2-59, 3-99, 4-109, 5-134, 6-139, 7-151

गेंदबाजी : मुकेश 3-0-25-0, कंबोज 4-0-32-3, प्रशांत 2-0-25-0, नूर 4-0-26-2, रामकृष्ण 3-0-24-1, ओवरटन 4-0-23-1

चेन्नई सुपर किंग्स

160/2 (18.1 ओवर)

संजू सैमसन का रिकेलटन बो बुमराह	11
रुतुराज गायकवाड़ नाबाद	67
उर्विल पटेल बो गजनफर	24
कार्तिक शर्मा नाबाद	54

अतिरिक्त : 04, **विकेट पतन** : 1-13, 2-62

गेंदबाजी : बोल्ट 3.1-0-37-0, बुमराह 3-0-20-1, भगत 2-0-22-0, गजनफर 4-0-40-1, रघु शमा 4-0-24-0, हार्दिक पंड्या 2-0-17-0

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	रद्द	अंक	नेट रन रेट
1.	पंजाब किंग्स	8	6	1	1	13	1.043
2.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	9	6	3	0	12	1.420
3.	सनराइजर्स हैदराबाद	9	6	3	0	12	0.832
4.	राजस्थान रॉयल्स	10	6	4	0	12	0.510
5.	गुजरात टाइटंस	9	5	4	0	10	-0.192
6.	चेन्नई सुपर किंग्स	9	4	5	0	8	0.005
7.	दिल्ली कैपिटल्स	9	4	5	0	8	-0.895
8.	कोलकाता नाइट राइडर्स	8	2	5	1	5	-0.751
9.	मुंबई इंडियंस	9	2	7	0	4	-0.803
10.	लखनऊ सुपर जाएंट्स	8	2	6	0	4	-1.106

ऑरेंज कैप

- केएल राहुल दिल्ली-433 रन
- अभिषेक शर्मा हैदराबाद -425 रन
- हेनरिक क्लासेन हैदराबाद-414 रन

पर्पल कैप

- भुवनेश्वर कुमार बेंगलुरु-17 विकेट
- अंशुल कंबोज चेन्नई-17 विकेट
- जोफ्रा आर्चर राजस्थान-15 विकेट

हाईलाइट

मानस धामने पहली बार एटीपी चैलेंजर फाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली। भारत के उभरते टेनिस खिलाड़ी मानस धामने ने शनिवार को कजाखस्तान के शिमकेंट में फ्रांस के एंटोनी गिबाउडो को सीधे सेटों में हराकर पहली बार एटीपी चैलेंजर फाइनल में पहुंचकर बड़ी सफलता हासिल की। अठारह साल के इस भारतीय खिलाड़ी ने क्ले कोर्ट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में संयमित और आक्रामक खेल दिखाते हुए गिबाउडो को 6-4, 6-3 से हराया। इस हफ्ते के उनके शानदार प्रदर्शन से उनकी रैंकिंग और आत्मविश्वास को काफी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है क्योंकि वह जूनियर से पेशेवर सर्किट में अपना सफर जारी रखे हुए हैं। सोमवार को उनके शीर्ष 400 में शामिल होने की संभावना है। धामने अब रविवार को फाइनल में बेल्जियम के बुवायसर गदामौरी के खिलाफ कोर्ट पर उतरकर खिताब जीतना चाहेंगे।

सूर्यवंशी को आंख दिखाने पर जैमिसन को मिला एक डिमेरिट अंक

जयपुर, एजेंसी

दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज काइल जैमिसन को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच के दौरान राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को आउट करने के बाद उनके प्रति आक्रामक अंदाज अपनाने के लिए एक डिमेरिट अंक का दंड दिया गया है। आईपीएल ने बयान में कहा काइल जैमीसन ने जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच के दौरान खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के लिए आईपीएल की आचार संहिता के लेवल एक का उल्लंघन किया जिसके लिए उन्हें एक डिमैरिट अंक दिया गया और उन्हें चेतावनी भी दी गई। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज को आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 का उल्लंघन करते हुए पाया गया, जो ऐसी भाषा, कार्यों या इशारों का उपयोग करने से संबंधित है जो किसी अन्य खिलाड़ी का अपमान करते हैं या उससे आक्रामक प्रतिक्रिया को उकसा सकते हैं। यह घटना राजस्थान रॉयल्स की पारी के दूसरे ओवर में घटी, जब 15 वर्षीय सूर्यवंशी को आउट करने के बाद जैमीसन आक्रामक अंदाज में उनके पास गए। सूर्यवंशी ने हालांकि किसी तरह की प्रतिक्रिया नहीं की लेकिन वह ऐसा कर सकते थे। जैमीसन ने अपराध स्वीकार किया और मैच रेफरी राजीव सेठ द्वारा दिए गए दंड को स्वीकार कर लिया। दिल्ली कैपिटल्स ने इस मैच में सात विकेट से जीत हासिल की थी।

पंजाब किंग्स की निगाह वापसी पर

- गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबला आज शाम
- 13 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष स्थान पर मौजूद है श्रेयस की टीम

अहमदाबाद, एजेंसी

पिछले मैच में पंजाब किंग्स का जीत का सिलसिला टूट गया और वह लगातार तीसरी जीत हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध गुजरात टाइटंस के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में अपने अभियान को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश करेगा।

राजस्थान रॉयल्स ने इस सप्ताह के शुरू में पंजाब किंग्स के अजेय अभियान पर रोक लगा दी थी। हालांकि पंजाब किंग्स की टीम आठ मैचों में 13 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर बनी हुई है, लेकिन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी), सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स उससे सिर्फ एक अंक पीछे हैं। लगातार छह जीत हासिल करके शुरुआती बढ़त बनाने वाली पंजाब किंग्स की गेंदबाजी विभाग को लेकर कुछ चिंताएं हैं। पंजाब के बल्लेबाजों की तरह उसके गेंदबाज अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं बना पाए हैं। उसके बल्लेबाजों के अच्छे प्रदर्शन के कारण गेंदबाजों की कमियां खुलकर सामने नहीं आई हैं लेकिन टूर्नामेंट अब महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंच चुका है और ऐसे में कोई कमजोरी टीम पर भारी पड़ सकती है।

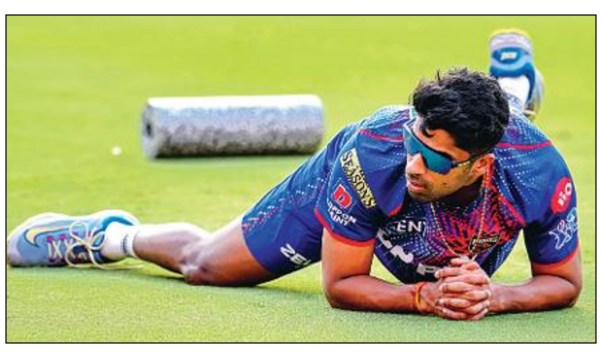

अभ्यास सत्र के दौरान पंजाब किंग्स के शशांक सिंह। एजेंसी

जीत का सिलसिला बरकरार रखने उतरेगा हैदराबाद

हैदराबाद। अपने बल्लेबाजों के दमदार प्रदर्शन से खिताब के दावेदारों में शामिल हुई सनराइजर्स हैदराबाद की टीम कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में अपनी जीत का सिलसिला जारी रखने के लिए किसी तरह की कसर नहीं छोड़ेगी। सनराइजर्स की टीम लगातार पांच मैच जीत चुकी है और अंकतालिका में नौ मैचों में 12 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। उसने अब तक छह मैच जीते हैं जबकि तीन मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा है। दूसरी ओर अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में केकेआर की टीम अभी तक संघर्ष करती रही है, लेकिन उसने अपने आखिरी दो मैच जीते हैं। 10 टीमों के टूर्नामेंट में वह आठवें स्थान पर है।

पोल वॉल्ट एथलीट कुलदीप ने इंडियन इंडोर में तोड़ा राष्ट्रीय रिकॉर्ड

भुवनेश्वर। मध्य प्रदेश के पोल वॉल्ट एथलीट कुलदीप कुमार ने शनिवार को यहां पहले 'इंडियन इंडोर ओपन कंबाइंड इवेंट्स और पोल वॉल्ट' प्रतियोगिता के पहले दिन 5.41 मीटर की ऊंचाई पार करके राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया।

21 साल के कुमार अपने पहले इंडोर टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे थे। उन्होंने ने अपने पहले ही प्रयास में जीतने वाली छलांग लगाई। उन्होंने पिछले साल मध्य प्रदेश के ही एक और एथलीट देव कुमार मीना द्वारा बनाए गए 5.40 मीटर के राष्ट्रीय रिकॉर्ड को बेहतर बनाया। देव कुमार मीना खुद कलिंगा स्टेडियम की इंडोर सुविधा में 5.20 मीटर के प्रयास के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

कुमार ने मार्च में इसी जगह पर पहली राष्ट्रीय इंडोर चैंपियनशिप के दौरान तमिलनाडु के रीगन जी द्वारा बनाए गए 5.30 मीटर के राष्ट्रीय इंडोर रिकॉर्ड को भी बेहतर बनाया। रीगन शनिवार को 5.25 मीटर के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

महिला टी-20 विश्व कप के लिए टीम घोषित

- यास्तिका व नंदिनी को चुना गया व प्रतिका- अमनजोत बाहर
- हरमनप्रीत कौर करेंगी सभी टीमों की कप्तानी
- इंग्लैंड और वेल्स में 12 जून से शुरू होंगे मुकाबले

मुंबई, एजेंसी

भारत ने शनिवार को इंग्लैंड और वेल्स में 12 जून से शुरू होने वाले आगामी महिला टी-20 विश्व कप के लिए 15 खिलाड़ियों की टीम में 'अनकैप्ड' (जिसने अंतर्राष्ट्रीय मैच नहीं खेला हो) खिलाड़ी नंदिनी शर्मा और विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया को शामिल किया। जहां विशेषज्ञ बल्लेबाज प्रतिका रावल और हरलीन देओल को टीम से बाहर रखा गया, वहीं ऑलराउंडर अमनजोत कौर और काशवी गौतम चोट के कारण चयन से चूक गईं।

हरमनप्रीत कौर सभी टीमों की कप्तानी करेंगी जबकि स्मृति मंधाना उप-कप्तान होंगी। प्रतिका को हालांकि इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच के लिए टीम में शामिल किया गया है। यह टेस्ट मैच 10 से 13 जुलाई के बीच लॉर्ड्स के मैदान पर खेला जाएगा, वहीं हरलीन वनडे सीरीज में भारत ए टीम की अगुआई करेंगी।

नंदिनी मध्यम गति की गेंदबाज हैं जिन्होंने महिला प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स के लिए 10 मैच खेलकर कुल 17 विकेट लिए। वह उस भारतीय टीम का भी हिस्सा थीं जिसने इस साल फरवरी में बैंकॉक में आयोजित महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। तेज गेंदबाज लाइन-अप में पूजा वस्त्राकर भी शामिल नहीं हैं। रेणुका सिंह ठाकुर, अरुंधति रेड्डी और क्रांति गौड़ के साथ मिलकर तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करती रहेंगी। अनुष्का शर्मा व उमा छेत्री के लिए जगह नहीं थी जिन्होंने दक्षिण अफ्रीका का दौरा किया था। मुख्य टीम काफी हद तक वैसी ही है जिसने पिछले साल नवंबर में वनडे महिला विश्व कप जीता था।

मुंबई में बीसीसीआई के हेडक्वार्टर में प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद ट्रॉफी के साथ फोटो खिंचवाते के साथ बोर्ड के सेक्रेटरी देवजीत साकिया (बीच में), सिलेक्शन पैनल की चेयरपर्सन अमिता शर्मा (दाएं) और भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर। एजेंसी

टी-20 विश्व कप टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, भारती फुलमाली, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), श्री चरणी, यास्तिका भाटिया (दूसरी विकेटकीपर), नंदिनी शर्मा, अरुंधति रेड्डी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, श्रेयंका पाटिल, राधा यादव।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच के लिए टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, प्रतिका रावल, ऋचा घोष, श्री चरणी, यास्तिका भाटिया, नंदिनी शर्मा, हरलीन देओल, रेणुका सिंह, क्रांति गौड़, सयाली सतघरे, स्नेह राणा।

भारत 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ शुरू करेगा अभियान

भारतीय टीम विश्व कप से पहले मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ 28 मई से शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में भी हिस्सा लेगी। भारत 14 जून को बर्मिंघम में पाकिस्तान के खिलाफ मैच से अपने अभियान की शुरुआत करेगा। फाइनल पांच जुलाई को लॉर्ड्स में खेला जाएगा। भारत ने अब तक टी20 विश्व कप का खिताब नहीं जीता है।

थॉमस कप सेमीफाइनल

भारत की उम्मीदों को जीवंत रखने के लिए अब सारी जिम्मेदारी एच एस प्रणय पर

आयुष और श्रीकांत हारे, फ्रांस ने 2-0 से बढ़त बनाई

होर्सेंस (डेनमार्क), एजेंसी

आयुष शेट्टी और किदांबी श्रीकांत के शनिवार को सीधे गेम में हारने से फ्रांस ने थॉमस कप फाइनल्स के सेमीफाइनल में भारत पर 2-0 से बढ़त बना ली। आयुष को शुरुआती एकल में दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी क्रिस्टो पोपोव से और फिर दूसरे एकल में श्रीकांत को दुनिया के 10वें नंबर के खिलाड़ी एलेक्स लैनियर से हार मिली।

20 साल के आयुष को शुरुआती सिंगल्स में तब उतारा गया क्योंकि लक्ष्य सेन की दाहिनी कोहनी में सूजन थी। पर आयुष फ्रांस के पोपोव की रणनीति का मुकाबला करने में नाकाम रहे और 39 मिनट में 11-21, 9-21 से पराजित हो गए। इसके बाद सभी की नजरें श्रीकांत पर थीं कि वे मैच बराबर करें, लेकिन दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद भी 16-21, 18-21 से हार गए।

श्रीकांत ने मैच की शुरुआत बराबरी पर की। वह 3-3 से बराबरी पर थे। लेकिन लैनियर ने ब्रेक तक बढ़त बना ली। श्रीकांत को अपनी गलतियों से जूझना पड़ा और वे 9-14 से पीछे हो गए। हालांकि उन्होंने थोड़ी वापसी करते हुए अंतर को कम करके 15-18 तक पहुंचाया, लेकिन नेट पर एक गलती के कारण लैनियर ने गेम प्वाइंट जीत लिया। दूसरा गेम भी कुछ इसी तरह का रहा। लैनियर की रणनीति के कारण भारतीय खिलाड़ी से गलतियां हुईं और वे 10-15 से पीछे हो गए। श्रीकांत ने कोशिश की और अंतर को कम करके 15-16 तक पहुंचाया, लेकिन आखिरी पलों में उनसे फिर गलतियां हो गईं। लैनियर को दो मैच प्वाइंट मिले और श्रीकांत का शॉट नेट में फंसने से लैनियर ने मैच जीत लिया।

अब सारी जिम्मेदारी एच एस प्रणय पर होगी कि वे भारत की उम्मीदों को जीवंत रखें। वह दुनिया के 17वें नंबर के खिलाड़ी टोमा जूनियर पोपोव से भिड़ेंगे। पोपोव ने 2025 के ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप में प्रणय को हराया था। अगर प्रणय जीत जाते हैं तो हरिहरन अमसकरुनन और एमआर अर्जुन की युगल जोड़ी का मुकाबला एलोई एडम और लियो रॉसी से होगा जबकि दुनिया की चौथे नंबर की जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी का मुकाबला आखिरी मैच में पोपोव भाइयों से होगा। सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद भारत का एक पदक पक्का हो गया था।

आयुष शेट्टी।

2022 में भारत ने थॉमस कप जीता था। उसने 1952, 1955 और 1979 में कांस्य पदक जीते थे

कोहनी में सूजन के कारण नहीं खेले लक्ष्य

भारत को फ्रांस के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले से पहले करारा झटका लगा क्योंकि उसके स्टार खिलाड़ी लक्ष्य सेन दाहिनी कोहनी में सूजन के कारण इसमें नहीं खेल पाए और उनकी अनुपस्थिति में विश्व के 30वें नंबर के खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत कोर्ट पर उतरे। लक्ष्य ने क्वार्टर फाइनल में दो मैच प्वाइंट बचाकर विश्व के छठे नंबर के खिलाड़ी चोउ टिएन चेन पर एक घंटे 28 मिनट तक चले मैराथन मुकाबले में 18-21 22-20 21-17 से जीत दर्ज की। इस मैच के दौरान हालांकि लक्ष्य की कोहनी में चोट लग गई थी और वह नहीं उबर पाए।

सिनर ने करियर की 350वीं जीत दर्ज की

- मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में बनाई जगह

मैड्रिड, एजेंसी

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अपने करियर की 350वीं जीत हासिल की और पहली बार मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई।

सिनर ने आर्थर फिल्स को 6-2, 6-4 से हराकर अपनी जीत का सिलसिला 22 मैच तक बढ़ा दिया। सिनर लगातार पांचवें मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में दुनिया में तीसरे नंबर के खिलाड़ी एलेक्जेंडर ज़्वेरेव का सामना करेंगे। जर्मन खिलाड़ी ने सेमीफाइनल में बेल्जियम के एलेक्जेंडर ब्लॉकक्स को 6-2, 7-5 से हराया। सिनर लगातार पांच मास्टर्स 1000 खिताब जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बनने की कोशिश करेंगे। उन्होंने इससे पहले पेरिस, इंडियन वेल्स, मियामी और मोंटे कार्लो में खिताब जीते थे। सिनर 2000 के दशक में जन्में पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने अपने करियर में 350 मैच जीते हैं। यही नहीं सिनर एक विशिष्ट सूची में भी शामिल हो गए हैं।

वह रोजर फेडरर, नोवाक जोकोविच और राफेल नडाल के बाद सभी नौ मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाले चौथे और सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी हैं। महिला वर्ग के फाइनल में मीरा एंड्रीवा का सामना मार्टा कोस्त्युक से होगा।